हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 मार्च, 1990

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 15 मार्च, 1990

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर	(4)25
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(4)28

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– भााहबाद सहकारी चीनी मिल द्वारा प्रयोग किए गए पानी की निकासी के कारण फसलो के नश्ट होने संबंधी	(4)31
वक्तव्य– सहकारिता राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(4)32
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(4)34
वर्श 1990–91 के बजट पर सामान्य चर्चा	(4)34
वाक आउट	(4)71
वर्श 1990–91 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)72

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 15 मार्च, 1990

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 09.30 बजे हुई। (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Video Coach/Deluxe Buses

***393. Shri Kailash Chand Sharma:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) The number of Video Coach/Deluxe Buses with the Haryana Roadways at present gether with details of routes on which these are plied;

(b) the number of buses, out of these referred to in part (a) above, which have completed their prescribed kilometers; and

(c) whether there is any proposal of the Govt to ply Video Coaches from all district head-quarters in the State?

Home Minister (Prof. Sampat Singh):

(a) 27.

These are being plied on the following routes:-

Chandigarh – Delhi
Chandigarh – Shimla
Chandigarh – Jaipur
Delhi – Jaipure
Delhi - Shimla
Yamuna Nagar – Delhi

(b) 21 Video Coaches/Deluxe Buses have completed their preseribed kilometers.

(c) No.

श्री कैला ा चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि 21 वीडियो कोचिज ऐसी है जो अपने निर्धारित किलोमीटर पूरे कर चुकी है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये बसें अपने निर्धारित किलोमीटर पूरे करने के बाद और कितनी चल चुकी है और क्या ये और चलने के लायक है?

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, बसिज़ की लाइफ या तो 6 लाख किलोमीटर चलने पर खत्म होती है या 8 साल के

बाद खत्म होती है। उसके बाद उनको कंडम कर दिया जाता है। इन बसो के अभी 8 साल पूरे नही हुए है इसलिए अभी इनको बदल नही रहे है। उनकी हालत अभी ठीक है। जो एक दो बसें खराब होगी उनको जल्दी बदल देंगे।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी की नालेज में है कि जो ये 21 वीडियो कोच है इनमें से अधिकतर के वीडियो ठीक नही चलते और इनमें से कोई न कोई बस खराब हो कर रास्ते में खडी रहती है?

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, बसो की जितनी संख्या ज्यादा होगी उनमें से एक आध तो खराब हो ही सकती है। हाउस को यह जान कर खु ाी होगी कि केवल हरियाणा प्रदे ा ही ऐसा है जिसमें वीडियो डील्कस बसें इतनी चल रही है। पंजाब हिमाचल हमारे साथ लगते है, इन दोनो की एक एक बस चलती है। तो वह एक बस कहां बंद होगी और कहां रुकेगी। जहां तक वीडियो का ताल्लुक है, यह बहुत सैंसेटिव इन्स्ट्रूमैंट होती है। यह कई बार खराब हो जाता है और हम उसे ठीक करवा देते है।

डा मंगल सैन: स्पीकर साहब, इन रुटस में रोहतक को भाामिल नही कर रखां रोहतक वालो ने क्या गलती कर रखी है? कहीं ऐसा तो नही कि रोहतक में चूंकि महम का हल्का पडता है, इस वजह से उस रुट पर डीलकस बस नही चलाई जाती?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, डीलक्स् बस तो नही लेकिन सैमी डीलकस् बस रोहतक से बकायदा चलती है। जहां तक हमह हल्के की बात है, हमह से तो रोहतक ऐडवैंटेज है।

श्री राम विलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आज कल पुलिस कई काम कर रही है और नए नए खास अफसरो को ट्रेंनिंग दे रहे है। क्या अब इन्होने बसो को भी सम्भाल लिया है? जो बसें खराब है, क्या उनको ठीक करवाने के लिए गृह विभाग से कोई वि ोश टैक्नीकल ईलाज करवाएंगे?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, बसिज का गृह विभाग से कोई ताल्लुक नही है। गृह विभाग तो खुद अपने वाहन इनके वर्क ाप से ठीक करवाता है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, यह सवाल हरियाणा की ट्रांसपोर्ट के बारे में है। अभी हरियाणा गवर्नमैंट ने पांच सौ मिनी बसिज खरीदी है। इनके बारे में पहले जो रिपोर्ट आई थी, उसके मुताबिक सरकार को मिनी बसिज से बहुत घाटा था। तो नई मिनी बसिज का आर्डर देते समय क्या सरकार ने सोचा था कि जब इनसे घाटा था तो नया आर्डर क्यों दिया जा रहा है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, श्री रणजीत सिंह जी बडे इंटैलिजैंट मैम्बर है। यह डीलक्स बसिज का सवाल है और उन मिनी बसिज में कोई डीलक्स बस नही है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, भाई कैला ा चन्द जी का गिला था कि वीडियो कोच में वीडियो ठीक नही चलते लेकिन हम लोगो को यह गिला है कि जब वीडियो चलते है तो ऐसी अ लील फिल्में दिखाई जाती है कि सहयात्रीयो के साथ बैठ कर देखी नही जाती। क्या सरकार कोई ऐसा विचार रखती है कि बसो में केवल आर्ट फिल्में ही दिखाई जाएं?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, बहिन जी ने यह बहुत अच्छा प्र न किया है। हमारे नोटिस में कोई भी ऐसी बात आएगी तो ऐसी फिल्मो को निकाल देंगे। अगर बहिन जी च्वायस करके फिल्मो के नाम बता दे तो हम केवल वही फिल्में दिखाएंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से होम मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहता हूं कि रेवाडी चूंकि नया जिला बना है इसलिए क्या रेवाडी से चण्डीगढ के लिए वीडियो कोच चलाने का सरकार का विचार है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी कोई विचार नही है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा के किस किस हैडक्वार्टर से सैमी डीलक बसे चल रही है? इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहता हूं कि भिवानी से पहले सैमी डीलकस बस

चलती थी, वह कितने दिन से खराब है और वहां से कब तक सैमी डीलकस बस चलाई जाएगी?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक डिस्ट्रीक्ट हैडक्वार्टर्ज से सैमी डीलकस बसें चलने का सवाल है, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा में 10 डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज से सैमी डीलकस बसे चलाई जा रही है। अम्बाला, भिवानी, फरीदाबाद, करनाल, हिसार, जींद, कैथल, रोहतक, यमुनानगर और सिरसा, इन 10 डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज से सैमी डीलक्स बसे ंचलाई जा रही है। जहां तक भिवानी वाली सैमी डीलकस बस के खराब होने का सवाल है, वह बीच में एक आध बार खराब हो गई होगी। जिस समय नई सैमी डीलकस बसें ली जाएंगी उस समय उसको रिप्ले कर दिया जाएगा।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया है कि बसों की लाइफ या तो 6 लाख किलोमीटर चलने पर खत्म होती है या 8 साल के बाद खत्म होती है और उसके बाद उसको कंउम कर दिया जाता है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो बस दोनो कंडी ांज पूरी कर लेती है तब उसको कंडम कर दिया जात है या इनमें से एक कंडी ान पूरी होने पर कंउम कर दिया जाता है। इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहता हूं कि इस समय 10 डिस्ट्रिक्ट है, उनसे सैमी डिलक बसें चलाने में क्या दिक्कत है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इस समय 12 डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज नही है बल्कि 4 और नए जिले बनने से 16 डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज बन गए है। माननीय सदस्य तो पुरानी बात कर रहे है। जिस समय नई सैमी डीलक बसें खरीदी जाएंगी उस समय यही कोि ा ा की जाएगी कि हर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज से ऐसी बसे चलाई जाएं, अगर ये वायबल रहती है। इसके अलावा माननीय सदस्य ने ये पूछा है कि बस को 6 लाख किलोमीटर पर या 8 साल के बाद कंउम कर दिया जाता है या दोनो कंडी ांज पूरी होने पर कंउम किया जाता है यानी इनमें से एक कंडी ान पूरी होने पर कंडम किया जाता है यानी इनमें से एक कंडी ान पूरी होने पर कंडम किया जाता है। इस बारे में मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जो बसिज दोनो कंडी ांज पूरी कर चूकी है उनको 30 अप्रैल तक रिप्लेस कर देंगे और जिन डीलकस बसिज की कंडी ान अच्छी है लेकिन वे दोनो कंडी ांज पूरी कर चुकी है उनको आर्डिनरी बसिज में बदल देंगे।

श्रीमती कला वर्माः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि जितने रुटस पर वीडियो कोच चलाई जा रही है क्या उनमें से ऐसा कोई रुट है, जो घाटे में चल रहा है? इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहूंगी कि क्या हमारे प्रदे ा की वीडियो कोच का किराया हमारे पडोसी राज्य पंजाब के अनुसार लिया जाता है या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पंजाब और हिमाचल प्रदे ा में केवल एक एक वीडियो कोच चल रही है। हरियाणा सरकार ने अलग अलग रुटज़ पर डीलकस, ए0 सी0 और सैमी डीलकस बसें चला रखी है। जिस रुट पर डीलकस और सैमी डीलकस बसे चल रही है उनको इकट्ठी ऐवरेज निकालते है। पर किलोमीटर ऐक्सपैंडीचर 4.04 रुपये है और रीसीट 4.28 रुपये है। इसलिए हम घाटे में नही नफे में है।

श्रीमती कला वर्माः स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहती हूं कि किसी भी रुट पर घाटे में वीडियो कोच चल रही है या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने बहन जी को ऐवरेज आंकडे बताए है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरे लायक गृह मंत्री श्री सम्पत सिंह जी यातायात विभाग से संबंधित सवाल का जवाब दे रहे है। उन्होने एक सवाल का जवाब देते हुए भाई रणजीत सिंह को बहुत इंटेलिजैंट कहा ओर बताया कि सरकार 500 नई मीनी बसे खरीदेगी। मै यह जानना चाहता हूं कि यदि मिनि बस घाटे म `चल रही है तो और बसें खरीदने का क्या फायदा है?

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, वैसे तो मैने इस बारे में जवाब दे दिया है लेकिन मिनि बस का अलग से सवाल लगा

हुआ है। जब उसका जवाब दिया जाएगा तो इस बारे में डिटेल बता दी जाएगी।

श्री रतन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, कुरुक्षेत्र भारत का ही नही बल्कि सारी दुनिया का द र्शनीय स्थान है और वहां पर फौरनर्ज बहुत अधिक संख्या में आते है। इसलिए मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या कुरुक्षेत्र से सैमी डीलकस बस चलाने का सरकार का विचार है?

प्रो0 सम्पत सिह: स्पीकर साहब, मै कटारिया साहब की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि दिल्ली से चण्डीगढ के बीच में जो वीडियो कोच चलती है वे सभी पीपली होते हुए चण्डीगढ जाती है लेकिन उनमें से एक बस वाया कुरुक्षेत्र होते हुए भी चण्डीगढ जाती है।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: अध्यक्ष महोदय, एक वीडियो कोच नारनौल से चलाई गई थी लेकिन उसको 5–7 दिन चलाने के बाद बन्द कर दिया गया। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस बस को बंद किए जाने का क्या कारण है?

प्रो0 सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, उस बस की रीसीट 1.72 रुपए प्रति किलोमीटर थी इसलिए उसे मजबूरी में बंद करना पडा। सवारियों कीकमी की वजह से ही ह बस बन्द करनी पडी। यदि ये सवारियो का प्रबंध करवा दे ंतो हमें वहां से बस चलाने में कोई दिक्कत नही है।

श्री कुन्दन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि फरीदाबाद से जो वीडीयो कोच बस चलती हे उसका वीडियो हमे ाा खराब रहता है। इसके बारे में मैने कई बार इनको लिख कर भी दिया है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस बस के वीडियो को ठीक कराने का प्रबंध किया जायेगा?

प्रो0 सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, जब जब भी इन्होने उस बस के वीडियो के खराब होने के बारे में लिख कर दिया है, उस वीडियो को ठीक करा दिया गया है।

Bungling in Insecticide

***1074. Shri Hira Nand Aryan:** Will the Chief Minister be pleased to state whether any raid has been conducted by the C.M. Flying Squad in the office of the Sub-Divisional Agricultural Officer, Loharu in connection with the bugling in the insecticide "Phosphomidon" during the years 1988-89 and 1989-90; if so, the details thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी औम प्रका ा चौटाला): कोई छापा नही मारा गया। परन्तु एक ि ाकायत के आधार पर मुख्य मंत्री उडन दस्ते द्वारा जनवरी, 1988 मे उप मण्डल कृशि अधिकारी लोहारु के कार्यालय का निरीक्षण किया गया। इसी आधार पर सितम्बर, 1989 में एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिस अधिकारी के खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज कराई गई है, क्या उस अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है या नही? दूसरे, इस अधिकारी के खिलाफ पुलिस द्वारा या विभाग द्वारा कार्यवाही की गई है?

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा एक डिमोस्ट्रे ान प्लांट वि ोश रुप से दवाई के लिए बनाया हुआ है। इस प्लांट में 57.5 लीटर दवाई होनी चाहिए थी लेकिन जब मुख्य मंत्री के उडन दस्ते ने छापा मारा तो वहां 30 लीटर के करीब दवाई कम पाई गई। इस 30 लीटर दवाई की कीमत करीब 5 हजार रुपए बनती थी। इन्वैस्टीगे ान जारी है। इस अधिकारी के खिलाफ सितम्बर, 1989 में एफ0 आई0 आर0 दर्ज करवा दी गई थी। ज्यों ही अधिकारी कसूरवार साबित हो जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त ऐक ान लिया जाएगा।

श्री राम विलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कीटना ाक दवाईयां किसानो को समय पर न मिलने की क्या कोई ि ाकायत इनके पास आई है, अगर आई है तो उस पर क्या ऐक ान लिया गया है?

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की कोई ि ाकायत नोटिस में आती है तो उस पर पूरी कार्यवाही की जाती है और दवाई की कमी को पूरा करने की

कोि ा ा सरकार द्वारा की जाती है। कई दफा दवाई की प्रोडक ान में कमी की वजह से भी ऐसी समस्या आ जाती हैं पीछे चावल की फसल के दौरान खास कर चावल वाली बैल्टमें दवाई की कमी पाई गई थी लेकिन सरकार ने किसी न किसी तरह से दवाइ का प्रबन्ध करके इस दवाई को सही ढंगा से तकसीम करवाया।

श्री हीरा नन्द आर्यः मै मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इस दौरान दूसरी कीटना ाक दवाईयो की कमी की कोई ि ाकायत इनके पास आई है,अगर आई है तो उस पर क्या ऐक ान लिया गया है?

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः जब भी इस प्रकार की कोई ि ाकायत आती है तो उस पर पूरा ऐक ान लिया जाता है। वि ोश रुप से मै आर्य जी के सवाल के उतर में बताना चाहूंगा कि ऐसी कोई ि ाकायत सरकार के नोटिस में नही आई।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने अपने जवाबमें बताया है कि सितम्बर, 1989 मे दोशी पाये गये अधिकारी के खिलाफ एफ0 आई0 आर0 दर्ज कराई गई है। अध्यक्ष महोदय, एफ0 आई0 आर0 दर्ज कराए करीब 6 महीने हो गए है। क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि एफ0 आई0 आर0 ही दर्ज है या उस पर कोई कार्यवाही भी की गई है?

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: मैने पहले ही बताया है कि उस अधिकारी को निलम्बित कर दिया गया है और अब आगे इन्वैस्टिगे ान जारी है। इन्वैस्टिगे ान पूरी होने पर अगर वह दोशी पाया जायेगा तो उसके खिलाफ सख्त ऐक ान लिया जायेगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: अभी मुख्य मंत्री जी ने मेरे प्र न के उत्तर में बताया है कि ऐसी कोई ि ाकायत सरकार के नोटिस में नही आई। मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि ऐसी ही एक ि ाकायत मैने मुख्य मंत्री जी को लिख कर भेजी थी, उस पर क्या कार्यवाही की गई है?

श्री औम प्रका ा चौटाला: इस प्रकार की कोई ि ाकायत अगर आर्य साहब की तरफ से आई होगी तो उस पर जरुर गौर किया जायेगा और उसका पूरा विवरण इनको दिया जायेगा।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री ने अभी बताया है कि उस अधिकारी को निलम्बित कर दिया गया है। निलम्बित करना तो विभागीय कार्यवाही है। मै आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो एफ0 आई0 आर0 लौज की गई थी उसके तहत इस अधिकारी के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है और यह केस किस स्टेज पर है?

Mr. Speaker: It has been said that investigation is in progress.

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी खुद वकील है। मैने अभी बताया है कि इस अधिकारी को निलम्बित कर दिया गया है और इन्कवायरी हो रही है। ज्यों ही इन्कवायारी के बाद वह दोशी पाया जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगीं। निलम्बन के बाद दोशी पाए जाने पर अगली कार्यवाही गिरफ्तार करने की होती है।

Construction of building of Govt. High School, Khambi

***1068. Shri Udai Bhan:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to consttructa new building of Government High School, Khambi; and

(b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be constructed?

ि ाक्षा तथा विकास मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(क) जी हां, मामला विचाराधीन है।

(ख) चार कमरो का निर्माण तुरन्त करने हेतु कदम उठाये जा रहे है तथा भोश कमरो के निर्माण का कार्य पर्याप्त धन रा ि ा के उपलब्ध होने पर प्रारम्भ किया जायेगा। अतः नये भवन

के निर्माण कार्य के पूर्ण होने बारे कोई निि चत समय सीमा अभी निर्धारित नही की जा सकती।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मै माननीय मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहता हूं कि वोटो के लालच में कांग्रेस पार्टी की गवर्नमैंट ने जिस बिल्डिंग को गिरवा दिया था, हमारे मंत्री महोदय ने स्कूल की उस बिल्डिंग को बनवाने का आ वासन दिया है और 4 कमरे बनवाने की मंजूरी दी है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि टोटल कितने कमरे बनवाने का निर्णय लिया गया है, बाकी के कमरो के लिए धन की व्यवस्था कब तक हो जाएगी और ये कमरे कब तक बन जाएंगे?

श्री हुक्म सिंहः 4 कमरे इस बरसात से पहले ही बनवा दिए जाएंगे। टोटल कमरे 14 बनवाए जाएंगे। 2–3 और कमरे भी हम इसी साल बनवाने की कोि ा ा करेंगे। जहां तक बाकी कमरो का संबंध है, इनको भीघ्र बनवाने के लिए हम कोि ा ा करेंगे लेकिन इनके लिए समय निि चत नही किया जा सकता।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इन्होने हरियाणा में कोई सर्वे करवाया है जिससे यह पता चले कि इन इन स्कूलो के लिए बिल्डिंग बनवाने की आव यकता है? पी0 डबलयू0 डी0 द्वारा

कितने स्कूलो की बिल्डिंगो को अनसेफ डिक्लेयर किया गया है और जो ऐसी बिल्डिंगे है उनके कब तक बनाने की संभावना है?

श्री अध्यक्षः बात एक स्कूल की चल रही है, सारी स्टेट के स्कूलो के बारे में जबानी बता सकना इनके लिए पौसिबल नही है। यदि आप किसी स्पैसिफिक स्कूल के बारे में पूछना चाहते है तो उसका नाम बता दीजिए ये आपको बता देंगे। यह सवाल एक स्कूल के बारे में है सारे सूबे के बारे में सप्लीमैंटरी नही की जा सकती।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस बिल्डिंग के लिए कितने धन की आव यकता होगी जो अतिरिक्त धन की भाक्ल में दिया जाना है तथा इसके ऐस्टिमेंटस के मुताबिक 14–15 कमरे कब तक पूरे हो जाएंगे?

श्री हुक्मसिंह : अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी बताया है कि 4 कमरे तो बरसात से पहले पहले बनवा दिए जाएंगे। एक कमरा बनाने पर लगभग 80 हजार रुपए का खर्च आता है।

श्री रणजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि 4 कमरे इकट्ठे बनवा कर देंगे। इस स्कूल के लिए पहले व्यवस्था क्या थी? मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने इस स्कूल की बिल्डिंग को किस वजह से गिरवा

दिया था? क्या और स्कूलो में भी एक साथ इतने कमरे बनवाने की जरुरत है?

श्री हुक्मसिंह : अध्यक्ष महोदय, बहुत सी बिल्डिंगे ऐसी है जो पुरानी हो गई है और पी0 डब्लयू0 डी0 ने उन्हे अनसेफ कर दिया है। बरसात या फ्लड की वजह से भी कई बिल्डिंगे गिर जाती है और उन्हे बनवाने की जरुरत पडती है।

श्री रतन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, मै भी आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक सवाल पूछना चाहूंगा। मेरे चुनाव क्षेत्र मं गुन्दाना स्कूल की बिल्डिंग बच्चो के लिए बहुत कम है। बच्चे धूप में ि ाक्षा ग्रहण कर रहे है।

Mr. Speaker: This is not relevant.

श्री भगवान सहाय रावत: अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया है कि कई बिल्डिंग पी0 डब्लयू0 डी0 द्वारा अनसेफ डिक्लेयर कर दी गई है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि पूरे हरियाणा में कौन कौन सी बिल्डिंग अनसेफ डिक्लेयर की गई है और वहां पर कितने कितने कमरे बनवाए जाएंगे?

श्री हुक्म सिंह: स्पीकर साहब, इस समय सारे हरियाणा की लिस्ट मेरे पास नही है।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय की यह बात ठीक है कि सारे स्कूलो के बारे में अलग अलग से सूचना

नही दी जा सकती। क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि कुल मिला कर कितने स्कूलो की मुरम्मत हो गई है, कितने स्कूलो की बाकी रहती है और उनके लिए कितने धन की आव यकता होगी?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, टोटल धन कितना चाहिए यह बताना संभव नही है क्योंकि हर साल बारि ा और फ्लड से नुक्सान होता है। फ्लड से भी बिल्डिंगे गिर जाती है और कुछ ऐडि ानल कमरे बनाने की भी मांग आती रहती है,, कुछ रिपेयर भी होनी होती है इसलिए यह बताना कि कितने धन की आव यकता होगी यह संभव नही है। उसका ऐस्टिमेट भी नही लगाया गया है।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि कुछ कारणो से पी0 डब्लयू0 डी0 स्कूलो की बिल्डिंगो को अनसेफ डिक्लेयर कर देती है और कुछ बिल्डिंगा फ्लड की वजह से गिर जाती है लेकिन जो यमुना के साथ साथ फरीदाबाद और करनाल जिले का एरिया है यानी जो यू0 पी0 के बोर्डर के साथ लगता है उस एरिया में बुरी तरह से फ्लड आते है। क्या उनकी तरफ से कोई कम्पलेंट आयी है कि बिल्डिंगो की तबाही हो गई है, अगर आयी है तो क्या जिस प्रकार से इस गांव के लिए कर रहे है, उन गावों के लिए भी कर रहे है?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, जहां भी कोई नयी बिल्डिंग बनानी हो या रिपेयर प्रायरिटी बेसिज पर होनी है, उसके लिए बहन सुशमा स्वराज जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुई थी, उसमें माननीय काबिल साथी श्री रणजीत सिंह जी और धीरपाल सिंह जी मैम्बर्ज थे। उस कमेटी ने प्रायरिटी फिक्स की कि कौन से स्कूल का भवन बनना या रिपेयर होना जरुरी था। कमेटी की रिपोर्ट पर ही काम हुआ।

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह नही था कि कौन सी रिपेयर होनी है, कौन सी नही होनी है। मेरा सवाल यह था कि उस एरिया में फ्लड आने के बाद कितने स्कूलो की बिल्डिंगे गिरी है, जिनकी रिपेयर का काम सरकार के पास है यानि टोटल स्कूलो की बिल्डिंगो की रिपेयर के लिए सरकार क्या कदम लेने जा रही है?

श्री हुक्म सिंहः फ्लड या बारि ा की वजह से 34 हाई–स्कूलो, चार मिडल स्कूलो और 14 प्राइमरी स्कूलो की बिल्डिंगे गिरी है जिनकी रिपेयर होने की आव यकता है।

श्री सीता राम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ऐसे स्कूल उनकी दृश्टी में कितने है जिनके बारे में तीन तीन साल से विभाग ने यह मान्यता दे दी है कि यह बिल्डिंग बननी चाहिए? मेरे हलके में भीमखेडी गांव है जिसके स्कूल की बिल्डिंग के लिए एक साल से ईंटे आयी

हुई है लेकिन पी0 डबल्यू0 डी.0 वालो ने चिनाई भाुरु नही की है। इसलिए मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वहां पर काम कब भाुरु करने जा रहे है?

Mr. Speaker: Singla Sahib, it is not possible to reply to this question off hand.

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, जिन 34 स्कूलो की बिल्डिंगे गिरने या हालत खराब होने की बात कही गई है, क्या उनकी रिपेयर के लिए सरकार ने धन का प्रावधान करने की सिफारि ा की है?

श्री हुकम सिंहः जी हां, की गयी है।

तारांकित प्र न संख्या 1101

यह प्र न पूछा नही गया, क्योंकि माननीय सदस्य, श्री मनीराम, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

Pension to employees of Local Bodies

***1057. Comrade Harpal Singh:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to make the services of the employees working in the Municipal Committees in the State as pensionable service;

(b) if so, the time by which such a proposal is likely to materialize; and

(c) the total number of employees working on ad-hoc basis in the Municipal Committees in the State at present together-with the period since when they are working?

स्थनीय भाासन मंत्री (श्री सुभाश चन्द कटियाल):

(क) नही।

(ख) 'क' को मुख्य रखते हुए उतर भून्य।

(ग) इस समय भिन्न भिन्न नगरपालिकाओ में जिन की सेवाएं एक वर्श से अधिक हो चुकी है, 124 कर्मचारी तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि विभिन्न नगरपालिकाओ में 124 कर्मचारी तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे है। क्या मंत्री महोदय इनके नाम बताने की कृपा करेंगे?

श्री सुभाश चन्द कटियालः नामेा की लिस्ट तो इस समय मेरे पास नही है लेकिन यह बता देता हूं कि कौन सी नगरपालिका में कितने कितने काम कर रहे है। करनाल में एक, लाडवा में दो, जगाधरी में सात, हांसी में दो, गन्नौर में तीन, सम्भालखा मे तेरह, नीलोखेडी में तीन, इन्दरी में तीन, चीका में एक, यमुनानगर में पांच, सफीदो में एक, नूंह में दो, फारुखनगरमें एक, दादरी में एक, डबवाली में एक काम कर रहे है। इस तरह से

और भी काफी लम्बी लिस्ट है। अगर आप चाहते है तो वह भी पढ कर सुना देता हूं।

आवाजें: रहने दीजिए।

डा0 बृज मोहनः स्पीकर साहब, जगाधरी में इन्होने ऐडहॉक पर काम कर रहे कर्मचारियो का नम्बर केवल 7 बताया है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इन आदमियो की जगह पर रैगुलर आदमी का कोई विचार है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, ये जो कर्मचारी है, इनकी सेवा एक–एक साल से फालतू है। सुप्रीम कोर्ट में सरकार की ओर से एक एस0 एल0 पी0 दायर है। उसका जब फैसला हो जाएगा तब इनकी सेवा भी नियमित करने के बारे में सोचा जाएगा।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने केवल 124 कर्मचारी ही ऐडहॉक पर म्यूनिसिपल कमेटीज में लगे हुए बताए है। मगर हजारो स्पीपर्ज ऐसे है जो ऐडहॉक पर नही बल्कि पार्ट टाईम ऐन्गेज किए हुए है। मै यह जानना चाहता हूं कि उनको रैगुलर करने के बारे में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः इनकी यह बात ठीक है कि क्लास फोर कर्मचारी भी डेली–वेजिज पर नगरपालिकोओ में लगे हुए है। उनके बारे में भी फैसला तभी हो पाएगा जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला हो जाएगा।

श्री राम विलास भार्मा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह कहा है कि नगरपालिकाओ के कर्मचारियो को पैन् ान देने का कोई विचार नही है। बुढापा पैं ान देने वाली यह सरकार अपने कर्मचारियो को पैं ान देने से इंकार करे, यह बात उनकी बुढापा पैं ान देने की बात से मेल नही खाती। क्या वे उनको भी पैन् ान देने पर विचार करैंगे?

श्री सुभाश चन्द कटियाल: सर बुढापा पैन् ान मे और इसमें बडा फर्क है। नगरपालिका के कर्मचारियो के लिए कन्ट्रीब्यूटरी प्रोवीडैंट फण्ड का प्रावधान है। उसमे नगरपालिका की ओर से कर्मचारियो की बेसिक पे का 8 प्रति ात पैसा दिया जाता है।

श्री किरपा राम पुनिया: अभी मंत्री महोदय ने यह बताया है कि ऐडहाक ऐम्पलाईज को रैगुलर करने के बारे में सुप्रीम कोर्ट के डिसीजन का इंतजार हो रहा है। मगर जो ऐम्पलाईज नगरपालिकाओ में ऐडहाक पर नही लगे हुए है बल्कि उनको पार्ट–टाइम एन्गेज किया हुआ है, उनको रैगुलर क्यो नही किया जाता, वे समाज के कमजोर तबके के आदमी है। उनका रिप्रैजटेटिव भी सरकार से मिल चुका है। कम से कम सरकार उनको तुरन्त रेगुलर करने के बारे में कार्यवाही क्यो नही करती?

श्री सुभाश चन्द कटियाल: सुप्रीम कोर्ट मे जो केसिज है, उनमें डेली–बेसिज ऐडहाक और सब तरह के कर्मचारियो की

बात है। उसका फैसला होने के बाद ही इनका भी फैसला किया जाएगा।

श्रीमती कमला वर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यमुना नगर में केवल 5 आदमी ही तदर्थ आधार पर लगे हुए बताए हैं, मगर संख्या तदर्थ आधार की अधिक है। जग सरकार का यह नियम है कि 240 दिन के बाद उनको पक्का कर दिया जाएगा तो वह क्यो नही उनको पक्का करती? इनको सुप्रीम कोर्ट मे जाने की क्यो आव यकता पडी? क्या कारण है कि वे सुप्रीम कोर्ट में गए हैं?

श्री सुभाश चन्द कटियालः यमुना नगर में 5 कर्मचारी नही बल्कि क्लास फोर के 219 आदमी है। इसमें चूंकि पैसे की इन्वौलमैंट बहुत ज्यादा है इसलिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद इस बारे में कोई फैसला किया जाएगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि ये जो 124 ऐडहाक कर्मचारी है, ये किस किस कैटेगरी के है और कितन कितने साल से काम कर रहे है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, भााहबाद में एक जे0 ई0, करनाल में एक क्लर्क.....

श्री अध्यक्षः एक एक भाहर का गिनकर बताने की आव यकता नही है आप सारे इकटठे ही बता दो।

श्री सुभाश चन्द कटियालः बहुत अच्छा जी। मेरे पास सारी कैटेगरीज की लिस्ट है। उसमें डिफरैंट कैटेगरीज के आदमी इस प्रकार से है।:– सैक्रेट्रीज 4, जे0 ई0 13, सैनेटरी इंस्पैक्टर्ज 2, स्टैनो टाईपिस्ट 3, क्लर्कस 56, पटवारी 1, ड्राईवर्ज 10 और फायरमैन 12 आदि आदि। यह सब एक साल से फालतू समय से लगे हुए है।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...

10:00 बजे

श्री अध्यक्षः आप कृप्या बैठिए क्योंकि आपने पहले ही तीन क्वै चन कर लिए है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, जो सफाई कर्मचारी है उनको पैन् ान देने और उनको नियमित करने की बात तो सरकार के विचाराधी नही है। लेकिन क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि नगरपालिकाओ के जो सफाई कर्मचारी है उनको बोनस देने की बात सरकार के विचाराधीन है क्योंकि वे कर्मचारी बोनस की माग कर रहे है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, इस बारे में उनके नियमित होने के बाद ही विचार किया जा सकता है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, बोनस का नियमित होने से कोई संबंध नही है। बोनस तो डेली बेसिज कर्मचारियो को भी दिया जा सकता है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने नगरपालिकाओ में जिन कर्मचारियो की सेवाएं एक साल से ज्यादा हो चुकी है उनकी तादाद तो बता दी है लेकिन जिन कर्मचारियो की सेवाएं एक साल से कम है उनकी तादाद नही बताई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि म्यूनिसिपल कमेटीज में काम कर रहे सफाई कर्मचारियो को बोनस देने पर विचार किया जाएगा और झाड़ू जैसी चीजें और दूसरी चीजे जो रोजाना इस्तेमाल में आती है, उन को प्रोवाइड करने का कोई प्रावधान सरकार के विचाराधी है? स्पीकर साहब, झाड़ू जैसी चीजें भी उनको अपने घर से लानी पडती है।

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, अगर कोई डिमांड आएगी तो विचार कर लिया जाएगा। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: This is no reply.

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये इवेसिव जवाब दे रहे है। जो सवाल मैने किया था उसका जवाब ये नही दे रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप मेरी बात तो सुनते नही है। मैने कहा है कि thi is no reply.

कमारेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मयूनिसिपल कमेटीज के अंदर ऐडहाक बेसिज पर हजारो कर्मचारी काम कर रहे है लेकिन ये 124 ही बता रहे है। ये गलत जवाब दे रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सुभाश चन्द कटियालः आप सुनने की कोि ा ा करिए। मै सब कुछ बताउंगा।

डा0 मंगल सेनः अध्यक्ष महोदय, स्थानीय भाासन मंत्री जी ने बताया है कि कर्मचारियो के नियमित होने के बाद ही बोनस देने के बारे में विचार किया जाएगा। क्या मंत्री महोदय फाईल देखकर बताएंगे कि जो आलरेउी कंफर्मड है या रैगुलर ऐम्पलायज है उनको बोनस देने की बात पहले ही, जब चौधरी देवीलाल जी मुख्य मंत्री थे, स्वीकार कर ली थी? क्या यह बात सही है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः डा0 साहब दुबारा सवाल पूछिए।

(इस समय उप–मुख्य मंत्री महोदय जवाब देने के लिए खडे हुए)

Mr. Speaker: Please put the question again and Gupta Ji will reply. The minister concerned has not done home work today. I am very sorry to say that he is not prepared.

डा0 मंगल सैनः क्या मंत्री महोदय, फाईल देखकर बताएंगे या सारी बात पता करके बताएंगे कि क्या कुछ म्यूनिसिपल कमेटीज ने ऐम्पलाइज को आलरेडी बोनस दे दिया है?

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, जहां तक म्यूनिसिपल कमेटीज के कर्मचारियो को बोनस देने का प्र न है यह सरकार नही देती। सरकार के कंसौलिडेटिड फण्ड से पैसा नही जाता। नगरपालिकाएं अपने फण्ड से देती है। मुझे सही संख्या का तो पता नही लेकिन हरियाणा की कुछेक नगरपालिकाओ ने, जिनकी आर्थिक स्थिती ठीक है, अपने कर्मचारियो को बोनस दे भी दिया है। सरकार की तरफ से हर नगरपालिका को यह कहा गया है कि जहां तक संभव हो अपनी आर्थिक स्थिती को देखते हुए कर्मचारियो को बोनस सरकार के पैटर्न पर दिया जाए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय डा0 मंगल सैन जी का स्पैसिफिक प्र न था कि चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मंत्री थे उस वक्त स्थाई कर्मचारियो के थ्रू ऐक्सचैकर बोनस देने का फैसला किया गया था। क्या उप मुख्य मंत्री महोदय उस बारे में कोई स्पैसिफिक जवाब देंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, ऐसा तो कोई निर्णय उस वक्त नही हुआ था।

श्री रणसिंह मानः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ये जो 124 कर्मचारी ऐडहाक पर बताए है उनका मोड आफ रिक्रूटमैंट क्या है?

श्री सुभाश चन्द कटियालः स्पीकर साहब, ये पिछले दो तीन साल से लगे हुए है।

Dr. Mangal Sein: Speaker Sir, it is a very serious matter. You have just now observed that the Hon'ble Minister has not come prepared. If it is your observation then some follow up action must be taken against him.

Mr. Speaker: Dr. Sahib, please put your question now.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, साहब अभी उप मुख्य मंत्री महोदय जी ने फरमाया कि सरकारी खजाने से पैसा नही दिया जाता है। यह उनकी बात ठीक तो है लेकिन गुप्ता जी को यह नही भूलना चाहिए कि सरकार की अनुमति के बिना कमेटियां पैसा दे भी नही सकती।

श्री बनारसी दास गुप्ताः डा0 साहब, अनुमति दी हुई है।
डा0 मंगल सैनः ठीक बात है गुप्ता जी, लेकिन आप साफ कहें, भाब्दो में कंजूसी मत कीजिए। इससे सरकार की व्यवस्था बिगडती है। हम ने कर्मचारियो को यह वचल दिया था कि आपको बोनस दिया जाएगा और फाईल पर इस तरह के आर्डर्ज भी है कि जो कमेटियां बोनस दे सकती है, उनको अव य देना चाहिए। मेरी

जानकारी के अनुसार एक दर्जन कमेटियां अपने कर्मचारियो को बोनस दे भी चुकी है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि क्या वे बताएंगे कि जिन कर्मचारियो को बोनस अभी बकाया है उनको जल्दी ही दे दिया जाएगा?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने पहले ही अर्ज किया था कि जिन कमेटियो की आर्थिक स्थिती अच्छी थी उन्होने तो अपने कर्मचारियो को बोनस दे दिया है। सरकार ने भोश म्यूनिसिपल कमेटियो को यह आदे ा दिया है कि वे अपनी वितीय स्थिती को ध्यान मे ंरखते हुए अपने कर्मचारियो को बोनस दें।

श्री किरपा राम पुनियाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूं कि म्यूनिसिपल कमेटीज में सफाई कर्मचारियो को जो आज समाज के सब से पिछडे हुए लोगा है, प्रायरिटी देकर के दूसरे ऐडहाक ऐम्पलाईज से पहले रैगुलर किया जाएगा?

श्री सुभाश चन्द कटियालः इस पर विचार कर लिया जाएगा।

Distribution/Pasting of posters against particular community

***1027. Shri Surinder Kumar Madan:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) whether any cases of distribution/pasting of posters against particular community in the State have come to the notice of Govt. durin the month of January, 1990; and

(b) if so, the names of the persons who have been found involved in the said incident togetherwith the action, if any, taken against them?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) निम्नलिखित दो व्यक्ति इन घटनाओ में संलिप्त थे:—

(1) योधा प्रताप सिंह चौधरी, प्रधान वि ाल हरियाणा महा सभा, निवासी गांव हेवतपूर थाना नारनौंद जिला हिसार।

(2) राजेन्द्र सिंह पुत्र सेवा सिंह जाट निवासी गांव दाता, थाना सदर हांसी (जगलान प्रिटिंग प्रैस, हिसार के मालिक)।

इस संबंध में एक मुकदमा नं0 63 दिनांक 25—1—90 धाराधीन 153ए भा0 द0 स0 थाना भाहर हिसार में दर्ज किया गया था। राजेन्द्र सिंह पुत्र सेवा सिंज जाट को दिनांक 27—1—90 के जमानत पर रिहा कर दिया गया था। योधा प्रताप सिंह चौधरी अभी फरार है। मुकदमा अनुसंधानाधीन है।

डा0 मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा कें अंदर जो पोस्टर्ज वगैरह बांटे गए उस बारे में गृह मंत्री महोदय ने एक

प्रैस स्टेटमैंट दिया था कि यह किसी बडे कांग्रेसी का हाथ है जो कि इस सूबे के मुख्य मंत्री भी रह चुके है। अध्यक्ष महोदय अगर इनके नोटिस में यह बात थी तो क्या इन्होने उस कांग्रेसी के खिलाफ कोई ऐक ान लिया?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने यह स्टेटमैंट दिया था कि हमें भाक जाता है कि वह भी किसी आधार पर गया था। जहां तक उनके खिलाफ ऐक ान लेने का सवाल है इस केस से संबंधित एक योधा प्रताप सिंह नाम का आदमी है जो कि अभी तक फरार हैं। जब वह पकडा जाएगा और इंटैरोगेट होगा तभी जाकर किसी के खिलाफ ऐक ान लिया जाएगा।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, यह मसला बडा ही सीरियस है। जो आदमी इस में दोशी थे, उनको नै ानल सिक्योरिटी ऐक्ट के तहत पकडा जाना चाहिए था लेकिन सरकार ने उनको धारा 153–ए के तहत पकडा और अगले ही दिन उनकी जमानत भी हो गई। क्या सरकार उनके खिलाफ नै ानल सिक्योरिटी ऐक्ट के तहत कार्यवाही करने का विचार रखती है? मेरे विचार से सरकार इस मामले को सीरियसली नही ले रही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो आदमी गिरफ्तार किया गया, उसका प्रिटिंग प्रैस था। योधा प्रताप सिंह नाम का आदमी अभी तक फरार है, जब वह पकडा जाएगा तो अव य ही कार्यवाही की जाएगी। जहां तक मदान साहब ने कहाकि सरकार

इसको सीरियसली नही ले रही है, ऐसी बात नही है। इस मामले को सीरियसली लिया जा रहा है। एक दो जगहो पर पोस्टर्ज बांटे गए थे, सभी जगहो पर ऐसा नही करने दिया गया।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, 25–1–90 को मैने आदरणीय मुख्य मंत्री जी को और गृह मंत्री जी को एक पत्र लिखा था कि कैथल के सिविल कोर्टस के अन्दर ऐसे पर्चे बांटे गए। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उस पत्र पर क्या कार्यवाही की गई और किसी को अरैस्ट किया गया या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे बडा अचम्भा हो रहा है। ये कह रहे है कि इन्होने 25 तारीख को पत्र लिखा। भ्रुरु मे ऐसे पर्चे आदमपुर में बंटे थे उसके बाद 27 तारीख को ये कैथल में बांटे गए। तो जब ` पर्चे कैथल में 27 तारीख को बंटे तो इन्होने 25 तारीख को पत्र कैसे लिख दिया?

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या गृह मंत्री जी के नोटिस में यह बात है कि इस पोस्टर में छपी हुई बातो का हुबहू रि–प्रोडयूस करके कुछ कांग्रेस के लोगो ने जनता में बांटा ताकि लोगो में सरकार के प्रति बेचैनी और घृण का भाव पैदा हो। अगर इनके नोटिस में ऐसी बात है तो उस पर क्या ऐक ान लिया गया?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, जब योधा प्रताप सिंह पकडा जाएगा तो जितनी बिल्लियां थैले के अन्दर बन्दहै वे सब

बाहर जा जाएंगी। जिन्होने साजि ा की है उनको पब्लिक के सामने नंगाा किया जाएगा।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, यहां पर कांग्रेस के उपर छिंटाक ाी की गई है। मै इनसे जानना चाहता हूं कि मंत्री जी ने भाक अखबारो में जाहिर किया था क्या वह उसी तरीके से तो नही किया था जैसे दरियापुर आतंकवाद के कांड के बारे में किया था? वह कांड इन्होने अपनी कमजोरी छुपाने के लिए कांग्रेस के उपर थोपा था। अध्यक्ष महोदय, इन्होने बताया कि योधा प्रताप सिंह अभी फरार है। क्या ये बताएंगे कि उसको जानबूझ कर तो नही पकड रहे हैं और ढील दे रहे है जिससे सस्पैंस बना रहे, जिससे कांग्रेस को बदनाम करते रहें?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने बहुत अच्छा प्र न किया है कि कही दरियापुर कांड की तरह कांग्रेस के उपर तो यह बात नीह थोप रहे है। इस बात का आधार कुछ है। स्पीकर साहब, हाउस के सभी सदस्यो को ध्यान होगा कि लोगो की भावना भडकाने के लिए सम्मेलन भी किए गए थे। वे सम्मेलन कांग्रेस पार्टी ने किए थे और भजन लाल ने वे सम्मेलन बुलाए थे। वह जहां भी जाता है बहुरुपिया बन जाता है। (विघ्न्) मेरे कहने का मतलब यह है कि वह जाहं भी जाता है वहां वैसी ही बात करता है। जब जाटो के इलाके मे जाता है तो कहता है कि मै जाट हू मेरा आपसे गोत्र मिलता है। दूसरी कम्यूनिटी में जाता है तो कहता है कि मै बहाबलपूर, पाकिस्तान से आया हूं। बनियो में

जाता है तो कहता है कि मै बनिया हूं। हरियाणा और राजस्थान बोर्डर पर एक चौकी है उसके जहरए वह व्यापार किया करता था। खुद जाकर तो वह इस तरह की भावना भडकाता है। वह इस तरह का आदमी है इसलिए हमें भाक है। दरियापुर कांड का सारा रिकाड मौजूद है। हमने वह केस ऐंटी टैरोरिस्ट ऐक्टीविटी के तहत दर्ज नही करवाया था बल्कि सिम्पल केस दर्ज करवाया ाि जोकि आगजनी का था। लेकिन स्पै ाल कोर्ट भिवानी ने बकायदा आर्डर दिया ि कइस पर ऐंटी टैरोरिस्ट ऐक्टीविटी का केस बनाएं। ये कोर्ट के आर्डर है तो इससे बडा सबूत और क्या हो सकता है?

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, * * * * * * * * (ाोर)

Mr. Speaker: Mr. Mahender Partap Ji, this is no way. This is not to be recorded. (interruption) This creates difficulty. You should know that clarification cannot be obtained during questions hour. मै फिर आपको कहता हूं कि आप रुल्ज प्रोसिजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस की किताब पढा करें। यदि मै आपको कुछ कहता हूं तो आप गुस्सा करते है। (ाोर एवं व्यवधान) please take your seat and let Dr. Mangal Sein have his say.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आदरणीय सम्पत सिंह जी ने बडी डिटेल में बातें बताई है। हाउस में कुछ आदरणीय बहने बैठी हुई है, मुझे कहना नही चाहिए। भाई सम्पत सिंह जी

जिस भाख्स का भुभ नाम ले रह है वह तो हर महफिल में अपनी बात कहा करता है, हरिजनो में जाएगा तो अपनी बात कहेगा, वैस्ट पंजाब के लोगो में जाएगा तो अपनी बात कहेगा और महिलाओ में जा कर कहेगा मेरा डाक्टरी मुआयना करवा लो मै क्या हू। (हंसी) मै उस चक्कर में नही पडना चाहता। मै तो यह जानना चाहूंगा कि जो आधार है पर्चे बांटने वालो का क्या उसका पता किया गया है? क्या उनके बारे मैं कोई जानकारी इकटठी की गई है? योधा प्रताप सिंह के मिलने पर तो सारी बातें सामने आ जाएंगी लेकिन उससे पहले क्या आपने इस बारे में कोई जानकारी प्राप्त करने की कोि ा ा की है? आपने कहा कि पर्चे बांटने से उन्हे रोक दिया गया। रोकना तो सरकार का काम है लेकिन बांटने वाले को पकडना भी सरकार का काम है। मै यह जानना चाहता हूं कि पर्चे बांटने वालो को अपने गिरफ्तार किया या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जब योधा प्रताप सिंह पकडा जाएगा तभी यह जानना संभव हो पाएगा कि इसमें कौन कौन लोग भाामिल थे। इसके अलावा एक बात मै यह भी बताना चाहूंगा कि 1982 और 1987 में दो बार हांसी में चुनाव हुए थे उनके अन्दर वहां के हमारे आदरणीय साथी श्री अमीर चन्द मक्कड एक बार चुनाव जीत गए और दूसरी बार हार गए थे। दोनो चुनावो में यह आदमी बकायदा हर वक्त उनके साथ बौडी गार्ड के रुप में रहता था।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की भाांति भंग करने के लिए और एक समुदाय में घृणा फैलाने के लिए वह पोस्टर छापे गए थे। गृह मंत्री जी ने यह कहा है कि दो तीन जगहो पर ही वह पोस्टर बांटे गए थे। आखिर हरियाणा की पुलिस और सी0 आई0 डी0 बडे सकीय रुप से और कु ालता से काम करती है। पहले एक जगह बंटे फिर दूसरी जगह बंटे फिर तीसरी जगह बंटे। मै यह जानना चाहती हूं कि क्या उन पुलिस अधिकारियो ओर सी0 आई0 डी0 पर इस बारे में कोई जिम्मेवारी डाली गई और अगर डाली गई तो क्या ऐक ान लिया गया?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह मामला विद इन टू और थ्री डेज में ही हो गया था। उसके बाद बकायदा रोक दिया गया था। यह केस भी इनवैस्टीगे ान के लिए पुलिस से ले कर सी0 आई0 डी0 काइम ब्रच को दे दिया गया है।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी बताया है कि केवल दो तीन दि नही पर्चे बंटे थे। मंत्री जी के ध्यान में यह बात होगी कि कुरुक्षेत्र जिले में उप चुनाव के दौरान भी वह पर्चे बांटे गए थे। क्या ये बताएंगे कि उसके बारे में इन्होने क्या कार्यवाही की है? मै एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि वह पोस्टर हिसार की एक प्रैस में भी छपे थे, बहादुरगढ की एक प्रैस मे भी छपे थे और उतर प्रदे ा के एक जिले की प्रैस में भी छपे थे। तो क्या उन प्रैस वालो को गिरफ्तर किया गया या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, भाुरु में बहादुरगढ की एक प्रैस में छपे थे उनमें ऐसी भाशा नही थी। उसके बाद हिसार में जो पोस्टर छपे थे उनमें ऐसी भाशा थी। मदान साहब ने कहा है कि कुरुक्षेत्र जिले में उप चुनाव के दौरान भी वह पोस्टर बंटे थे। मै अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि कुरुक्षेत्र मे उप चुनाव के दौरान वह पोस्टर नही बंटे थे। कैथल मे जो पोस्टर बंटे थे उनके बारे में मैने पहले ही बता दिया था। कैथल कोर्ट में 27 तारीख को बंटे थे और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में 26 तारीख को बंटे थे। मै हाउस को अ योर करता हूं कि जिस कम्यूनिटी के खिलाफ वह पोस्टर छापे गए है उस कम्यूनिटीका हरियाणा की तरक्की में वि ोश योगदान रहा है। चाहे हरियाणा की संस्कृति है, चाहे हरियाणा की समृद्धि है और चाहे हरियाणा की सभ्यता है, उस कम्यूनिटी ने हर क्षेत्र में बढ चढकर हिस्सा लिया है। आज हरियाणा की जो भाक्ल है उसके बनाने में उस कम्यूनिटी का बहुत बडा योगदान रहा है। हरियाणा सरकार उस कम्यूनिटी की बहुत इज्जत करती है। किसी जाति वि ोश के नाम पर, किसी धर्म के नाम पर यानी जाति और धर्म के बवे पर यदि कोई भी राजनैतिक आदमी रोटियां सेंकने की कोि ा ा करेगा तो उसको इजाजत नही दी जाएगी।

श्री राम विलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, यह मामला बडा संगीन था और माननीय मुख्य मंत्री जी ने, हमारी पार्टी ने और बाकी सब लोगो ने इसको बडा सीरियसली लिया। यह जो योधा

प्रताप सिंह है और इसके जो साथी है उन्होने लगभग सारे हरियाणा के अंदर वह पोस्टर बांटे। मै यह जानना चाहता हूं कि योधा प्रताप सिंह को गिरफ्तार करने के लिए गृह मंत्री जी ने किसी खास आफिसर की डयूटी लगाई? क्या उसको चेंज किया गया और उसको कहीं पर देखा गया? यह बडा अहम मसला है। एक वि ोश भाईचारे के खिलाफ यह एक नफरत फैलाने का मसला है। पंजाब में भी इसी तरह से गडबड भाुरु हूई थी। मै यह जानना चाहता हूं कि योधा प्रताप सिंह की गिरफ्तारी के लिए अब तक क्या क्या कार्यवाही की गई है और कितने दिन में वह गिरफ्तार हो जाएगा?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये पोस्टर सारे हरियाणा में नही बांटे गए बल्कि दो–तीन जगह पर ही बांटे गए थे। मैने पहले ही कहा है कि यह केस अंडर इन्वेस्टीगे ान है और इस केस को सी0 आई0 डी0 काईम ब्राचं को जांच के लिए दिया हुआ है। दोशी की मुवमैंट का पता चला है लेकिन उसका बताया जाना पब्लिक इंटरैस्ट में नही है। मै यह अ योर करता हूं कि उस व्यक्ति को बकायदा पकडा जाएगा और उसके खिलाफ अव य कार्यवाही की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मै सदन के सदस्यो को बताना चाहता हूं कि किसी भी व्यक्ति को प्रदे ा का माहौल बिगाडने की इजाजत नही दी जाएगी।

श्री हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, सवाल सिर्फ यह है कि क्या उस व्यक्ति को पकडने के लिए सरकार की तरफ से छापे

मारे गए और मारे गये तो कौन कौनसी जगहो पर छापे मारे गए? क्या उसका कोई पता चला कि वह व्यक्ति कहां पर रहता है? कृप्या यह ब्यौरा सदन को दें।

प्रो0 सम्पत सिंहः मैन बताया है कि छापे मारे गए है और उसकी मूवमैंट का पता चला है। अब कहां कहां पर छापे मारे गए वह बताना पब्लिक इन्ट्रस्ट में नही है। अगर इस बारे में बता दिया गया तो वह व्यक्ति फिर कहीं और सरक जाएगा। पुलिस ने राजस्थान, यु0 पी0 और हरियाणा में अर्थात् तीनो स्टेटस में छापे मारे है।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जातीय सम्मेलन जनता दल की सरकार और कांग्रेस दल की सरकारो द्वारा करवाए गए है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जातीय सम्मेलन भविश्य में किसी भी पार्टी की तरफ से और्गेनाइज न किए जाएं क्या इस पर कोई कानूनी पाबंदी लगाने पर सरकार विचार करेगी। दूसरा मेरा सवाल यह है कि इन पोस्टरो में भजन लाल जी का नाम साफ लिखा है जिससे लगता है कि यह उनकी साजि ा है। मै जानना चाहूंगा कि क्या उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी?

प्रो0 सम्पत सिंहः यह तो भांका जाहिर की गई है। अगर वह दोशी पाया जाएगा तो उसके खिलाफ भी बकायदा पूरी

कार्यवाही की जाएगी। जहां तक जातीय सम्मेलन पर पाबंदी लगाने की बात है, यह कानूनी तौर पर पाबंदी नही लगाई जा सकती।

Water table of Babain Area

***1037. Sh. Rattan Lal Kataria:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether the Govt. is aware of the fact that the water table of Babain area has come down; and

(b) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken to raise the water table of the aforesaid area?

सिंचाई तथा बिजली राज्य मंत्री (श्री सचदेव त्यागी):

(क) हां।

(ख) पानी की सतह को बढाने के उपायो के लिए एक विस्तृत सर्वेक्षण का प्रस्ताव है।

श्री रतन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि अम्बाला और कुरुक्षेत्र जिलो के अन्दर पानी का लैवल बहुत नीचे जा चुका है। हमारे यहां पर दादूपुर–नलवी नहर पर काम होना था लेकिन वह अभी तक भाुरु नही हुआ है। पिछले दिनो सी0 एम0 साहब उस एरिया में कई गावों मे गए थे और जन सभाएं भी की थी। उन सभी जन सभाओ में मुख्य मंत्री जी के सामने दादूपुर–नलवी नहर को बनाने की बात लोगो ने की थी। उस समय मुख्य मंत्री जी ने आ वासन

दिया था कि इस पर काम भ्रुरु किया जाएगा। मै पुछना चाहता हूं कि इस पर कब तक काम भ्रुरु हो जाएगा क्योंकि वहां पर पानी का लैवल बहुत नीचे जा चुका है?

Mr. Speaker: Kataria Ji, you please first see the question. This is not the way. You are an Advocate. You want a different reply which can not be given off hand.

श्री रतन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, मै दूसरे तरीके से सवाल कर देता हूं।

श्री अध्यक्ष: यह कोई तरीका नही है। आप बैठें।

श्री राम विलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से बिजली तथा सिंचाई राज्य मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि इस समय सारे हरियाणा प्रदे ा में भूमि जल स्तर बहुत ही नीचे जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विशय है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने इस संबंध में यानी जल स्तर को उपर उठाने के लिए क्या कारगर कदम उठाए है या उठाने जा रही है?

श्री सचदेव त्यागी: अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह सही बात कही है कि इस समय हमारे यहां पर जल स्तर बहुत नीचे गिरता जा रहा है। इसका कारण यह है कि हमारे यहां पर पानी का निकास ज्यादा है। वैसे भी हरियाणा में मीठा पानी सिर्फ 40 परसैंट है और यह बहुत सीमित एरिया में है। ऐसी जगह पर पानी

का लैवल बहुत नीचे जा चुका है। दूसरी तरफ जो 60 प्रति ात पानी है उसका लैवल ऊपर जा रहा है। (विघ्न्) स्पीकर साहब, 35 ब्लौकस ऐसे है जो डार्क कैटेगरी में आते है जहां पानी सतह तक पहुंच चुका है कि नावार्ड और दूसरे लोन देने वाले इन्स्टीच्यू ान ने लोन पर बैन लगा दिया है। वहां लोन पर सबसिडी भी देते थे। अब हमें पानी का लैवल उंचा उठाने के लिए रैगुलेटरी मैयर्ज लेने पडे है। (विघ्न्) एक तो हमने रैगुलेटरी मैजर्स अपनाये है और दूसरे हमने बिजली के महकमे से सर्वेक्षण करवाया और कहा है कि बिजली के कनैक ानज् पूरी तरह से देख कर, अच्छी तरह से जांच करके जहां लो वाटर है, वहां पर ही दिए जाएं। स्पीकर साहब, जब हरियाणा ऐगजिस्टैंस में आया था.....(विघ्न्)

श्री अध्यक्षः सवाल यह है कि जो पानी नीचे जाता है उसको प्रिवैंट करने के लिए सरकार ने क्या क्या ऐक ान लिए है, लैण्ड को चार्ज करने के लिए क्या क्या कोि ा ा की है? This is the simple question.

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, मै उसी पर आ रहा हूं। इसके लिए दो ही रास्ते है। एक तो जो पानी खर्च होता है, जो पानी की निकासी है, उसको कम करे और दूसरे यह की जमीन बरसात से रिचार्ज हो जो हमारे बस की बात नही है। इसके लिए कुछ रैमिडियल मैजर्स है जैसे नहरो के पानी सेया सीपेज से पानी का लैवल बढाया जाए। जब नहरो में पानी ज्यादा हो तो

पम्प सैटो से बाहर निकाल कर जमीन पर बहाया जाए। यह सीपेज का तरीका बनाया है।

डा0 बृज मोहनः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से आदरणीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि वाटर का लैवल नीचे जाने का कारण यूक्लिपटस की पैदावार तो नही है?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जमीन की सिंचाई की जो वर्तमान व्यवस्था है वह 45 प्रति ात अण्डर ग्राउण्ड वाटर पर निर्भर करती है। कृशि में नई–नई टैक्नोलोजी आई है इससे कृशि की सिंचाई पर पानी का खर्च ज्यादा आता है। सफेदा जो लगाते है उसमें भी पानी की ज्यादा जरुरत होती है यह भी एक कारण है। इस के साथ ही हम यह ऐग्जामिन कर रहे है कि किसानो को ि ाक्षित किया जाए कि वे ऐसी फसले पैदा करे जिनमें कम पानी खर्च होता हो।

श्री रतन सिंह कटारियाः स्पीकर साहब, मेरे एरिया में वाअर लैवल को रिचार्ज करने के लिए दादूपुर–नलवी स्कीम बनाई गई है। मै माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या इस नहर को बनाने की योजना इस वर्श सरकार के विचाराधीन है?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, यह पानी की अवेलिबिलिटि पर निर्भर करता है। एस0 वाई0 एल0 का अभी तक फैसला नही हुआ कि हमें कितना पानी मिलेगा। अभी यह फैसला

भी नही हुआ कि जो पानी मिलेगा उसका स्टेट में डिस्ट्रिब्यू ान किस प्रकार किया जाएगा। इसी तरह से यमुना के पानी का मामला इण्टर–स्टेट मामला है और यू0 पी0 सेभी पानी के बंटवारे के बारे में अभी कोई फैसला नही हुआ। जब तक यह तय नही हो जाता कि हरियाणा स्टेट को कितना पानी मिलना है तब तक इस बारे में कुछ नही किया जा सकता। (विघ्न्)

श्री अध्यक्षः इन्हे तो इतना भी नही बताना चाहिए था because the supplementary does not relate to this question.

श्री रणजीत सिंहः स्पीकर सर, अभी मंत्री महोदयन ने सवाल के जवाब में बताया है कि किसानो को ि ाक्षित करेगे कि ऐसी फसले उगाएं जिनमें पानी कम खर्च होता है। अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि नई साईंस एण्ड टैक्नोलोजी से जो खेती हो रही है उसमें ज्यादा पानी इस्तेमाल हो रहा है क्योंकि हर फसल को 6–6 या 7–7पानी लग रहे है। मै माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि पानी के लेवल को ऊपर लाने के लिए सरकार क्या बंदोबस्त कर रही है? सरकार के क्या साधन या मीडिया है और क्या हरियाणा सरकार इसके लिए सैण्ट्रल गवर्नमैंट की किसी एजैंसी से भी मदद ले रही है?

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए

तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर

Buses allotted tocach depot in the State

***1052. Shri Sita RamSingla:** Will the Minister of State for Transport be pleasd tostate the number of buses allotted to each depot, separately, during the last year?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री धर्मबीर सिंह): वर्श 1988–89 में डिपो वाईज निम्न प्रकार से बसे अलौट की गई:–

क्रम संख्या	डिपो का नाम	वर्श 19'88–89 में जो बसे अलौट की गई
1	2	3
टाटा		
1	सोनीपत	52
2	यमुनानगर	42
3	चण्डीगढ	48
4	करनाल	47
5	जीन्द	37
6	कैथल	27
7	अम्बाला	38

लेलैण्ड		
8	गुडगांव	26
9	फरीदाबाद	20
10	भिवानी	39
11	दिल्ली	18
12	हिसार	26
13	सिरसा	35
14	रेवाडी	30
15	रोहतक	36
16	फतेहाबाद	11
	कुल जोड	532

Botanica Garden

***1079 Seth Lachman Dass Bajaj:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to setup a Bonatical Garden at Karnal; and

(b) if so, the time by which aforesaid proposal is likely to be materialized?

मुख्य मंत्री (चौधरी औम प्रका ा चौटाला):

(क) नही

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

Water Supply scheme for Rewari

***1087. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Ministerfor P.W.D.(Public Health) be pleased to state-

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government for supplying drinking water through canals in Rewari town; and

(b) if so, the time by which the scheme, as referred to in part(a) above, is likely to be finalized?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री महा सिंह):

(क) जी हां।

(ख) इस स्कीम के लिए 347.00 लाख रुपए की प्र ाासकीय स्वीकृती हरियाणा राज्य सफाई बोर्ड ने अपने प्रस्ताव कमांक 30 दिनांक 8.8.89 द्वारा प्रदान कर दी है।

Selling of Panchayat Land

***1085 Shri Yogesh Chand Sharma:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether any land of Panchayats in the State has been sold by the Government during the period from 1st June,

1987 to-date, if so, the village-wise and year wise details thereof; and

(b) the names of the person to whom the land as referred to in part (a) above has been sold?

ि ाक्षा तथा विकास मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(क) सरकार द्वारा पंचायत की कोई भूमि 1 जून, 1987 से अब तक की अवधि में नही बेची गई है तथा

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

Plying of buses by other States in Haryana Territory

***1076. Shri Parma Nand:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) whether any private transport companies registered in neighbouring State ply their buses in the territories of Haryana State; if so, the names and routes of said companies;

(b) the total number of kilometers permitted to be covered by such buses within the territory of Haryana during the years 1985-86, 1986-87, 1987-88, 1988-89 and 1989-90; and

(c) the total amount of passangers tax paid by each of the aforesaid bus operators during the period as referred to in part (b) above, year wise, separately?

Interim reply

अ0स0 पत्र क्रमांक 25 MR-90

राज्य मंत्री,

परिवहन विभाग हरियाणा,

चण्डीगढ।

दिनांक : मार्च 13, 1990

Sub:- Reply to starred Assembly Question No. 1076 by Shri Parma Nand, M.L.A.

Respected Chatha Sahib,

The reply to the Starred Assembly Question No. 1076 from Shri Parma Nand M.L.A is due on the 15th March, 1990. The reply to the question involves obtaining information of Private Transport Companies registered in the neighbouring States for 4 years starting from the year 1985. The State of Haryana has interstate Transprt Agreement with the neighbouring States of Punjab, Rajasthan, Himachal, U.P., Dehi and Madhya Pradesh. In most of the State passenger Transprt is not fully nationalized. For answering part (c) of the question, informationhas to be collected from the Excise and Taxation Department, It will take sometime to collect the required information. I would, therefore, request you to kindly grant an extension of 3 weeks for furnishing the reply to this question.

With regards,

Yours Sincerely,

Sd/-

(DHARAMBIR)

Shri H.S. Chatha,

Hon'ble Speaker

Vidhan Sabha, Haryana

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री राम विलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैने एक काल अटैन ान मो ान आपकी सेवा में दी थी कि हरियाणा में प्रौढ ि ाक्षा बन्द कर दी गई है जिसके कारण हजारो लोग बेकार हो गये है। वे 15–15 साल से लगे हुए थे। वे दो सौ और तीन सौ रुपये महीने पर काम कर रहे थे। 15 साल के बाद एकदमसे यह योजना बन्द कर दी गई है। लगभग चार हजार नौजवान बेकार हो गये है।

Mr. Speaker: I have received it and it is under consideration.

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, वैसे तो आपको अधिकार है और सरकार भी इस संबंध में में विचार कर रही है। अच्छा हो अगर वह कलिंग अटैन ान मो ान आज ही लग जाये। (ाोर एवं विघ्न्)

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, यहां हाउस में पानी के स्तर को उठाने की भी बात कही गई, पंजाबी विरोधी पर्चे

बांटने की बात भी यहां सुनी गई लेकिन वाल्मीकियो के विशय में अव्वल तो कोई आवाज उठाता नही, अगर उठाता है तो उसे दबाया जाता है। स्पीकर साहब, नीलाखेडी के अन्दर 15 कनाल 10 मरले जमीन थी यानी वह दो एकड के करीब बनती है। आधी जमीन में रविदासियों का कब्जा था और आधी जमीन पर वाल्मीकियो का मंदिर और धर्म ाला बनी हुई थी।

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीट पर से बोले।

श्री बनारसी दास गुप्ताः मै अपनी सीट पर से ही बोल रहा हूं (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि आधी जमीन पर वाल्मीकियो का मंदिर और धर्म ाला थी लेकिन श्री किरपा राम पूनिया जो इस सरकार में उद्योग मंत्री थे, उन्होने डी0 सी0 भोरिया से मिल कर वाल्मीकियो पर कुठाराघात किया। उनसे कब्जा छुडाया (ाोर)

Mr. Speaker: Mr. Banarasi Dass, no no please take your sea. This is not the way.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, हमारे रुल्ज औफ प्रोसीजर एण्ड कन्डक्ट औफ बिजनेस की किताब में सदन का संचालन करने के बारे में रुल्ज दिये हुए है। स्पीकर साहब, उस पुस्तिका में यह प्रावधान है कि इस सदन का सदस्य समय समय पर सरकार का ध्यान महत्वपूर्ण विशयो पर आकर्शित कर सकता है। तारांकित प्र न, अतारांकित प्र न, काल अटैन ान मो ान, ऐडजर्नमैंट मो ान और प्रिविलेज मो ान आदि के बारे में इस

किताब में व्यवस्था है। स्पीकर साहब, आप मुझे माफ करेंगे, कल मेरे साथी ने एक बडे महत्वपूर्ण विशय की ओर सदन का ध्यान आपके माध्यम से आकर्शित करना चाहा था और आज सुबह मैने भी एक नोटिस दिया है जो आपके पास पहूंच गया होगा। मैन उसमें कहा है कि एक ऐसा घिनौना पोस्टर सारे प्रदे ा में जान–बूझ कर बांटा गया। इस पर सवाल भी अपके सचिवालय में आया हुआ है। मेरे मित्र ने उस सवाल के जो जवाब दिये है वे कुछ इवेसिव दिये है। स्पीकर साहब, यह बडा सीरियस मैटर है। इसका कुछ आधार जरुर है।

Mr. Speaker: No reply has been evasive.

Dr. Mangal Sein: Sir it is is very serious matter.

Mr Speaker: The matter is very serious, no doubt about it.

Dr. Mangal Sein: He has charged a very responsible man. मै समझता हूं कि वह रिस्पोंसिबल रहा है, आज है या नही, यह मुझे पता नही।

Mr. Speaker: He is very responsible today also.

Dr Mangal Sein: Therefore, Sir, since he is a responsible man and is not present in this House. It is another matter that she never cares to attend. However, Sir, I honour the observations made by the presiding officers from time to time that one member should not ask a question or say anything against a person who is not present in the House.

Following the well sestablished tradition, my humble submission is this that these provisions are simply there to give some relief to the members. But, Sir, it is a burning topc of the State. और समाज का एक सैक ान अननससरी हैरासमैंट महसूस कर रहा है। My friend has also rightly said कि आज उन्हे आये हुए 43 साल हो गये है। आज वे यहां की कल्चर, सो ाल लाईफ और पोलिटिकल लाईफ मे बिल्कुल सररस हो गये है। इस हाउस में भी उस सैक ान के कई मैम्बर्ज है। स्पीकर साहब, गवर्नमैंट ने जो ऐक ान लिया वह मुझे मालूम है और मुख्य मंत्री जी की स्टेटमैंट भी मुझे याद है। उन्होने जो वारन किया था कि किसी को ऐसा करने की इजाजत नही दी जायेगी वह ठीक है लेकिन इन्होने जो बात कही वह अगर और अच्छी तरह से यहां आ जाती और उस पर मुकदमा दर्ज हो जाता तो ठीक था। इसलिए मैने आपकी सेवा में काल अटैन्ा ान मो ान भेजी है। Speaker Sir, please admit it and ask my friend the Hon'ble Home Minister to make a statement thereon.

Mr. Speaker: Doctor Sahib, I have received your calling attention notice and that is under consideration.

Dr. Mangal Sein: You kindly admit it so that I may get a chance to ask supplementary on the statement made on it.

श्री अध्यक्षः स्पलीमैंट्री तो आपनै आज बहुत कर लिये है।

डा0 मंगल सैनः आपकी इजाजत से मै और भी कर सकता हूं।

Mr. Speaker: Yes yes, you can.

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, गलती से आज के कुछ अखबारो में यह छपा है कि बी0 जे0 पी.0 के श्री पी0 के0 चौधरी ने भी कल हाउस से वाक आउट किया है। टू कीप दि रिकार्ड स्ट्रेट, मै यह बताना चाहता हू कि उन्होने कल वाक–आउट नही किया। मैने उनसे कन्फर्म किया है। वह तो वैसे ही उठकर गये थे। रिकार्ड स्ट्रेट रहे, इसलिए मैने यह कहा है।

Dr. Mangal Sein: Speaker Sir, to keep the record straight it is very essential that this thing should be brought to your notice. Because what happens, if anybody goes for toilet, it is doubted by the press that he is staging a walk out. प्रैस वालो को यह बात बुरी नही लगनी चाहिये। जो भाई वैसी ही पे ााब करने गया हो, या किसी काम से गया हो, उसको वाक–आउट समझ ले यह ठीक नही। ऐसा नही होना चाहिए। मै डायबैटिक हूं। मुझे बार बार टायलैट के लिए उधर जाना पडता है। No body should doubt that I am walking out. I might be simply going for toilet, that's all.

Mr. Speaker: Dr Sahib, your point has come. Please take your seat.

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मेरा भी एक कालिंग अटैं ान मो ान था.....

Mr. Speaker: That is under consideration.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

भााहबाद सहकारी चीनी मिल द्वारा प्रयोग किए गए पानी की निकासी के कारण फसलो के नश्ट होने संबंधी

Mr Speaker: Hon'ble members I have received a notice of Calling Attention Motion No. 9 from Shri Harnam Singh M.L.A regarding the crops damaged due to discharge of used water by Co-Operative Sugar mills,Shahabad. I admit it. आज श्री हरनाम सिंह अपना नोटिस पढ दें ओर उसके बाद यदि कंसर्ड मिनिस्टर साहब स्टेटमैट देना चाहे तो दे दें।

श्री हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि भााहबाद सहकारी चीनी मिल से निकलने वाला प्रयोग किया हुआ पानी निकास के पर्याप्त प्रबन्ध न होने के कारण, त्योडा, बकाना, ारीफगढ के खेतो में भर गया है। किसानो में भारी बेचैनी हैं। यदि चीनी मिल के पानी से फसल को बचाने के लिए तुरन्त कार्यवाही नही की गई तो सारी फसल नश्ट हो जायेगी।

अतः मै निवेदन करता हूं कि सरकार फसल को बचाने तथा प्रभाववित किसानो केा राहत देने के लिए तुरंत कार्यवाही करें।

वक्तवय–

सहकारिता राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर साहब, भााहबाद सहकारी चीनी मिल, भााहबाद के पानी के निकास का प्रावधान इस मिल की स्थापना के समय ही कर दिया गया था। यह पानी एक बरसाती नाला जिसका नाम बेनतान नाला है, के द्वारा निकास किया जात है। बेनतान नाले में मानसून तथा सर्दियो की भारी वर्शा का पानी भी बहता है। किन्तु गांव छपडी के आगे कुछ किसानो ने इस नाले के बहाव को रोक दिया है और वर्शा का पानी नीचले स्थान पर इकटठा हो जाता है।

2. भााहबाद सहकारी चीनी मिल में फरवरी, 1985 में उत्पादन भाुरु हुआ था। इस मिल के पानी के प्रदूशण को भली–भांति हटाया जाता हैऔर इस पानी का प्रयोग सहकारी चीनी मिल के फार्म की सिंचाई के लिए किया जाता है। किन्तु जो पानी फार्म की सिंचाई के बाद बच जाता है उसे बेनतान नाले में डाला जाता है। केवल इसी अवधि के दौरान ही इस मिल का पानी इस नाले में डाला जाता है। क्योंकि इस पानी के प्रदूशण पर मिल द्वारा भली–भांती काबू पा लिया जाता है, यह फसल के लिए हानिकारक नही है। वास्तव में वहां के किसान बेनतान नाले पर पम्पिक सैट लगाकर इस पानी से अपने खेतो की सिंचाई करते है। बेनतान नाले में इस पानी को डालने के लिए हरियाण राज्य

प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड से 1989–90 के लिए अनुमति भी प्राप्त कर ली गई है।

3. इस वर्श भााहबाद और उसके आस पास के क्षेत्रो में 26और 27 फरवरी को भारी वर्शा हुई। सहकारी चीनी मिल भााहबाद में लगे वर्शा मापक यंत्र के अनुसार इन दो दिनो में 78 मिलीमीटर से अधिक वर्शा रिकार्ड की गई इतनी वर्शा होने के कारण बेनतान नाले में वर्शा का पानी इकटठा हो गया, वि ोशकर उस क्षेत्र में जहां वेनतान नाले को किसानो द्वारा रोक लिया गया है। इस प्रकार यह समस्या अधिक वर्शा के कारण उत्पन्न हुई है न कि सहकारी चीनी मिल के पानी की वजह से जो कि मात्रा में बहुत ही कम है।

4. स्थानीय अधिकारीगण जैसे कि उपायुक्त, कुरुक्षेत्र जो कि सहकारी चीनी मिल के चेयरमैन भी है, सहकारी चीनी मिल के प्रबन्धक निदे ाक तथा ड्रेनेज विभाग के अधिकारियो के ध्यान में यह मामला पहले ही आया हुआ है। माननीय सदस्य श्री हरनाम सिंह जी की उनसे बातचीत हो भी चुकी है। भााहबाद सहकारी चीनी मिल के प्रबन्धक निदे ाक ने उन्हे यह आ वासन दिया है कि यदि चीनी मिल के पानी से किसी खडी फसल को कोई नुकसान हुआ है तो उसक मुआवजा जो कि राजस्व अधिकारियों द्वारा नि चत किया जायेगा, सहकारी चीनी मिल द्वारा प्रभावित किसानो को दिया जायेगा।

श्री हरनाम सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पानी से फसलो के डूबने का सवाल इसी साल आया है या हर साल यह सवाल आता है?

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, इस मिल के पानी को हमारे किसान वर्श 1987–88 और उससे पहले भी खेती के लिए प्रयोग करते रहे है। चूंकि इस साल सर्दी के मौसम में ज्यादा बारि ा हुई और इस कारण आसपास का पानी वहां इकट्ठा हो गया। अध्यक्ष महोदय, मै इस सदन में आ वासन देता हूं कि अगर हमारी मिल के पानी की वजह से किसानो की खेती खराब हुई हैतो जो भी रैवेन्यू डिपार्टमैंट के अधिकारियों द्वारा मुआवजा नि चत किया जाएगा, वह किसानो को दिया जाएगा।

श्री हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर का सवाल लागू होता है तो अगर में तो इन्कार भी किया जा सकता है। मै मंत्री जी से यह आ वासन चाहता हूं कि जो पानी किसानो के खेतो में भर गया है, क्या उसको ड्रेन आउट करने के लिए सरकार फौरी तौर पर कोई इंतजाम करेगी?

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अगर की जो बात है उस बारे में मै आपके माध्यम से आ वासन दे चुका हूं कि किसान की जो भी खेती मिल के पानी की वजह से खराब हुई है उसका मुआवजा हम देंगे। अगर की कोई बात नही है। अध्यक्ष महोदय, 1985 में यह मिल भाुरु हुई थी और उसी समय से पानी नाले में

डाल दिया जाता था। चकबन्दी से पहले यह नाला कायम था लेकिन कुछ प्रभाव ाली लोगो ने इसको सममतल कर दिया इस कारण उस क्षेत्र में जहां इसको सममतल कर दिया था वहां वर्शा का पानी इकटठा हो गया। वहां के लोग चाहते है कि उस जमीन पर नाले को खोदकर आगे ड्रेन में डाल दिया जाए इसके लिए उन्होने बारबार ड्रेनेज विभाग और डी0 सी0 से कोनटैक्ट किया था।

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब एक मंत्री सदन की मेज पर कागज–पत्र रखेगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to lay on the Table-

1. The 14th Annual Report for the year 1987-88 of the Haryana Seeds Development Corporation Ltd. as required under Section 619(A)(3) of the Companies Act, 1956.

2. The 15th Annual Report for the year 1988-89 of the Haryana Seeds Development Corporation Ltd. as required under Section 619(A)(3) of the Companies Act, 1956.

वर्श 1990–91 के बजट पर सामान्य चर्चा

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब वर्श 1990–91 के बजट पर जनरल डिस्क ान होगी। इस सम्बन्ध में मै एक प्रार्थना करता हूं कि आप टाईम का ध्यान रखे कोई भी मैम्बर दस मिनट

से ज्यादा टाईम लेने का यत्न न करे। दस मिनट में ही बजट के तथा अपनी कांस्टिच्यूएंसी के बारे में अपनी बात कहने का यत्न करें। होता क्या है कि मैम्बर साहिबान पहले ज्यादा टाईम ले लेते है और फिर बाद में दिक्कत आती है।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, वर्श 1990–91 के बजट अनुमान श्री बनारसी दास गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए है। मै इस विशय में चर्चा करने एवं समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, सब से पहले इन्होने राज्य एवं केन्द्र के स्तर पर राजीव लौंगोवाल समझौते के फलस्वरुप जो न्याययुद्ध छिडा और उसके फलस्वरुप जो बदलाव आया उसका जिक्र किया गया है। न्याययुद्ध छिडने के प चात् चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में हरियाणा में सरकार बनी। उस न्याययुद्ध ने सारे दे ा में चेतना पैदा क दी। हरियाणा राज्य की बागडौर सम्भालने के बाद चौधरी देवी लाल ने केवल हरियाणा में ही नही बल्कि सारे दे ा में घूम घूम कर जन जागरण का काम किया और उसी के परिणाम स्वरुप आज श्री वि व नाथ प्रताप सिंह भारत के प्रधान मंत्री के रुप में उभर कर दे ा के सामने आए है। अध्यक्ष महोदय, जिस समय न्याययुद्ध चल रहा था उस समय इस दे ाके और प्रदे ा के लोग गोलियों के ि ाकार हो रहे थे और इसी विधान सभा के 21 सदस्यो ने चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में विधान सभा के पद को त्याग कर दे ा को एक नया रास्ता दिखाया था। आज फिर इस दे ा में नए सिरे से उन्ही के नेतृत्व में एक आन्दोलन चला और

सारे दे ा में केन्द्र के साथ साथ जनता दल की सरकारे कायम हुई। हमारी सरकार विराजमान होने के बाद सरकार ने कई सराहनीय कदम उठाये है जिससे प्रति व्यक्ति आय बढी है। इस प्रकार प्रति व्यक्ति आय मं 19.33 प्रति ात की वुद्धि हुई है। अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मै कहना चाहता हूं कि चालू वर्श का योजना परिव्यय 676 करोड रुपए रखा गया था लेकिन साधनो की कमी के कारण योजना परिव्यय 596.69 करेाड ही रह गया। अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त यह योजना बनाई गई थी उस वक्त इस बात का ध्यान दिया जाना चाहिए था कि किस तरह के साधनो को बढाया जा सकता है। बजट स्पीच में उप–मुख्यमंत्री महोदय ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के खातो के अनुसार 1990–91 के अंत में 31 करोड 19 लाख रुपये का घाटा होने की सम्भावना है जबकि वर्श के भ्ाुरु में 19 करोड 33 लाख रुपये का घाटा होने की सम्भावना है। साथ ही उन्होने यह भी बताया कि किस प्रकार से इस घाटे की पूर्ति की जाएगी। इस बार हमारी सरकार ने नये टैक्स नही लगायें है यह बडी अच्छी बात है क्योंकि इस वक्त इसके लिए हालात बेहतर नही है। हालात इस बात की इजाजत नही देते कि जनता के ऊपर नये कर लगाएं जाएं। वैसे नये कर लगाने की आव यकता भी नही है क्योंकि जो टैकस पहले ही लगे हुए है, चाहे बिजली के रेट्स से आमदनी की बात हो, चाहे और दूसरे कर हो, इनके अलावा अगर सरकार करो की चोरी रोक ले तो उसे नये कर लगाने की कोई आव यकता ही नही होगी। करो की चोरी रोकने से ही सरकार को काफी आमदनी हो सकती

है। इसलिए सरकार को यह प्रयत्न करना चाहिए कि करों की चोरी को किस प्रकार रोका जा सकता है। उदाहरण के तौर पर गुप्ता जी आपके केवल भिवानी जिले का अब तक का क्यूमूलेटिव लौस 5 करोड रुपये के लगभग है और इसमें पिछले एक वर्श का घाटा 1 करोड 34 लाख है। इसलिए सरकार को नि चत रुप से इन बातों की ओर गौर करना चाहिए तभी करों की व दूसरी चोरियो को रोका जा सकेगा और इनसे सरकार के ऊपर अतिरिक्त बोझ नही पडेगा। केवल प्र ाासको की गलती के कारण उपभोक्ताओ पर करों के बोझो का और टैक्सो के बोझो का भार नही पडना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, बजट स्पीच में बेरोजगार युवको को भत्ता देने की स्कीम चलाने का भी जिक्र किया गया और इस स्कीम के तहत चालू वर्श में 30 हजार बेरोजगार युवको को यह भत्ता सहायता दी भी गयी है। अगल वर्श में इस योजना के तहत 5 करोड 90 लाख रुपये की धनरा ि ा का खर्च प्रस्तावित किया गया है। यह सरकार का बडा ही सराहनीय कदम है।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने वृद्ध लोगो को आत्म–सम्मान व उनकी सुरक्षा हेतु जो वुद्धवस्था पें ान स्कीम चलायी है वह अपने आप में एक बडा ही सराहनीय कदम है और पूरे राश्ट्र में इस स्कीम की बदौलत हरियाणा को एक वि ोश स्थान मिला है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने एक और बडा काम किया है कि अब वृद्ध लोगो को, कचहरियो में, दफ्तरो में अपनी

पैं ान के लिए घूमना नही पडता। अधिकारीगण गांव बांव जाकर लोगो से सम्पर्क बनाकर के लोगो का काम करते है ताकि उन्हे पैं ान लेने के लिए जगह जगह न भटकना पडे। घर बैठे ही लोगो को इस तरह की राहत सरकार के द्वारा दी जा रही है जिके लिए सरकार बधाई की पात्र है। लोग इससे काफी खु ा है। आज मनीआर्डर उनके घर पहुंचते है। मै इस विशय में एक बात कहना चाहता हूं कि आज पैन् ान देने के लिए साल में पांच करोड रुपया मनीआर्डर करवाने पर खर्च किया जाता है। मेरा सुझाव है कि ब्लाक अधिकारी या पंचायत अधिकारी द्वारा 5–5 या 1010 गावों के बीच यह पैं ान बांटी जाए। इसके लिए नए कर्मचारियो को भर्ती कर लिया जाए। अब यह जो पांच करोड रुपया मनीआर्डर करवाने पर खर्च किया जाता है यह बेरोजगार नौजवानो को दिया जा सकता है। अगर ऐी कोई वयवस्था कर दी जाए तो ज्यादा उचित रहेगा।

अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है। कृशि के लिए पानी की जरुरत होती है और पानी भी तीन प्रकार से दिया जा सकता है। एक तो कुदरत के जरिए, दूसरे नहर के जरिए और तीसरे टयूबवैल के जरिए। पिछले अढाई सालो में बिजली उत्पादन के लिए जो पानी की व्यवस्था की जा सकी है, वास्तव में वह हमारी सरकार का सराहनीय कदम है। एक आध साल को छोडकर पिछले अढाई सालो में जितनी अच्छी बिजली हमारी सरकार ने उपलब्ध करवाई वह पहले कभी नही हुई थी।

(विघ्न्) उसका श्रेय चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को भी जाता है बल्कि सारी सरकार को जाता है। वह श्रेय जनता को भी जाता है जिसने ऐसी सरकार को बनाया यानी इस सरकार को सत्ता में लाई। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के लोग बडी उतावली से इंतजार कर रहे है कि एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी उनके खेतो में कब आएगा? सभी लोग चाहते है कि उनको इस पानी का पूरा हिस्सा मिले ताकि वे अपना जीवन स्तर ऊंचा कर सकें। जिस वक्त हमने अपने पो र्न में एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी लेने के लिए नहर बनाई थी उस समय से लेकर अब नहर बनाने का खर्च बहुत बढ गया है। मै चाहता हूं कि सरकार प्रयत्न करे कि जब से हमारी तरफ नहर बनी है तब से लेकर अब तक उकी रख रखाव का खर्चा भी केन्द्रीय सरकार वहन करे क्योंकि उसमें पानी न आने का दोश हमारा नही है। उसके लिए दोश केन्द्रीय सरकार और पंजाब सरकार का रहा है। पानी न आने की वजह से हमारे प्रदे ा के लोगो की लुटाई हुई है। अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 के पानी के विशय में इंदिरा गांधी जी ने अपना एवार्ड दिया था। मै चाहता हूं कि हमारी सरकार का स्टैंड उस एवार्ड पर कायम रहना चाहिए। पाकिस्तान का जो पानी जाता था उसका सौ करोड रुपया मुआवजे के तौर पर पाकिस्तान को दे दिया था। मुझे अब भी भांका है कि जब तक थीन डैम नही बनता वह पानी पाकिस्तान को जाता रहेगा। थीन डैम भीघ्रता से बनाने के लिए हमारी सरकार को केन्द्रीय सरकार को एप्रोच करना चाहिए। थीन डैम हरियाणा प्रदे ा के लोगो के लिए, पंजाब के लोगो केलिए,

राजस्थान के लोगो के लिए यानि सारे दे ा के लोगो के लिए बहुत जरुरी है। यदि वह डैम भीघ्रता से बन जाए तो हां पर जो बिजली पैदा होगी उससे लोगो को बहुत फायदा होगा। हमें इस बात की मांग भी करनी चाहिए कि जिस समय वहां पर बिजली पैदा होगी उसका हमें पूरा हिस्सा मिलें। अध्यक्ष महोदय, आज प्र नोत्तर काल के दौरान दरियापुर कांड का जिक्र भी आया। हमारी जनता दल की सरकार के भ्रुरु भ्रुंरु में बनते ही दरियापुर कांड हुआ और वह बहुत जघन्य कांड था। दरियापुर कांड करके अपराधियो ने हरियाणा में दूशित वातावरण पैदा करने का प्रयास किया था। उस समय हिसार में अनेको लोगो की दुकाने लूटी गई। जिन लोगो ने दुकाने लुटी उनसे हमारी सरकार ने माल बरामद करके वापिस दुकानदारो को दिया। लाखों रुपए का माल दुकानदारो को वापिस दिया गया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने प्रदे ा के दुकानदारो और कर्मचारियो के लिए काम किया है तथा उनको कुछ राहत भी दी है लेकिन राहम देने के बावजूद भी दुकानदारो में कुछ नाराजगी है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय गुप्ता जी से जानना चाहूंगा कि दुकानदारो को राहत देने के बावजूद भी वे हमसे नाराज क्यों है? क्या हमसे कोई भूल हो गई है, क्या हमसे कोई गलती हो गई है? अगर कोई भूल हुई है अगर कोई गलती हुई है तो उसे हमें स्वीकार करना चाहिए। अपनी किसी भूल को या गलती को स्वीकार करना भी प्रजातंत्र की नि ाानी है।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में भाांति का वातावरण बनाने के लिए चुनाव प्रणाली ठीक होनी चाहिए। हमारी केन्द्रीय सरकार चुनाव व्यवस्था को ठीक करने के बारे में विचार कर रही है। चुनावो के दौरान जिस किस्म की घटनाएं होती है, हिंसा होती है चाहे वह टोहाना के चुनाव में रीगिंग हो, चाहे तो ाम के चुनाव में गडबडी हो, चाहे भिवानी के चुनावो में हत्याएं हो और चाहै अन्य स्थानो पर इस प्रकार की घटनाएं हो सभी निन्दनीय है। ऐसी घटनाओ की कोई भी आदमी प्र ांसा नही करता निंदा करता है। मेहम के उप चुनाव में जो लोग मारे गए उसका हमें बडा अफसोस है। जिन हालात में मेहम के अन्दर हत्याएं हुई है मै उसकी निन्दा किए बगैर नही रह सकता। अध्यक्ष महोदय, मेहम के बारे में मै ज्यादा नही कहना चाहता क्योंकि यह मामला सब–जुडिस है। मेहम की घटनाओ की जांच के लिए हाई कोर्ट का एक जज नियुक्त किया हुआ है। उसकी रिपोर्ट आने पर यह पता लग जाएगा कि कौन जिम्मेवार है। वहां पर जो घटना हुई है उसकी तह में जाना होगा कि वहां पर ऐसी स्थिती क्यो पैदा हुई। अगर उसमें हमारी कोई गलती है तो उसको स्वीकार कर लेना चाहिए। अगर दूसरे लोागो ने वहां पर वह काम किया है तो हमारे इन्तजाम में कोई कमी रही होगी जिसको स्वीकार करने में हमें कोई संकोच नही करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै यह बात भी कहना चाहूंगा कि पंजातंत्र में किसी प्रकार की हिंसा के लिए कोई स्थान नही होना चाहिए। उप चुनाव के दौरान मेहम में जो घटनाएं हुई है उनकी सभी साथियो को निंदा करनी चाहिए। अगर

प्रजातंत्र खत्म हो जाता है तो जितने साथी यहां हाउस में बैठे है वे सभी धरा ाही हो जाएंगे और उनको यहां आने के लिए स्थान नही मिल पाएगा। हमारे प्रदे ा के और दे ा के लोगो ने बडी कुर्बानी के बाद वोट का अधिकार प्राप्त किया है अगर वह खत्म हो गया तो कुछ भी नही बचेगा। चाहे वह किसी भी प्रकार की ब्रिगेड हो। चाहे वह जैली ब्रिगेड हो, चाहे ग्रीन ब्रिगेड हो और चाहे कोई लाल ब्रिगेड हो उसका मुकाबला करना चाहिए और जो लोग उनका मुकाबला करते है हमें उनकी सराहना करनी चाहिए।

11:00 बजे

अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने अपने कर्मचारियों को बोनस दे कर एक बहुत ही अच्छी बात की है। यह भी ठीक किया है कि उनका यह पैसा उनके भविश्य निधि खाते में जमा हो जायेगा। इसी प्रकार से सरकार ने यह भी कर्मचारियों के लिए एक अच्छा कदम उठाया है कि जिन कर्मचारियो की सेवा अवधि 10–10 साल या 20–20 साल हो जाती थी और उनकी प्रमो ान नही होती थी उनको भी अब ऐडवांस इन्क्रीमैंट वगैरा मिलेगी। सरकार ने कर्मचारियो के लिए ये दोनो बहुत ही अच्छे कदम उठाये है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां ि ाक्षा का स्तर बहुत नीचे गिर रहा है। ि ाक्षा के बारेम मे ंतो हमारे यहां स्कूलो की यह हालत है कि इन स्कूलो की हालत एक धर्म ाला से भी बदतर है। इस बारे मे सभी पार्टियो और प्रदे ा के लोगो को राजनीतिक

स्तर से उपर उठकर काम करना होगा और ि ाक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए प्रयत्न करना होगा। आज कई लोगा कहते है कि राजनीतिक संकट हैं। इस बारे में चौधरी चरण सिंह जी कहा करते थे कि दे ा में या प्रदे ा में राजनीतिक संकट नही हुआ करते बल्कि संकट होता है नैतिकता की कमी का, आचरण की कमी का और मनुश्य के चरित्र का। अगर गलत तत्व राज सत्ता में आ जाएंगो तो कोई भी दे ा या समाज अधिक देर तक टिका नही रह सकता इसलिए सरकार को कोि ा ा करनी चाहिए कि लोगो में नैतिकता की भावना आए और उनका चरित्र ठीक बने।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने घोशणा की है कि इस साल के अंत तक प्रदे ा के सभी गावों के लोगो के लिए पीने के पानी उपलब्ध करा दिया जाएगा। ऐसा होने पर हरियाणा प्रदे ा पहला प्रदे ा होगा जिसमें हरएक गांव में पीने का पानी लोगो तक पहुंचेगा। इस बात के लिए मै सरकार को बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे जनता दल की हाई कमांड भी बधाई की पात्र है कि उसे मेहम काउप चुनाव नए सिरे से करवाने की मांग की। सरकार इस बा के लिए भी बधाई की पात्र है कि उसने मेहम की घटना की न्यायिक जांच के आदे ा दिए है। मै यह भी कहना चहूंगा कि इलैक ान कमी ान ने जो हिदायते मेहम के उप चुनाव के संबंध में जारी की है उनकी पूरी तरह से सरकार पालना करे ओर जो भी दोशी अधिकारी हो, चाहे वह

कितना ही बडा क्यो न हो और चाहे वह पुलिस का ही अधिकारी क्यों न हो, उसके खिलाफ सख्त से सख्त एक ान लें। इसके साथ साथ सरकार को प्र ाासनिक स्तर पर या दूसरे स्तर पर जिन लोगो ने वहां पर गडबड फैलाई है उन सब के खिलाफ ऐक ान लेना चाहिए और ऐक ान लेकर जनता में अपना पुनः वि वास पैदा करना चाहिए। हमारी जनतांत्रिक सरकार है। जनतंत्र में लोगो की इच्छा के अनुरुप ही काम किया जाता है। इस कलंक को हमारी सरकार को धोना चाहिए ताकि यह पार्टी और सरकार इस प्रदे ा के लिए एक अच्छी मिसाल साबित हो सके। मै आ ाा करता हूं कि हमारी पार्टी और सरकार इस कलंक को धोएगी। जिस प्रकार से चौधरी देवी लाल जी ने बहादुरी से न्याय युद्ध लडते हुए दे ा और प्रदे ा को नया रास्ता दिखाया है उसी रास्ते पर यह सरकार भी जाएगी और लोगो में अपना वि वास पैदा करेगी।

अध्यक्ष महोदय, कल गुप्ता जी ने एक सवाल का जवाब देते हुए बताया था कि किसी प्रदे ा को गाडगिल फार्मुले के तहत उस प्रदे ा की योजना के लिए सहायता दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, अपने प्रदे ा के अने मुख्य मंत्री रह चुके है। सभी यह कहते है कि आज केन्द्र में श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री है और मै मंत्री हु इसलिए श्रीमती इंदिरा गांधी से मै प्रदे ा के लिए पैसा ला रहा हूं। इसी प्रकार से कभी राजीव गांधी का नाम लेकर पैसा लाया जाता था। इस बारे में म ैअब यह चाहता हूं कि हमारी

सरकार को ऐसी कोई गलत बात नही कहनी चाहिए। इसलिए हमारी सरकार को गाडगिल फामूर्ले के जरिए या किसी दूसरे फार्मूले के जरिए केन्द्र सरकार से प्रदे ा के लिए अधिक से अधिक पैसा लाना चाहिए ताकि यह पैसा प्रदे ा की डिवलैपमैंट के कामो पर खर्च हो सके। अध्यक्ष महोदय, जब तक प्रदे ा में बजट की ठीक व्यवस्था नही हेागी और पैसे की कमी होगी तब तक डिवैलपमैंटका काम नही हो सकता। अध्यक्ष महोदय, मै यह भी कहना चाहता हूं कि पिछले दिनो कन्साईनमैंट टैक्स की बात भी चली थी। उस वक्त की केन्द्र सरकार ने संविधान में सं ाोधन नही किया था लेकिन अब तो केन्द्र में हमारी पार्टी की सरकार है। इसलिए अब इस मामले को फिर से केन्द्र सरकार के साथ उठाना चाहिए ताकि टैक्स का पैसा स्टेट को मिल पाए और उस पैसे से प्रदे ा की डिवैल्पमैंट का काम हो सके, प्रगति के काम हो सके। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै आपके सामने प्रार्थना करना चाहूंगा कि मेहमकी चर्चा बार बार उठती है औम महम के बारे में यह खबर भी है कि वहां पर पुलिस में असंतोश रहा। अध्यक्ष महोदय, जिन पुलिस कर्मचारियो को मेहम में चुनाव की डयूटी पर भेजा गया, वहां पर उनके खाने पीने, रहन सहन का किसी भी प्रकार का कोई इन्तजाम नही किया जा सका तथा उनको अपनी नौकरी के बारे में भी काफी बेचैनी है, तकलीफ है। यदि कोई एच0 ए0 पी0 का टैस्ट पास कर ले तो उसकी उसी वक्त प्रमोट कर दिया जाता है जब कि पुलिस में 8 या 10 साल के बाद प्रमो ान होती है। यदि एच0 ए0 पी0 से ट्रांसफर हो कर कोई

हरियाणा पुलिस में आ जाता है तो 1–2 साल की सर्विस वाला 8–10 साल की सर्विस वाले से सीनियर हो जाता है। इस कारण से पुलिस में रैंजिमैन्ट है। एक बडे अफसर और छोटे कर्मचारी कान्सटेबल के वेतन में भी बहुत अन्तर है। जब तक उनकी तकलीफ को दूर नही किया जात, उनके पे स्केलज् को बैटर नही बनाया जाता, जब तक उनमें रिजैंटमैंट तो होगी ही। हम उनके दुख दर्द को दूर नही कर पाये जिस कारण उनमें बेचैनी है। अध्यक्ष महोदय, यह बात भी हमें माननी पडेगी कि कोई भी प्रजातंत्रीय दे ा या राज्य ज्यादा अर्से तक पुलिस के सहारे राज नही कर सकता। इस दौरान जिन अधिकारियों ने कोताही की है, गलती की है या बदमा ाी की है उनको किसी भी प्रकार से बख्भाना नही चाहिए ताकि दे ा के लोगो को और मेहत के लोगो को लगे कि सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मै टीचर्ज ट्रेनिंग के बारे में कहना चाहता हूं। सरकार ने कई जगह पर टीचर्ज ट्रेनिंग भ्ाुरु कर रखी है। टीचर्ज ट्रेनिंग संस्थानो में 5–6 महीने से तन्ख्वाह नही मिल रही है, उनको तनख्वाह समय पर मिलती चाहिए। अध्यक्ष महोदय, प्रौढ ि ाक्षा के लिए जो लोग काम करते थे वे सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बावजूद भी आर्थिक संकट में है। क्योकि अब उनकी नौकरियां खत्म कर दी गई है। इन लोगो में बहुत से लोग ऐसे थे जो 10–12 साल से प्रौढ ि ाक्षा के काम कर रहे थे। इस बारे में मै अर्ज करना चाहूंगा कि जो लोग कन्डी ांज

पूरी करते है ऐसे व्यक्तियो की छुटटी करने की बजाय उनके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, अब आप वाईंड अप करिये।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, एक–दो मिनट में मुझे कुछ आव यक बातें कहनी है। अध्यक्ष महोदय, मै यह चाहूंगा कि सरकार के प्र ाासनिक खर्च में जो इतना पैसा खर्च किया जा रहा है उसे कम किया जाए। आए0 ए0 एस0 और आई0 पी0 एस0 अधिकारियो की संख्या में कमी करनी चाहिए। यू0 पी0 स्टेट हरियाणा से करीब छः गुणा बडा है लेकिन यू0 पी0 और हरियाणा के आई0 ए0 एस0 ओर आई0 पी0 एस0 अधिकारियो की संख्या लगभग बराबर है। इन अधिकारियो की संख्या कम की जानी चाहिए वरना स्टेट का खर्च बहुत ही ज्यादा होगा। इनकी संख्या को कम करने के लिए सरकार को चाहे कोई आयोग ही क्यो न नियुक्त करना पडे लेकिन इनकी संख्या को कम करके सेव हुए पैसे को सरकार डिवैल्पमैट पर खर्च करे ताकि स्टेट का विकास हो सके।

श्री अध्यक्षः आर्य जी, आपने काफी समय ले लिया है इसलिए अब आप बैठें।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै अभी खत्म कर रहा हू। हमारे उप–मुख्य मंत्री था फाइनैंस मिनिस्टर साहब ने जो बजट पे ा किया है उसमें पैसे की व्यवस्था की गई है। मै चाहूंगा

कि चाहे सचिवालय बनाना हो, चाहे टेल पर पानी पहुंचाने का मामला हो, चाहे सतनाली में बस स्टैण्ड बनाने की बात हो, चाहे लोहारु में वूलन मिल लगाने की बात है, इसी बजट में से इनके लिए पैसा खर्च किया जाए। (विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दो के साथ मै गुप्ता जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होने कोई टैक्स नही लगाया है और भविश्य में भी हम उनसे आ ाा करते है कि वे कोई टैक्स नही लगाएंगे। इन भाब्दो के साथ मै बजट का समर्थन करते हुए आपका धन्यवाद करता हूं क्योकि मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष जी, सदन में बजट पर चर्चा चल रही है। सब से पहले मै हरियाणा के उप–मुख्य मंत्री और जो यहां के वित्त मंत्री भी है उन्हे सदन में कर रहित बजट प्रस्तुत करने के लिए ह्रद्य से बधाई देती हू। मार्च के पहले सप्ताह से नागरिको में भय व्यापत हो जाता है कि इस महीने से उनके घर का खर्चा बढ जायेगा क्योकि केन्द्रीय सरकार और प्रान्तीय सरकार अपने बजट में नये कर लगायेगी। बैठे बैठाए ही उनकी आमदनी कम हो जायेगी।

(इस समय सभापतियो की सूची के एक सदस्य, श्री कि ान सिंह सांगवान, पदासीन हुए)

सभापति जी, कल हमारे वित्त मंत्री जी ने कर रहित बजट प्रस्तुत करके हरियाणा के नागरिको को राहत दी है और

उन्हे भयमुक्त किया है यह कह कर कि मै इस बजट में कोई कर प्रस्तावित नही कर रहा हूं। इसलिए मै उन्हे पुनः बधाई देती हू। सभापति जी, परम्परा यह रही है कि बजट प्रस्तुत करने के बाद एक या दो दिन का अन्तर दे कर उस पर चर्चा भाुरु हो जाती है और ऐसी होना भी चाहिए क्योकि केवल बजट वक्तव्य ही हमको नही दिया जात उसके साथ बजट के वयाख्यात्मक दस्तावेज भी दिये जाते है। अगर आप बजट पर कोई सार्थन चर्चा करवाना चाहते है तो यह आव यक है कि उन दस्तावेजो का अध्ययन करने के बाद हम लोग चर्चा भाुरु करे। अब बीस किलो का भार हम लोगो को दिया गया है, बजट का वयाख्यात्मक ज्ञापन, उसके साथ अनुपूरक अनुदान मांगो का ब्यौरा यानी तमाम चीजे दे दी है और साथ ही सीमा बांध दी है कि दस मिनट उन तमाम बातो पर चर्चा करिए, जो कुछ कहना है वह कहिए। अब यह गागर में सागर भरने वाली बात है। यह तो किसी किसी की कैपेसिटी हो सकती है भाायद गुप्ता जी की हो सकती है, हम लोगो की नही है। आज का यह अन्तर हमें सहज और स्वाभाविक रुप से मिल रहा था क्योकि वीरवार होने के नाते आज गैर–सरकारी दिन था। आज के दिन गैर–सरकारी संकल्प हो जाता और हम लोग आज के दिन बजट को पढ लेते, कल आ कर चर्चा भाुरु कर देते। यही कारण था कि जब बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट हाउस में पे ा हुई थी, मैने यह रिक्वैस्ट की थी कि यह दिन हमारे लिए गैर–सरकारी रहने दिया जाये ताकि हम बजट को पढ कर चर्चा कर सके लेकिन उसे माना नही गया। मुझे समझ में नही आत कि

वजह क्या है, समय की कोइ कमी तो दिखती नही। 20 तारीख से 28 तारीख तक आप लोगो ने छुटटी डिक्लेअर की है और फिर 29 तारीख को सै ान बुलाया है। अगर दो दिन और बहस चल जाती तो ज्यादा प्रभावी और ज्यादा सार्थक बहस हम लोग कर सकते थे। आज हम बहस करते समय केवल उप–मुख्य मंत्री जी के वक्तव्य को आधार बना सकते है बाकी कोई दस्तावेज पढने का हम लोगो को समय नही मिला। इसी बजट स्पीच को आधार बना कर मै अपने विचार बजट पर सदन में रख रही हूं। उप–मुख्य मंत्री महोदय जरा ध्यान देंगे। मै उन्हे मुखातिब करके एक बात कहना चाहती हूं क्योकि आप हिन्दी के बहुत पंडित है, हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष भी रह चुके है, और हिन्दी पर आपको अधिकार भी हासिल है। आप देखे की बजट स्पीच के पहले ही पृश्ठ पर जहां आपने चौधरी औम प्रका ा चौटाला का स्वागत करते हुए कहा कि अपनी राजनैतिक परिपक्वता, संगठनात्मक योग्यता के लिए प्रसिद्ध है वहां अपने यह भी कहा कि वे हरियाणा विकास के बारे उद्विग्नता के लिए भली भांति जाने जाते है। उद्विग्नता भाब्द के बारे में गुप्ता जी जानते है कि यह कभी अच्छे मायने में इस्तेमाल नही किया जाता। लोग कहते है कि खामख्वाह ही क्यो उद्विग्न हो रहा है। फिर मैने अंग्रेजी स्पीच को उठाया क्योंकि मुझे यह मालुम है कि यहां पहले अंग्रेंजी में स्पीच बनती है फिर उसका तरजमा किया जाता है। मैने देखा कि कौन से भाब्द का तरजमा अंग्रेजी से हिन्दी मे किया है। उसमें लिखा था कंसर्न फार हरियाणा डिवलैपमैंट। अब कंसर्न भाब्द का उद्विग्नता अर्थ

बनता है यह मुझे मालूम नही। मेरे विचारानुसार तो इसको चिंता भाब्द कहा जा सकता है। यह कहा जा सकता है कि हरियाणा के विकास के लिए ये चिन्तित है, विख्यात है। अगर कोई व्यक्ति ज्यादा ही आगे बढना चाहता है तो व्याकुलता भाब्द इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन उद्विग्नता भाब्द ठीक नही बैठता। मुझे हैरानी है कि गुप्ता जी ने पढते हुए इसे क्यो नही काटा? हो सकता है कि ये भी उनकी कार्य ौली को उद्विग्न मानते हों। इसलिए इन्होने उद्विग्नता भाब्द को ही रखा हो वरना यह भाब्द इसमें अखरता है।

इसके बाद गुप्ता जी मुझे एक और बात आपसे कहनी है। हमारे उप मुख्य मंत्री जी ने जो सं ाोधित वार्शिक योजना रखी है उसके दो आंकडे काफी दुखदायी है। हमारी जो टोटल सातवीं पंचवर्शीय योजना है उसमें 2900 करोड रुपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया था। इसमें से हमने केवल 2567 करेाड रुपए ही खर्च करने की सम्भावना व्यक्त की है। यानि इसमें हमने तीन–सवा तीन सौ करोड रुपए की कमी की है। यह बात ठीक है कि उस पंचवर्शीय योजना की पूरी की पूरी जिम्मेवारी तो यह सरकार नही ले सकती क्योंकि उसके पहले के दो वर्श के खर्च दूसरी सरकार कर गयी थी लेकिन उससे भी ज्यादा दुखदायी आंकडे चालू वर्श के है जिनकी सीधी–सीधी जिम्मेवारी हमारी वर्तमान सरकार पर आती है। 676 करोड रुपये का योजना परिव्यय इसमें रखा गया था लेकिन उसको भी घटा कर 596.69 करोड

रुपया कर दिया है। यह साढेग्यारह परसैंट की कटौती है। एक आध परसैंट की कटौती हो तो लोग सोच लेते है कि चलो ठीक है, उसके अनदेखा किया जा सकता है। जब हम अन्दर ि ार्शक पढते है सं ाोधित वार्शिक योजना कातो आम तौर पर दिमाग में यह बात आती ह कि सं ाोधन करके कुछ पैसा बढाया गया होगा। इसलिए इसमें सं ाोधन किया गया होगा ताकि विकास के कार्यो पर कुछ ज्यादा पैसा खर्चा हो सके। लेकिन दोनो आंकडे घाटे के आंकडे है। यहा पर पैसा घटाया गया है। 676 करोड रुपये पर साढे ग्यारह परसैंट की कटौती की गई है और टोटल सातवीं पंचवर्शीय योजना में भी 333 करोड रुपए की कटौती की गई है। इससे विकास के कार्यो की झलक मिलती है कि पूरे वर्श में इसमें कमी आई है। यह कोई अच्छी बात नही है हालांकि गवर्नमैंट के कई कंस्ट्रेटस रहे है। मै उनको ऐप्रीि ाियेट करती हूॅ। गवर्नमैट के उन कंस्ट्रेटस को देखते हुए कि चौथे वेतन आयोग की सिफारि ाो को मानना पडा, सुप्रीम कोर्ट के कुछ एसे निर्णय आ गए, जिनकी वजह से कुछ अनऐन्टीसिपेटिड एक्सपैंडिचर हो गया और उनको देना पडा। मै समझती हूं कि गुप्ता जी जवाब देते हुए यह कहेंगे कि इसमें काफी से ज्यादा भागीदारी सुशमा जी आपकी रही है क्योंकि तब आप ि ाक्षा मंत्री थी। मै समझती हूं कि यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद हमें अध्यापको को पैसा देना पडा, लेकिन इन तमाम चीजो के बावजूद अगर हम वित्तीय अनु ाासन के हिसाब से थोडा सा देख लेते तो अच्छा होता। इससे जो विकास के कार्यो की कमी की झलक आती

है, यह कोई अच्छी बात नही है। उप मुख्य मंत्री जी, मै एक बात और आपसे कहूंगी जिसका मुझे काफी दुख है। आप पृश्ठ 4 पर देखिण जहां वार्शिक योजना का जिक आता है वहां पर बीच में एक लाईन लिखी है कि अप्रैल, 90 से हम आठवीं पंचवर्शीय योजना 1990–95 में प्रवे ा करेंगे। यह पढ कर मझे दुख हुआ कि इस योजना अवधि के दौरान अपनाई जाने वाली कार्य–नीति और दृश्टीकोण को अभी कोई अंतिम रुप नही दिया गया है। मै यह कहती हूं कि यह बात गलत है। राजनीतिक दल तो अपनी नीतियो और दृश्टीकोण को उसी दिन अंतिम रुप दे देते है जब वह अपना इलैक ान मैनीफैस्टो डिक्लेयर करते हैं। उन नीतियो और दृश्टीकोण को झलकाने वाली योजनाओ को अगर अंतिम रुप नही दिया गया तो यह बात तो मानी जा सकती है कि हमारी योजनाए अभी बननी है लेकिन यदि हमारी नीति ही स्पश्ट नही है या हमारा दृश्टीकोण साफ नही है यह बात ठीक नही है। ऐसी बात बजट वक्तव्य में आये, यह कोई अच्छी बात नही है, यह बात ठीक नही है। नीतियो और दृश्टीकोण के बारे में तो जब हम लोग चुनाव के अखाडे में उतरे थे, उसी दिन स्पश्ट कर दिया था। हमारी नीतियो और दृश्टीकोण को जनता ने पसंद किया था तभी तो उसने आपको सत्ता के आसन पर बैठाया था। हमने अपनी नीतियो और दृश्टीकोण मंचो पर गाया और महारानियो की तरह से भाया था। जनता से उसको जोडा था। तभी हम मैम्बर बने थे। हमारे मुख्य मंत्री बदले है। उसी दल की सरकार है। उसी दल के विधायक है। दल के नेता बदल गये है यह दूसरी बात है। उसी दल की

कार्य ौली है, उसी दल की कार्य प्रणाली है। उसी दल की नीतियां है। उसी दल का दृश्टीकोण है। गवर्नमैंटके नेता बदलने से प्रगति के कामो में गति बदल सकती है। कम या ज्यादा हो सकती है लेकिन बजट वकवतय में यह कहना कि हमारी नीति और दुश्टीकोण को अभी अंतिम रुप नही दिया गया, यह ठीक बात नही है। हमारी नीति बडी स्पश्ट है, हमारा दृश्टीकोण बडा साफ है। हां इनको झलकाने वाली योजनाओ को जो आगामी पांच वर्शो में कौन सी बनेगी, नैचुरली उसको अभी अंतिम रुप नही दिया जा सकता। वह साथ साथ चलेगी। बदली भी जाएगी। इस तरह से उसको अगर आप कहते तो भाायद ज्यादा अच्छा लगता। जिस तरह से यहां पर कहा गया है, यह बहुत अच्छा नही लगता। एक बात उप मुख्य मंत्री जी ने अपनी स्पीच में यह कही है कि इन्होने यह लक्ष्य निर्धारित किया है कि सितम्बर 1990 तक हरियाणा प्रान्त के हर गांव को नल द्वारा पेय जल की सुविधा उपलब्ध करवायी जायेगी। आपने आगे यह कहा है कि मुझे यह बताते हुए हर्श है कि इस दि ाा में कार्य पूरे जोर– ाोर से आरम्भ किया जा चुका है। यह बात पढकर अच्छी लगी लेकिन गुप्ता जी आपने जो आंकडे दिखाए है उनसे पूरे जोर– ाोर वाली बात नही लगती। उन आंकडो द्वारा बताया गया है कि वर्श 1989–90 के दौरान 400 समस्याग्रस्त गावों को भाुद्ध पेयजल उपलब्ध करने के लक्ष्य के विरुद्ध जनवरी, 1990 तक केवल 260 समस्यग्रस्त गावो को पेयजल उपलब्ध करवाया गया है। सभापति महोदय, वर्श 1989–90 में चार सौ समस्याग्रस्त गावों को पानी देने का लक्ष्य था लेकिन जनवरी,

1990 तक केवल 260 गावों को पेयजल उपलब्ध करवाया गया है। आपको मालूम है कि वित्त वर्श 1 अप्रैल से आरम्भ होता है और 31 मार्च को खत्म हो जाता है। आपने जनवरी तक के आंकडे दिए है। इसका मतलब यह है कि दस महिनो मे आपने 260 गावों को पानी दिया है। साल खत्म होने में केवल दो मास बाकी है। इसका मतलब यह है कि आपने एक मास में 26 गावों को पानी सप्लाई किया और आगे दो महीनो में 140 गावों को कवर करना है। इसका मतलब यह है कि मास में 70 गावों को आप कवर करेंगे। मुझे इस बात का दुख है कि आप यहां क्या लिख रहे है। और ये कैसे कवर होंगे? अब तक एक मास में 26 गावों को ही पानी दे पाए और अब एक मास में 70 गावों को पानी देंगे, यह कैसे हो पाएगा। आप सारे पैरा को पढ लें। सारे के सारे आंकडो को देखें। मुझे भाक है कि 33 परसैंट की जो कमी है जो 33 परसैन्ट का लक्ष्य बाकी रहता है उसको दो महीने में कैसे पूरा करेंगे? सभापति महोदय, आगे देखिए। राश्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत एक लाख आपरे ानो के वार्शिक लक्ष्य के मुकाबले जनवरी, 1990 तक केवल 67227 आपरे ान कये गए है। सभापति महोदय, इस महीनो में केवल 67 परसैंट लक्ष्य पूरा हुआ है और बाकी 33 परसैंट फरवरी और मार्च में पूरा करने का प्रोग्राम है। मुझे भाक है कि दो महीने में यह कैसे पूरा होगा? गन्दी बस्ती उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्श के दौरान 36666 व्यक्तियो के लक्ष्य के मूकाबले कुल 27309 व्यक्तियो को लाभ पहुंचा है। अगले दो महीनो में यानी फरवरी और मार्च में 9357 व्यक्ताये को लाभ

पहुंचाना है इसका मतलब यह हुआ कि एक महीने में लगभग 2730 व्यक्तियो को इस स्कीम का लाभ पहुंचा और अब आप एक महीने में 4600 व्यक्तियो को इस स्कीम का लाभ पहुंचाना चाहते हैं। यह लक्ष्य कैसे पुरा होगा? यह बात समझ में नही आती। सभापति महोदय, अब आप वानिकी कार्यकम को देखिए। इसके अन्तर्गत 1988–89 में 5 करोड 50 लाख वृक्ष लगाने थे लेकिन आपने जनवरी 1990 तक 4 करोड 32 लाख वृक्ष लगाए है और अभी एक करोड 18 लाख पेड लगाने बाकी है। इसका मतलब है कि 43 लाख 32 हजार पेड हर महीने लगाए और अब हर महीने 59 लाख पेड लगाने पडेंगे तभी लक्ष्य पूरा होगा। यह हो पाएगा या नही यह नही कहा जा सकता। बायोगैस संयंत्र लगाने का पूरे साल का लक्ष्य 2000 था लेकिन इस महीने में 1349 बायोगैस संयंत्र लगाए गए। 651 बायोगैस संयंत्र दो महीने में लगाने है। पहले हर महीने 135 बायोगैस संयंत्र लगाए गए लेकिन अब 325 बायोगैस संयंत्र हर महीने लगाने पडेंगे। इसी तरह से बीस सूत्रीय कार्यकम के अन्तर्गत गरीब परिवारो की जो भलाई करनी थी उसका लक्ष्य वर्श 1988–89 में 56326 रखा गया था लेकिन उस लक्ष्य के विरुद्ध जनवरी, 1990 तक 52079 परिवारो को सहायता प्रदान की गई है। सभापति जी इसका मतलब यह है कि गरीबी उन्मूलन कार्यकमो के अन्तर्गत प्रति माह 5208 परिवारो की सहायता की और अगले दो महीने में 4244 परिवारो की सहायता करनी है और एक महीने में 2122 परिवारो की सहायता करनी है। सभापति जी, हमे इस प्रकार से काम करने की प्रवृति को बदलना होगा। यह नही होना चाहिए

कि दस महीने में तो चींटी की चाल से काम लिया जाए और जो अंत में दो महीने रह जांए उसमें तेज चाल से काम किया जाए। अधिकारियों की इस प्रवृति को रोकना पडेगा। इन दो महीनो में अन्धाधुंध खर्चा किया जाता है। सारे के सारे टैन्डर्ज इन दो महीनो में मांगे जाते है। सारा रुपया खर्च करने की मनोवृति इन दो महीनो में होती है। क्योंकि दो महीनो के बाद ग्रांट लैप्स हो जाती है। घटिया माल खरीदा जाता है। इन दिनो में आपाधापी होती है। माल खरीदने के मामले में और काम करने के मामले मे जो नियम हैं उनमें ढील दी जाती है और कई नियम नजरअन्दाज किए जाते है। ऐसा करने का कारण केवल यह होता है कि कही ग्रान्ट लैप्स न हो जाए। अधिकारियों को डर रहता है कि ग्रांट लैप्स होने से उनकी बदनामी होगी। सभापति जी, मेरा कहना यह है कि इस प्रवृति को रोकना पडेगा, यह परम्परा बदलनी पडेगी। कहा जाता है कि जब कोई योजना आरम्भ होती है तो उसके तीसरे या चौथे महीने ग्रांट आती है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जैसे ही कोई योजना मंजूर हो उसके लिए धनरा ि ा उसी समय उपलब्ध करा देनी चाहिए। हमें कायदे कानून के अनुसार काम करना चाहिए। कायदे कानून के अनुसार काम करने से संतुश्टि होती है। यह नही होना चाहिए कि पहले दस महीने मे तो 66 परसैंट काम किया जाए और आखिरी दो महीनो में 33 परसैंट काम किया जाए। इस प्रवति को हमें रोकना है तभी काम ठीक ढंग से हो सकेगा।

श्री सभापतिः आपके बोलते हुए चौदह मिनट हो गए है। अब आप बैठिए।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अभी तो मैने छः पृश्ठ ही पढे है। इसके तो 39 पुश्ठ है।

श्री सूरजभानः सभापति जी, एक ही रात में यह हालत है अगर दो दिन दे देते तो पता नही क्या होता।

श्रीमती सुशमा स्वराजः सभापति महोदय, जहां तक एस0 वाई0 एल0 का सवाल है इस बारे में उप मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने की गति में तेजी आएगी। मुझे इसमें कोई सन्देह नही है, बिल्कुल तेजी आनी चाहिए और पहले केन्द्र सरकार की ओर से इस कार्य के लिए जो अडचनें आती थी, वे अब बिल्कुल समाप्त हो गयी है। अब केन्द्र में हमारी सरकार विराजमान है। लेकिन गुप्ता जी मै केवल एक वायदा आपको याद दिलाना चाहती हूं। पिछले सत्र में सिंचाई तथा बिजली मंत्री महोदय से हमने एक बात कही थी और उन्होने क्वै चन आवर में एक प्र न के जवाब में कहा था कि वे नौ बार एस0 वाई0 एल0 नहर देख कर आए है। हमने कहा था कि आप नौ बार इस नहर को देखकर आए है तो कम से कम हमारी इस 90 विधायको की टीम को वहां पर ले चलिए ताकि सभी विधायक अपनी आंख से देख लें कि वह काम कितनी गति से चल रहा है। कितनी तरक्की इस काम में है। इस पर उन्होने सदन में यह

आ वासन दिया था कि हां जरुर ले जाएंगे। (विघ्न्) इसलिए मै उप मुख्य मंत्री महोदय से कहूंगी कि सरकार अपना वायदा निभाये और इन सभी 90 के 90 एम0 एल0 एज0 को वहां नहर का काम दिखाने के लिए ले जाएं ताकि हम अपनी आंख से देख सके कि उस काम में कितनी तरक्की और प्रगति हो गयी है।

सभापति महोदय, पेज 12 पर इन्होने लिखा है कि किसानो के खेतो के साथ साथ लगे वृक्षो से होने वाली आय का आधा हिस्सा उन्हे देने के लिए आगे भी सरकार वचनबद्ध है। आगे की वचनबद्धता पर तो मै प्र न चिन्ह् नही लगा रही हूं लेकिन मै इतना अव य कहना चाहूंगी कि अब तक इस तरह का कितना पैसा किसानो में बांटा जा चुका है यह वे बता दें। यह स्कीम हमारी सरकार की सबसे उच्चतम स्कीमो में से एक थी कि सडक के साथ लगने वाले वृक्ष जब बेंचे जाएंगे तो उसकी आधी आमदनी किसानो को दी जाएगी। इसलिए मै यह जरुर जानना चाहता हूं कि बेचें गए वृक्षो में कितनी आय हुई और उसका कितना हिस्सा किसानो को बांटा गया और कितने किसान इससे लाभान्वित हुए?

सभापति महोदय, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के मंत्री जी यहां पर बैठे हुए है। मै आपके माध्यम से उनसे एक बात अव य जानना चाहूंगी। जब अनुपूरक अनुमानो को दूसरी किस्त सदन में रखी गई थी तो उस समय उपभोक्ता संरक्षण के लिए राज्य आयोग एवं जिला फोरम बनाने के लिए 60.65 हजार रुपया मांगा गया था। यह एक बहुत राहत देने वाला काम है जोकि हरियाणा

सरकार ने किया है। लेकिन अभी तक हमारी जानकारी के अनुसार इन जिला फोरमो ने काम करना भ्ाुरु नही किया है। एक वर्श के लिए हमने इनको बनाने का निर्णय ले भी लिया। वे बन भी गए। उनमें जो लोग बैठने थे वे भी नियुक्त हो गए। नियुक्तियां बदल भी गयी, दूसरी नियुक्तियां भी हो गई लेकिन अभी तक उन फोरमो ने अपना काम भ्ाुरु नही किया। एक बात सभापति महोदय, मै यहां पर कहना चाहती हूं कि अगर ये फोरम अपना काम करना भ्ाुरु कर भी दे तो जब तक उपभोक्ता में जागरण को न लाया जाएगा तब तक इनका गठन गैर प्रभावी रहेगा। इसलिए मेरा एक सुझाव है कि आप इस काम के लिए एक पखवाडा मनवाइयें। उपभोक्ता जागरण के अभियान के नाम से 15 दिनो का एक पखवाडा हो, जिसमें पोस्टर्ज निकाले, जिसमें वौलन्ट्री आर्गेनाईजे ान को आप लें, टीचर्ज को आप ले, जिला प्र ाासन के लोगो को आप उसमें भिजवाएं और उसके पूरे 15दिनो तक हरियाणा के आखिरी गांव के आखिरी उपभोक्ता तक जब तक हम यह बात नही पहुंचाते कि हमने इस तरह के फोरमो का गठन किया है जहां जाकर के वे लोग अपनी राहत प्राप्त कर सकते है, अपनी ि ाकायतें दे सकते है, तब तक उन फोरमो का गठन केवल रस्मी बनकर रह जाएगा। अगर आप यह चाहते है कि यह फोरम प्रभावी ढंग से काम करे तो यह बहुत आव यक है कि उपभोक्ता जागरण का अभियान भ्ाुरु किया जाए और इनके लिए 15 दिनो का पखवाडा मनाया जाए ताकि हरियाणा के उपभोक्ता जागरण हो सके।

श्री सभापतिः बहन जी, आप जल्दी वाइंड अप कीजियेगा।

श्रीमती सुशमा स्वराजः सभापति महोदय, एक बात ि ाक्षा के बारे में भी कहना चाहूंगी। सरकार ने यहां पर कहा कि हमने बहुत से स्कूल्ज अप–ग्रेड किये है और उनके नाम भी दिये है।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): बहन जी, वे सब आप ने ही किये थे।

श्रीमती सुशमा स्वराजः गुप्ता जी, आप वित्त मंत्री है। आप उस कमेटी के अध्यक्ष भी थे और अगर आप सभी मिलकर सहयोगा न करते तो कुछ भी न होता। आप पैसा न देते तो कैसे सारा काम होता। मै केवल एक चीज कहना चाहती हूं कि पहली बार यह तरीका अपनाया गया यानि हर विधायक से पूछ कर काम किया गया। यह इसलिए किया गया क्योंकि वे हल्के के प्रतिनिधी है और वे वहां की मांग को जानते है। ऐसा करके हम लोगो ने स्कूलो का दर्जा बढा दिया। भाई आत्मा राम गोदारा ने भी सभापति के पद पर बैठे बैठे टिप्पणी कर दी कि बहन जी ने अपने हलके के स्कूल ज्यादा अपग्रेड कर लिये। क्योंकि वह टिप्पणी लाइट मूड में की गई थी इसलिए मैने उसका जवाब नही दिया। लेकिन मै आज यह बताना चाहती हूं कि जितने हमारे एम0 एल0 एज0 साथी बैठे है एक भी खडा हो कर ऐसा नही कह सकता।

(विघ्न्) अम्बाला जिला में दस हल्के है और दस हल्को में 16 स्कूल अपग्रेड हो गए तो मेरे बांटे कितने आए यह तो देख लो। तो हमने बकायदा, नीति बनाई, क्राइटेरिया बनाया। हमने क्राइटेरिया का उल्लंधन नही होने दिया और उसके साथ साथ आप लोगो की संतुश्टी भी हो गई। जितनी अवेलेबल चीज थी उसको हमने बराबर बांटने की कोि ा ा की। इससे सब लोगो की संतुश्टी हुई। इसलिए मै केवल यह कहना चाहती हूं कि इस बार आपने जो 175 स्कूलो को अपग्रेड करने का लक्ष्य रखा है, सौ प्राइमरी से मिडल, 50 मिडल से हाई, और 25 सीनियर सैकेंडरी, इनको आप उसी तरीके से बाटे जिससे सभी साथियो की संतुश्टी हो और उनको यह न लगे कि एक जगह पर बहुत ज्यादा दे दिए गए है, और एक जगह पर बहुत कम दे दिए गए। अगर आप ठीक बांट करेंगे तो सभी एम0 एल0 एज0 कहेंगे कि हमें हमारा हिस्सा मिला है। तो उसी तरीके से यह किया जाए तो ठीक है। जहां प्राइवेट स्कूलो के ि ाक्षको का सवाल है उनके बारे में मै यह कहना चाहती हू कि उनके बारे सुप्रीम कोर्ट का एक निर्णय आया था। पहले उसकी जजमैंट के बारे में कुछ मतभेद था। अब उस जजमैंट की भी व्याख्या आ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि प्राइवेट स्कूलो को भी सरकारी स्कूलो से पे और डी0 ए0 की पैरिटी आपको देनी है। मै ि ाक्षा मंत्री जी को केवल इतना कहना चाहूंगी कि स्केल और डी0 ए0 की पैरिटी भी आप दें। हम प्राइवेट स्कूलो को इतनी ग्रांट भी दे और उसके बाद इस तरह की तोहमतें सहें कि प्राइवेट स्कूलो के टीचर्ज को तनखाह नही मिलती

या ज्यादा पर दस्तखत करवा कर कम दिये जाते है। तो इन सारी समस्याओ का समाधान ही क्यो न कर दें। कालेज वालो ने कर दिया है वे कालेज पैटर्न पर देते है। सीधे यहां से पैसा जाता है और बैंको में जमा हो जाता है। तो कालेज पैटर्न अगर आप अपना ले तो आप पर हींग फटकडी का बोझ जरा भी नही पडेगा लेकिन वे लोग भाोशण से मुक्त हो जाएंगे। यह एक अच्छा काम होगा और आप लोगो की सराहना होगी। आप चाहे कालेज पैटर्न पर दे दो या ट्रेजरी के थ्रू दे दो। इनमें से कोई पैटर्न अपना ले क्योकि इतना पैसा सरकारी खजाने से जाने के बाद भी वे भाोशित है, उनको भाोशण से बचाया जाए। प्रौढ ि ाक्षा को बन्द किया जाना तो बहुत तर्क संगत है। सुप्रीम कोर्ट ने इतना बोझ राज्य सरकार पर डाल दिया कि वह बर्दा त नही किया जा सकता। लेकिन जैसे हीरा चन्द जी ने कहा कि उनका जो सुपरवाइज़री स्टाफ है वह केवल 160 लोगो का है। वे सभी बी0 ए0 बी0 एड0 है, उनमें से कोई भी मैट्रीक नही है बल्कि कुछ एम0 ए0 बी0 एड0 भी है। ऐजूके ान डिपार्टमैंट इतना बडा है और यहां पर रिक्तियां होती रहती है। इसलिए उनको कही ऐडजस्ट कर दिया जाए। अब आप नए स्कूल अपग्रेड करेंगे और वहां पर आपको और ज्यादा टीचर्ज की जरुरत पडेगी तो उसमें इन 160 लोगो को ऐडजस्ट कर दें। वे लोग अब 40–42 साल के हो गए है और रोड पर आ कर खडे हो गए है। अगर आप ऐसा कर दे तो बहुत बढिया बात होगी।

पर्यटन के बारे में एक दो बातें मै कहना चाहती हूं। पर्यटन के बारे में ये दोनो बाते बहुत जरुरी है। एक तो इन्होने कहा कि मेहम मे ''चौबीसी का चबुतरा' ऐतिहासिक स्थल पर एक रेस्तरां बन चुका है। सभापति जी यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। चौबीसी मेह में एक ऐसी पंचायत थी जिसकी बहुत गौरव ाली परम्परा रही है। बडी स्थापित परम्परा रही है कि कवह अपना उम्मीदवार अगर एक बार चुन लेती थी तो उसके पीछे एक दम खरा काम करती थी। हम पूरी पंचायतो मे चौबीसी का नाम लिया करते थे क्योंकि चौबीसी की गौरव ाली परम्परा का पिछले दिनो में जिस तरह से चीर हरन हुआ है वह बहुत निन्दनीय है। जितनी उसकी निन्दा की जाए उनती कम है। आज उस चौबीसी के चबुतरे पर भाोक सभाए हो, सरकार विरोधी नारे लगें। (विघ्न्) कुछ लोग इधर से कह रहे है कि ठीक हुआ लेकिन ये यह न समझे कि वहां के लोग दोशी नही है। मै कहती हूं कि जैसे द्रोपदी के चीन हरन के लिए दुर्योधन दोशी था उतने ही युधिश्ठीर भी दोशी थे जिन्होने उसको दांव पर लगाया। उसी प्रकार से यह जो परम्परा जिस प्रकार से भ्रश्ट हुई है, जिस तरह से चौबीसी की गरिमा धूमिल हुई है वह हम सब के लिए भार्म की बात है। जितने लोग यहां बैठे है उनमें से एक व्यक्ति के लिए ही भार्म की बात नही बल्कि सब के लिए है। इसलिए मै आपसे कहती हूं कि एक तो हमने उसको ऐतिहासिक स्थल की संज्ञा दी, मेहम में चौबीसी का चबुतरा उस गौरव ाली परम्परा को ध्यान में रखते हुए बनाया था। लेकिन इतनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटेगी इस

चौबीसी के स्मरणित इतिहाय में काला अध्याया जुडेगा, यह हमको उस समय मालूम नही था। सब से बुरी बात तो यह है कि जब वहां ऐतिहासिक स्थल बना उसी साल ये सारी घटनाएं घटी है। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं है। इसलिए मै आपसे कहना चाहता हूं कि इसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। फिर एक बात पर्यटन में आई है कि गुडगांव जिला में दमदमा के समीप एक मनोरंजन पार्क की स्थापना होगी जो डिजनीलैंड की तरह होगा। सभापति जी मै केवल एक बात कहना चाहती हूं कि डिजनीलैंड पर हमारे कई साथियो ने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिए। भाई राम विलास भार्मा ने और दूसरे कई भाइयो ने दिए और हमारे अध्यक्ष जी ने यह कह करके उन ध्यानाकर्शण प्रस्तावो को रिजैक्ट कर दिया कि डिजनीलैंड पर चूंकि 5–6 सवाल ऐडमिट कर लिए है इसलिए उस समय आप सप्लीमैंटरी पूछ लेना। सभापति जी, आप तो जानते है कि प्र नो का जवाब जेरे गौर है, जेरे तलब है, विचाराधीन है और आपके सुझाव पर गौर किया जाएगा ऐसे जवाब दे कर टाला जा सकता है लेकिन जब ध्यानाकर्शण प्रस्ताव ऐडमिट हो जाता है तो उस पर सरकार को अपना एक नीतिगत वक्तव्य देना पडता है जो बकायदा रिकार्ड बनता है। मै यह कहना चाहती हूं कि अगर सरकार यह समझती है कि इस बारे में भ्रांतिया है या प्रैस में इस बारे में कुछ गलत खबरे दी गई है या जो किसान लोग यहकह रहे है कि उन्हे उजाडा जा रहा है अर वे लोग किसी गलतफहमी का ि ाकार हो कर यह कह रहे है तो यह सबसे बडा फार्म है जहां पर सरकार अपना नीतिगत वक्तव्य दे कर उन

भ्रांतियो को दूर कर दे। भ्रांतिया इसलिए पैदा होती है, क्योंकि अमरीका का डिजनीलैंड केवल दो हजार एक डमें बना है और इस डिजनीलैंड के लिए 28 हजार एकड भूमि अधिग्रहण की जा रही है। इसलिए आईब्रेाज उठती है। अगर उन आइब्रोज उठने का कोई सही जवाब, एकदम कंविन्सिंग जवाब, सरकार के पास हो तो जरुर देना चाहिए। हम जैसे लोगो को भी बडी मु कल आई हुई है क्योंकि हम लोगो से भी पूछते है। फिर हम लोगो को बता सकते है कि नही यह सरकार का नीतिगत मामला है। इसलिए इस पर सरकार को जरुर अपना वक्तव्य देना चाहिए।

इसके अलावा सभापति जी, मै वृद्धावस्था पैं ान के बारे में एक बात कहना चाहूंगी। वृद्धावस्था पैं ान के बारे में सदन में जिक्र आया है। यह हरियाणा की एक ऐसी स्कीम है जिसने पूरे दे ा में हल्ला मचा दिया है। मतलब यह कि कांग्रेस की सरकार के मुख्य मंत्रीयो को भी चुनावो से पहले यह घोशणा करनी पडी कि हम 100 रुपए पैं ान के देंगे, 150 रुपए देंगे। उन लोगो ने भी बुढापा पैं ान दी। हमारे यहां तो इसके लिए 101.57 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। यह बहुत अच्छी स्कीम है। इतनी अच्छी स्कीम होने के बावजूद भी कई गावों से हमें पता चलता है कि जो पैं ान के पात्र व्यक्ति है वह पैं ान से ंवंचित रह जाते है। मै करनाल हलके के एक गांव में जब गई तो उस अकेले एक गांव में 89 नाम ऐसे बुढो के आए जिन्होने मुझे कहा कि उनके नाम काट दिए गए है। भारारती अधिकारी वहां जाते है और उनके

नाम जानबूझ कर काट देते है। कई जगहो पर तो चुंन चुन कर यह देखा जाता है कि फलां वृद्ध की निश्ठा किस दल में है। अगर उसकी निश्ठा किसी और दल में हो तो उसका नाम काट दिया जाता है। यह बहुत गलत बात है। इसके अलावा एक बात पैं ान के बारे में यह भी कहना चाहती हूं कि पैं ान की डिस्ब्र्समैंट पर मनी आर्डर के माध्यम से जो 5 रुपए खर्च करते है वह रुपया किसी खाते में नही जा रहा है। न तो वह रुपया हरियाणा के विकास के खाते में जा रहा है और न किसी के पल्ले लग रहा है। मै आपसे यह कहना चाहती हूं कि आप यह कर सकते है कि वह पैसा आप बैंक में जमा करवा दें लेकिन ऐसे नही जैसे कामरेड हरनाम सिंह जी ने कहा कि जिसको पैं ान दी जा रही है उनको पास बुक दे दी जाए। यदि उनको पास बुक दे दी जाए तो वे वृद्ध और अपाहिज लोग कैसे चल कर जाएंगे। वे साईन भी नही कर सकते। बैंक में सबसे बडा झगडा साईन मिलाने का होता है। बूढे आदमी कांपते हाथो से साईन करेंगे तो उनके साईन कैसे मेल खाएंगे। बैंक मे ंआप सिर्फ पैसा जमा करवा दे और अनएम्पलायड ग्रेजूएटस से आप वह पैसा बंटवाएं। अपएम्पलायड ग्रेजूएट से अगर आप चार परसैंट कमी ान दे क रवह पैसा बंटवाएंगे तो यदि एक ग्रेजूएट 10 हजार रुपया बांटेगा तो उनको 400 रुपए मिल जाएंगे जोकि बेरोजगारी भत्ते का चार गुणा बनता है। इन सुझावो के साथ मै बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेती हूं।

श्री आत्मा राम गोदारा (घिराय): सभापति महोदय, आपका धन्यवाद, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। सभापति महोदय, 14–3–1990 को हमारे आदरणीय उप मुख्य मंत्री एव ंवित्त मंत्री जी ने 1990–91 का बजट सदन में प्रस्तुत किया जिसके समर्थन में बोलने के लिए मै खड हुआ हू। सभापति महोदय, बजट के आंकडो पर चर्चा करने से पहले मै भारतवर्श में आए हुए राजनैतिक बदलाव की चर्चा करना आव यक समझता हूं। हमारे दे ा के बहादुर लोगो ने राजनैतिक बदलाव का एक बहुत बडा सबूत दिया है और बहुत ही भाांतिपूर्ण तरीके से हिन्दुस्तान में एक बहुत बडा राजनैतिक बदलाव दिया। भारत की जनता ने 1989 के पार्लियामैंट के चुनावो में यह साबित कर दिया कि भारत का वोटर कम से कम प्रजातंत्र के हथियारो को इस्तेमाल करने में बहुत परिपक्व हो गया है। उसी बदलाव के तहत हमने यह देखा कि दे ा की आजादी के बाद लगातार सैंटर में और अलग अलग राज्यो में कांग्रेस पार्टी का राज रहने के बावजुद, एक थोडे से समय के लिए 1977 में बदलाव आया था। सभापति महोदय, भारत के वोटरो ने सैंटर के लैवल पर भी और राज्यो में भी कांग्रेस सरकारो को धरा ाही करके सैंटर में ने ानल फ्रंट की सरकार और राज्यो में जनता दल और बी0 जे0 पी0 की सरकारे कायम की। यह एक बहुत ऐतिहासिक बात है। इसी प्रकार से भारत के वोटरो ने एक और निराली बात की थी। वह यह थी कि हम यह आम तौर पर देखते थे कि पत्रकारो के और पत्रकारो की एजेंसियो के इलैक ान से पहले कुछ अनुमान अखबारो में छपते थे और

लगातार दे ा की आजादी के बाद तकरीबन भारत का वोटर उन अनुमानो के अनुसार ही सरकार बना दिया करता था लेकिन दे ा की आजादी के बाद पहला मौका 1977 में आया जब भारत के वोटरो ने सारे पत्रकारो को, सारी भारत की प्रेसो को और सभी अखबारो की एजेंसियो के अनुमानो को बिल्कुल धरा ायी कर दिया। चेयरमैन साहब, किसी भी अखबार ने, किसी भी अखबार की एजेंसी ने या किसी भी पत्रकार ने 1977 के उस रिजल्ट की भांका जाहिर नही की थी। जो 1977 में भारत के वोटरो ने अपने मत डाल कर दिखाया। चेयरमैन साहब, इसलिए मै वि ोश रुप से उन मामलो में पत्रकारो के बारे में एक जिक करता आव यक समझता हूं। पत्रकारो के अनुमान भारत के वोटरो ने गलत साबित किए। उस समय चाहिए तो यह था कि भारत के पत्रकार अपने आप में कुछ चिंतन करते और सोचते कि जो अनुमान तुम एयर कंडी ान्ड कमरो में बैठकर भारत के वोटरो के बारे में अखबारो में लिख देते है, वह क्यों गलत सिद्ध हुआ है। वे कम से कम मैजोरिटी आफ वोटर्ज के बारे में सोचते जिन्होने यह फैसला दिया था। मै जानता हूं कि हिन्दुस्तान में 85 प्रति ात जनता देहात में रहती है। (विघ्न्)

Shri Ram Bilas Sharma: Mr. Chairman, it is budget discussion. मेरे ये भाई पे ो से वकील है और इस सदन के बहुत ही सम्मानित सदस्य है। इन्हे मालूम होगा कि पत्रकारो को अपनी राय जाहिर करने का अधिकार है। पहले ये हमारे पक्ष में भी लिखते रहे है। अब अगर वे हमारी कोई आलोचना करते है तो

उसे भी हमें स्वीकार करना चाहिए। It should be appreciated. मै चाहता हूं कि प्रैस के बारे में ये ऐसी कोई बात न कहें जो ठीक न हो।

श्री आत्मा राम गोदाराः चेयरमैन साहब, मै अपने साथी भाई राम बिलास जी को एक बात बताना चाहता हूं कि मै भी प्रैं की फ्रीडम का उतना ही हामी हूं जितना की ये है। मै ऐसी कोई डैरोगेटरी बात नही कर रहा हूं। मै वही बात कह रहा हूं जो यहां के वोटरो ने करके दिखाया है। चेयरमैन साहब, जो बात मै कह रहा हू वह इस बजट से संबंधित ही है। यह बात बजट के प्रावधान में ही आती है। बजट के प्रावधान में यह भी है कि कोई भी सरकार हिन्दुस्तान की प्रैस के लिए बजट में कितनी सुविधा दैती है। ये सारी चीजे बजट से संबंधित है। चेयरमैन साहब, मै कह रहा था कि जो परिणाम हिन्दुस्तान के वोटरो ने उस समय करके दिखाया और जिस तरह से प्रैस के अनुमानो को गलत किया था, उन हालात में प्रैस को चाहिए था कि अपनी पत्रकारिता के लिए उन देहातमें जाते जहां हिन्दुस्तान के 85 प्रति ात वोटर रहते है। पत्रकार गावों की गलियो तक जाएं, भाहरो की गलियो तक जाएं और जो असली बात हो वही अपने अखबार में लिखें। जो अनुमान वे लगाए उसमें सार्थकता आए। अगर हिन्दुस्तान के वोटरो ने उनका अनुमान गलत किया है तो उन्हे आत्म चिन्तन करना चाहिए न कि किसी राज नेता के खिलाफ या किसी पार्टी के खिलाफ आक्षेप करके ये हमला कर दें। सभापति महोदय,

बदलाव की बात है, हिन्दुस्तान की जनता ने दे ा में पहला बदलाव 1977 मे ंलाया। इस बदलाव के पिछे जो बहुत बडी भाख्सियत या सिप्रट काम कर रही थी वह हमारे नेता जय प्रका ा नारायण जी थे। उन्होने सारे दे ा को एक नई दि ाा दी थी जिसका नतीजा 1977 मे राजनैतिक बदलाव था। उसके बाद हिन्दुस्तान मे दूसरा राजनैतिक बदलाव लाने में सबसे बडी भाख्सियत हमारे नेता चौधरी देवी लाल जी थे जो आज हमारे उप–प्रधान मंत्री है। यह राजनैतिक बदलाव लाने में उनकी भूमिका सबसे बडी रही है। चाहे आज कोई इस बात को माने या न माने लेकिन 1987 में हरियाणा के लोगो ने गैर कांग्रेसी गवर्नमैंट कायम की और चौधरी देवी लाल ने इस गवर्नमैंट का नेतृत्व करते हुए लोगो के कल्याण के लिए अनेको कार्य किए जिन्हे हरियाणा के लोगो ने भोगा। इन कार्यो की चर्चा सारे हिन्दुस्तान में हुई। उस समय हर राज्य में इस बात का उदाहरण दिया जाता था। जिस प्रकार से हरियाणा की सरकार ने बुजुर्गो को पैं ान दी उसी प्रकार से दूसरे राज्यो के बुजुर्गो भी यह कामना करते है कि उन्हे भी पैं ान मिले। हरियाणा सरकार ने प्रत्येक वर्ग को अपने खजाने से कुछ–न–कुछ हिस्सा जरुर दिया है। मै इस बात को विस्तार पूर्वक नही दोहराउंगा लेकिन थोडा इ ाारा जरुर करुंगा। चाहे बूढे हो, चाहे किसान हो, चाहे नौजवान हो, चाहे हरिजन हो और चाहे बैकवर्ड क्लासिज हो समाज के सभी वर्गो को सभी प्रकार के लोगो को बकायदा इस बात का फायदा हुआ है और हरियाणा के खजाने से कुछ न कुछ सहायता मिली है जिसका नजीजा यह हुआ

कि हिन्दुस्तान में सैंटर लैवल पर और राज्यो के लैवल पर बदलाव हुआ और वह कांग्रेस जो लगातार आजादी के बाद राज्यो और केन्द्र पर भाासन कर रही थी उसका सफाया हो गया। आज विपक्ष की सरकार, जनता दल की सरकार सैंटर में बनी है और भिन्न–भिन्न राज्यो में जनता दल और भारतीय जनता पार्टी की सरकारे सत्ता में आई है। सभापति महोदय, मेरे आदरणीय साथी श्री राम बिलास जी अभी कह रहे थे कि बजट पर आईए लेकिन मै उन्हे कहना चाहूंगा कि इस प्रकार के मामले भी बजट पर बोलते हुए इन्कलूड हो जाते है। खैर, अब मै बजट पर ही बात करता हूं। सभापति महोदय, आदरणीय गुप्ता जी ने 31.19 करोड रुपए के घाटे का बजट पे ा किया है। डिवैल्पिंग इकौनोमी में घाटे का बजट पे ा करना कोई बुरी बात नही है। हमारे अनुमान के मुताबिक जो हमारी आमदनी के ज्यादा से ज्यादा रिसोर्सिज है उनको इकटठा करके कार्य करे और घाटे को उन रिसोर्सिज से पूरा करें। इस घाटे को हम किस रुप में पूरा करेंगे यह बात बजट में देखी जाती है। सभापति महोदय, सब से पहली बात यह है। एक बात उन्होने यह भी बतायी कि कर की ज्यादा से ज्यादा रिकवरी हो। दूसरे उन्होने यह भी बताया कि नौन–प्लान बजट के खर्चे में भी किफायत करे। ये सभी बातें डेफिसिट बजट को पूरा करने की है। ये सराहनीय बाते है और गवर्नमैंट की कार्यकु ालता को बढाती है।

श्री सभापतिः अब आप वाइंड अप करें।

श्री आत्मा राम गोदाराः चेयरमैन साहब, अभी तो मैने सब्जैक्टवाइज आना था लेकिन आपने तो पहले ही वारनिंग दे दी। अब मै ि ाक्षा के मामले में कहना चाहूंगा। ि ाक्षा के मामले में जो नीति है उस पर प्र न चिन्ह लगा हुआ है लेकिन इसमें अब बदलाव लाने की बात कही है। सबसे पहले तो यह बदलाव लाना है कि किताबो का जो बस्ता है, उसका बोझ कम हो। बच्चो की किताबे कम की जाए। इस प्रकार की ि ाक्षा लागू की जाए ताकि उनको किताबो का इतना बोझ न उठाना पडे। छोटे छोटे बच्चो का वजन कम है और उनकी किताबो का वजन ज्यादा है। सरकार ऐसी व्यवस्था करे कि वे कम किताबो से पूरी ि ाक्षा ग्रहण कर सकें। एक तो ि ाक्षा के मामले में खर्च कम होगा और बच्चे बोझ से बचेंगे। दूसरी बात हरियाणा में यह भी देखी गई है कि मैट्रिक का एग्जाम प्राइवेट दे सकते है लेकिन उसे नौवी कक्षा किसी रिकोग्नाइजड स्कूल से पास करनी होगी। अगर वह नौवी कक्षा किसी रिकोग्लाइजड स्कूल से पास नही करेगा तो वह मैट्रिक के एग्जाम में अपीयर नही हो सकेगा। हरियाणा सरकार को यह बात वि ोश रुप से देखनी चाहिए। ऐसा होने के कारण विद्यार्थियो की ि ाक्षा में काफी रुकावट आयी है। हरियाणा सरकार ि ाक्षा के मामले में और वि ोश रुप से महिलाओ के मामले में बहुत अग्रणीय है। इसलिए सरकार को इस विशय में सोचना चाहिए। यह बात ठीक नही है। जो प्राइवेट स्कूल रिकोग्नाइजड है, वे दुकानो की तरह चलते है। उनके वारे न्यारे हो गए है। इनमें जो बच्चे पढते है उनसे वे मनमाने ढंग से फीस लेते है। सारे

हरियाणा मे ये रिकोग्नाइजड स्कूल फीस के मामले में बहुत बडी लूट मचा रहे है। इस लूट को किसी न किसी रुप में बन्द किया जाए। जहां तक प्रौढ ि ाक्षा की बात है कि उसे सरकार ने बन्द कर दिया। यह बन्द ही होनी चाहिए थी क्योंकि यह प्रौढ ि ाक्षा नही बल्कि फौड ि ाक्षा है। सरकार ने यह बहुत अच्छा कदम उठाया है। हम इसका आदर करते है, स्वागत करते है।

अब मै आपके द्वारा परिवहन विभाग के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। हरियाणा का परिवहन विभाग बहुत ही प्रं ांसनीय रहा है। इसकी सेवाएं बहुत अच्छी रही है लेकिन अब कमियां नजर आने लगी है क्योकि हमारे यहां बसो की कमी है। बसो में जब लोग सफर करते है तो ठूस ठूस कर भरे होते है और बसो की छतो पर भी बैठ कर सफर करते है। इस बारे में सरकार को गौर करना चाहिए क्योकि लोगो की सुरक्षा का मामला है। हमारे यहां बसो की कमी होने से ऐसी हालत हो रही है। मै आपके द्वारा वित्त मंत्री जी से कहूंगा कि परिवहन विभाग का बजट बढायें ताकि वे बसे खरीद सके और लोगो को सुविधा हो सके।

सिंचाई के मामले में एस0 वाई0 एल0 तैयार होना अत्यंत आव यक है। उसका पानी आने पर ही हरियाणा के लोगो को राहत मिलेगी। आज हरियाणा के लोगो के लिए खाले पक्की करने और माईनर्ज को पक्का करना भी बडा आव यक है। यह लोगो की बहुत बडी मांग है। जब हम अपने हल्को में जाते है तो किसानो की तरफ से बहुत बडी मांग हमारे सामने आती है। मै यह

समझता हूं कि सिंचाई के मामले मो जो बजट प्रोविजन किया गया है, उसमें खालो को पक्का करने और माईनर्ज की ऐक्सटैं ान करने के बारे में मद में ज्यादा पैसा दिया जाए ताकि किसानो की यह मांग पूरी की जा सके। ड्रेनेज के मामले में मै इतना कहना चाहूंगा कि मै यह समझता हूं कि ड्रेनेज डिपार्टमैंट सारे साल भर कोई काम नही करता। जब फ्लड आते है तब वह हथियार उठाता है। उस वक्त हम ख्याल करते है कि ड्रेनेज के महकमे ने क्या किया है। इसलिए सरकार को चाहिए कि ड्रेनेज के महकमे मे वह देखे कि फ्लड आने से पहले ही महकमा अपना कार्य समय पर करे ताकि लोगो को फ्लड के समय दिक्कत पे ा न आए। (घंटी) चेयरमैन साहब, दो मिनट और दीजिए।

बिजली के मामले में हरियाणा ने बहुत ही प्र ांसनीय काम किया है। इस सरकार के आने के बाद लगातार लोगो को बिजली मिलती रही है। किसानो को बिजली मिलती है लेकिन एक बात बहुत जरुरी है कि बिजली को प्रोडक ान की जो कौस्ट आती है, वह थर्मल प्लांट के जरिए से जो बिजली प्रोडयूस होती है, उसमें कौस्ट ज्यादा आती है। इसलिए हमारे इंजीनियर्ज को और हमारे साइंटिस्टस को यह चाहिए कि थर्मल टैक्नोलोजी जो ओब्सोलीट हो चुकी है, इसको छोडे या फिर बिजली की प्रोडक ान की कौस्ट को किसी तरह से कम किया जाए, ऐसा कोई तरीका निकालें।

बहन सुशमा जी ने एक बात चौबीसी की पंचायत के बारे में कही और जिक्र किया। उन्होने कुछ ऐसे भाब्द इस्तेमाल किए कि पंचायत की चीर हरण हुआ है और चौबीसी की परम्परा धूमिल हुई है। मै इस बात से थोडा सा अलग मत रखता हूं।(विघ्न्) चौबीसी की पंचायत का चीर हरण कैसे हुआ और कैसे उसकी परम्परा धूमिल हुई है, यह बात मेरे कुछ समझ में नही आयी। चौबीसी की पंचायत के वोटर्स ने इकट्ठे हो कर जो निर्णय दिया है, इस तरह से पंचायत का चीर हरण हुआ है या परम्परा धूमिल हुई है, ये भाब्द मै ठीक नही समझता हूं। (घण्टी) चेयरमैन साहब मै एक मिनट मे ंही खत्म कर रहा हूं।

श्री सभापतिः बाकी डिपांडज आप गुप्ता जी को वैसे ही बता देना।

श्री आत्मा राम गोदाराः बहुत अच्छा जी। धन्यवाद।

श्री कैला ा चन्द भार्मा (नारनौल): सभापति जी, श्रीमान् गुप्ता जी ने कल जो बजट रखा है, वह बदली हुई परिस्थितियो में यह बजट रखा है। सौभाग्य से केन्द्र में भी ऐसी सरकार है और प्रदे ा में भी ऐसी सरकार है जो लोगो की भावनाओ से भली प्रकार से परिचित है। सबसे पहले मै गुप्ता जी को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि इनहोने जनता की भावनाओ को घ्यान में रखते हुए कर रहित बजट प्रस्तुत किया है। सौभाग्य से आठवी पंचवर्शीय योजना का भी आरम्भ इसी वर्श से हो रहा है।

पिछली सरकार ने भाायद हिन्दुस्तान का मतलब दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास को ले रखा था, हिन्दुस्तान के गावों के बारे में कोई बात नही होती थी, कोई विचार नही होता था। इस सरकार ने पहली बार यह बात रखी है और कहा है कि हम हरियाणा के हर गांव में पानी पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे। डेट भी फिक्स की है। यह अच्छी बात है लेकिन सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से गुप्ता जी से एक बात कहना चाहता हूं कि उसमें ढाणियो का जिक्र नही है। हरियाणा में काफी ढाणियां है जो वास्तव में गांव ही है। जब हम गावों के बारे में इस प्रकार की बात करते है तो हमें ढाणियो को भी भाामिल करना चाहिए और कहना चाहिए कि हम ढाणियो में भी पानी सप्लाई करेंगे। सभापति महोदय, पानी जीवन के लिए बहुत जरुरी चीज है और इसके बिना गुजारा नही हो सकता।

सभापति जी, हम हरियाणा के सब विधायक आज इस स्थान पर जिस बात को लेकर बडे चिन्तित बैठे है वह है एस0 वाई0 एल0 नहर की। हमारे नेताओ ने इस बारे में बडा भारी संघर्श किया था। आज तक हम कहते रहे कि पंजाब में एस0 वाई0 एल0 नहर का जो हिस्सा है वह केन्द्रीय सरकार नही बनने देती लेकिन सौभाग्य से आज दिल्ली में हमारी अपनी सरकार बैठी हुई है जिसमें चौधरी देवी लाल जी उप प्रधान मंत्री के पद पर सु ाोभित है। अब समय आ गया है कि इस नहर का काम जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए। अब हमारे पास जनता को कहने के

लिए कुछ नही रह गया है। पहले तो जनता से हम कहते थे कि केन्द्र में कांग्रेस सरकार है वह नहर बनने नही देती या पंजाब वाले नही बनने देते। मेरा कहना यह है कि आने वाले समय में एस0 वाई0 एल0 नहर निि चत रुप से बनकर तैयार होनी चाहिए। इस समय पंजाब में अप्रत्यक्ष रुप से केन्द्रीय सरकार का ही राज है इसलिए एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाने में कोई कठिनाई नही होनी चाहिए इस नहर के साथ हरियाणा के आम आदमी के जीवन में सुधार आएगा ओर हरियाणा की तरक्की होगी। सभापति जी, मै तो ह कहना चाहता हूं कि इस काम के लिए हरियाणा के एक वि ोश मंत्री की डयूटी लगाई जाए जो इस नहर की दिन प्रतिदिन की प्रगति का ध्यान रखे और अगर कही किसी स्थान पर कोई रुकावट आती है तो केन्द्रीय सरकार से मिलकर उसको दूर करवाए। मै अपनी इस बात को फिर दोहराता हूं कि एक व्यक्ति वि ोश के जिम्मे यह काम लगाना चाहिए। तभी यह काम पूरा हो सकता है।

सभापति जी, इस नए बजट में आदरणीय उप मुख्य मंत्री जी ने हरियाणा के तीस हजार नौजवानो को बेरोजगारी भत्ता दैने का लक्ष्य रखा है। यह सराहनीय कदम है। भारतवर्श में पहली बार ऐसा हुआ है। सभापति जी, इसके साथ ही साथ मैने दूसरा पहलू भी देखा और मुझे बात समझ नही आई। कुछ साथियो ने कहा कि प्रौढ ि ाक्षा बन्द कर दी गई है, यह अच्छा हुआ। सभापति जी, एक ओर तो हम बेरोजगार नौजवानो को

भत्ता दे रहे है ओर दूसरी और इसके उल्टा हो रहा है यानि जो लोग रोजगार में लगे हुए है उनको बेरोजगार बनाया जा रहा है, उनसे रोजगार छिना जा रहा है। हमार उददे य रोजगार देने का है, रोजगार छिनने का नही है अभी पिछले दिनो से काफी नौजवानो को निकाल दिया गया। सभापति जी, एक और अजीब बात हुई कि एस0 वाई0 एल0 बोर्ड द्वारा पांच हजार क्लर्कस का सिलैक ान हुआ। उसमें से दो हजार के करीब नौजवानो को चिटिठयां भेजी गई। वे उन लैटर्ज को लेकर घुम रहे है। जब डिपार्टमैंट मे जाते है तो उनको कह दिया जाता है कि तुम्हारा नम्बर यहां नही आया या उनको कह दिया जाता है कि वहा ंकोई वैकेन्सी नही है। वे नौजवान हता ा होकर घुम रहे है। कहा जाता है कि फाइनैं ि ायल कमि नर से कोई चिटठी ह ू हुई है कि वैकैन्सीज को फिल अप करने पर बैन लगा दिया है। सभापति जी, वास्तव में एस0 वाई0 एल0 बोर्ड हरियाणा मे ंएक मजाक बनकर रह गया है। बडी मु ि कल से तो आज नौकरी का नम्बर आतर है और उसके बाद लोगो को, हमारे नौजवानो को परे ाानी उठानी पडती है। प्रौढ ि ाक्षा मे जो हमारे नौजवान लगे हुए थे और जिनको हटाया गया है उनकी संख्या पांच हजार है। जिन्होने ग्यारह—ग्यारह साल तक नौकरी की उनको हटा दिया गया, यह ठीक नही हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के कारण सारा गुस्सा इन नौजवानो पर नही निकलना चाहिए। मेरा कहना है कि अगर उनमे कोई मैट्रिक है, कोई बी0 ए0 है तो कोई एम0 ए0 बी0 एड0 है तो इनको उनकी योग्यता के आधार पर कही न कही काम देना

चाहिए। अगर हमारे ये नौजवान खुलकर सामने आ जाएंगे तो ठीक नही रहेगा। एक भाायन ने कहा है–

मन की हवि ा तन को गुनाहगार बना देती है

और बाग के बाग को बीमार बना देती है।

ऐ भुखो को दे ाभक्ति सिखाने वालो,

भूख इन्सान को गद्दार बना देती है।

इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इन निकाले हुए नौजवानो को योग्यता के अनुसार किसी न किसी विभाग में रखने की व्यवस्था करनी चाहिए। यही हमारे हित में है।

सभापति जी, आज प्र नोत्तर काल में एक पोस्टर के मामले मे चर्चा हुई थी ओर मैने उस संबंध मे एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव भी दिया था लेकिन अध्यक्ष महोदय ने उसको ला एण्ड आर्डर का मामला बताकर रिजैक्ट कर दिया। सभापति जी, प्र न वास्तव में कानून और व्यवस्था का नही है, प्र न विचारधारा का है। जिस समय पहली बार पंजाब में खालिस्तान का नारा लगाया गया था उस समय इस बात को किसी ने गम्भीरता से नही लिया था। अगर उस समय इस बात को गम्भीरता से लिया होता तो आज ये हालात पैदा नही होते। आज यहां हमारे हरियाणा में एक वि ोश पोस्टर छापा गया जो अच्छी बात नही है। अगर हरियाणा में किसी व्यक्ति के मन में ऐसे विचार आते है तो यह प्रदे ा के

लिए और इस दे ा के लिए ठीक बात नही है। इसको गम्भीरता से लिया जाना चाहिए ठीक उसी तरह से जैसे कि अगर हम आरम्भ में खालिस्तान के नारे को गम्भीरता से लेते तो आज ये खतरनाक हालान न होते। इसलिए हरियाणा मे हुई इस घटना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। सभापति जी, प्र न काल में बताया गया कि प्रताप सिंह के खिलाफ मुकद्मा दर्ज हुआ और प्रताप सिंह चौधरी अभी फरार है, मिला नही है। सभापति जी, हम सब लोग जानते है कि धारा 107/151 मे अगर किसी को पुलिस गिरफतार नही कर पाती तो उस धारा के तहत उसके नातेदार, रि तेदार या भाईबंध को थाने में बुलाकर बैठाया जा सकता है। वह अभी तक मिला नही है। आखि रवह कहां चला गया। अगर पुलिस ने कोि ा ा की होती तो वह अव य पकडा जाता। इसके अलावा एक जिम्मेवार व्यक्ति का नाम भी आदरणीय गृह मंत्री महोदय ने लिया है। सभापति महोदय, अगर इस प्रकार का जिम्मेवार व्यक्ति ऐसी घिनौनी हरकत करे तो उसको समाज के सामने जरुर नंगा किया जाना चाहिए। ऐसे व्यक्तियो को जेाकि अपने तुच्छ स्वार्थो के लिए, वोटो की राजनीति के लिए तथा हर बात को वोट से जोडने वाले लोगो को सख्त से सख्त सजा मिलती चाहिए। मैं मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करुंगा कि वे इस मामले को बडी गंभीरता से लें।

सभापति महोदय, अभी बहज सुशमा स्वराज जी ने डिजनीलैंड की बात कही। आज यह विशय हरियाणा में हर किसान

के लिए चिंता का है। यद्यपि इससे प्रभावित होने वाले गुडगांव जिले के किसान ही है लेकिन कही भी आप चले जाओ, सारे हरियाणा में डिजनीलैंड की चर्चा जोरो पर हो रही है। डिजनीलैंड के बारे में बताया गया कि अमेकरका की तरह इसे यहां बनाया जाएगा। लेकिन भारत आज आर्थिक तौर पर अमेरिका जैसा सम्पन्न नही है। फिर भी यदि भारत में इसकी आव यकता महसूस की गयी है तो आव यकतानुसार जितनी जमीन चाहिए उतनी ही लेनी चाहिए लेकिन यहां तो जरुरत से ज्यादा जमीन एक्वायर की जा रही है। ऐसा करके हम किसानो के साथ ज्यादती कर रहे है। आज जो जमीन हम एक्वायर कर रहे है वह 10 साल के बाद डिजलीलैंड बनेगा। उस समय आप अंदाजा लगाएं कि उस जमीन की किमत क्या होगी? आज गुडगांव के आस पास की जमीन का मुल्या क्या है? सभापति जी, अगर आज वहां के जमींदार की जमीन का आंकलन किया जाए और ऐक्वायर की गयी जमीन का ईमानदारी से 10 प्रति ात हिस्सा भी किसान को दे दिया जाए तो भी किसान खु ा रहेगर लेकिन वह भी उसे नही मिलता है। किसान की जमीन ऐक्वायर कर ली जाती है और उसको इस बारे में बताया भी नही जाता। कोई उस जमीन की रजिस्ट्री करवा रहा है, कोई किसानो की जमीन के प्लाट काट रहा है लेकिन उस बेचारे किसान को कचहरी के चक्कर काटने पडते है क्योकि किसानो के साथ ज्यादती होती है। यह एक बडा ही अहम मसला है इसमें सरकार को बडी गंभीरता से विचार करना चाहिए क्योंकि प्रजातंत्र में सरकारे जनता की भावनाओ के अनुकूल चलती है और

अगर जनता की भावनाओ के अनुकूल सरकार न चले तो इससे कई तरह की कठिनाईयां उत्पन्न हो सकती है। इस लिए सरकार को जनता को वि वास में लेकर ही चलना चाहिए। सभापति महोदय, यह सरकार तो वैसे भी किसानो की सरकार है। सदा किसानो के हितो की ही बात करती है। आज 28 हजार एकड के करीब जमीन ऐक्वायर की जा रही है और वह भी केवल मौज मस्ती का अडडा बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। कुछेक लोगो को लाभ पहुंचाने के लिए, लखपति व करोडपति बनाने के लिए, कुछ लोगो के घर उजाडे जा रहे है। यह बडी ही गलत बात होगी, बडी ही भार्म की बात होगी। इसलिए मेरा सरकार से बार बार निवेदन है कि इस विशय पर दोबारा गम्भीरता से विचार किया जाए कि इस के परिणाम क्या हो सकते है।

सभापति महोदय, हैफड हरियाणा के अन्दर कई मिल्ज रन कर रही है। महेन्द्रगढ और उसे आसपास का क्षेत्र ऐसा क्षेत्र है जहां पर सरसौ बहुत पैदा होती है। और उस सरसो में तेल की मात्र पूरे प्रदे ा के मुकाबले अधिक होती है। इसलिए इस प्रकार की मिल नारनोल के क्षेत्र में भी लगती चाहिए। मुख्य मंत्री महोदय जब नारनौल में गए थे तो जनता ने उनके सामने कई प्रकार की मांगे रखी थी जिसमें एक यह मांग भी थी और उन्होने जनता को इस बात का आ वासन भी दिया था। अगर इस तरह की मिल यहां पर लगाई जाती है तो वहां के लोगो को रोजगार तो मिलेगा ही इसके साथ साथ किसानो को भी उनकी उपज का उचित भाव

मिलेगा। आज हमें सरसौ बेचने के लिए कई कई दिन इंतजार करना पडता है। सरसो ले जाकर मंडियो मे डाल दी जाती है और महीनो बाद किसानो को उसका मूल्य मिलता है। यदि उस इलाके में इस तरह की मिल लगा दी जाएगी तो मै वि वास के साथ कह सकता हूं कि जहां किसानो को बहुत अधिक लाभ होगा वहीं उस इलाके के लोगो को रोजगार भी मिलेगा। हैफेड को भी इससे लाभ होगा। किसान को उसकी जिन्स का सही ओर उचित दाम मिलेगा क्योकि इस जिले में सरसों के तेल की मात्रा सारे हरियाणा से अधिक है।

सभापति महोदय, एन0 सी0 डी0 सी0–4 परियोजना के अन्तर्गत अनेक कृशि आधारित यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके तहत कुछ पिछडे इलाको में रोजगार दिलाने व कृशि पर आधारित छोटे उद्योग लगाने की बात इस बजट भाशण में कही गयी है। मै प्रार्थना करुगा कि इस प्रकार के लघु उद्योग महेन्द्रगढ जिले में भी लगाए जाएं जोकि वाकई में पिछडा हुआ इलाका है। वहां एक भी ऐसा लघु उद्योग नही है जिसकी लागत एक करोड के लगभग हो। छोटे मोटे उद्योग जो थे, वे रिवाडी में चले गए है। इसलिए दन एन0 सी0 डी0 ओ0–3 स्कीम के अन्तर्गत महेन्द्रगढ जिले मे भी कोई न कोई उद्योग जरुर स्थापित किया जाना चाहिए।

सभापति जी, एक सब से बडी बात आज कल हमारी सरकार के लोग कहते है वह यह है कि भाहरो के लोग हमसे

नाराज क्यो है? मै ईमानदारी से कहना चाहता हूं कि पिछले अढाई साल में इस सरकार ने बहुत ही लोक–भलाई के काम किए है, इसमें कोई भाक नही है। परंतु भाहरो की भी उपेक्षा हुई है, यह कहने में भी मुझे संकोच नही है। भाहरो का विकास नगरपालिकाओ की जो आर्थिक स्थिती है उससे नही हो सकता। आज कई नगरपालिकाए ऐसी है जो अपने कर्मचारियो को वेतन भी इकट्ठा नही कर सकती। बढे हुए वेतन और बोनस की जब बात आती है तो वह वह भी नही दे सकती विकास की तो बात ही छोड दीजिए। इसलिए बजट के अंदर आपने जो पैसा रखा है उस पैसे का वितरण भी ऐसे ढंग से होना चाहिए कि जो नगरपालिकाएं पिछडी हुई है उनको ज्यादा पैसा दिया जाए। नारनौल कहने को तो भाहर है लेकिन वह एक पिछडा हुआ कस्बा है जहां की गलियो और सडको की बहुत दुर्द ाा है। मानो पिछले अनेक वर्शो में वहां एक पैसा भी नही लगया गया। इसलिए जब तक हम इन भाहरो के अन्दर सडको की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, सफाई की व्यवस्था और सीवरेज की व्यवस्था नही करेगे तब तकउनकी हालत नही सुधरेगी। आज जिस हिसाब से भाहरो में जनसंख्या बढ रही है उस हिसाब से वहां सीवरेज की व्यवस्था बहुत जरुरी है। इस लिए लिए मेरा सुझाव है कि एक सीवरेज बोर्ड भी बनाया जाए और उसके लिए अव य पैसा रखा जाए।

सभापति जी, आज सारा हरियाणा जिस विशय से जुडा हुआ हैं वह मेहम उपचुनाव का है। हम सब लोग प्रजातंत्र के

कारण यहां बैठे है। लोगो के पास चूंकि वोट डालने का अधिकार था इसलिए हम यहां बैठे है। अगर लोगो के पास वोट डालने का अधिकार न होता तो मेरे जैसे साधारण परिवार के लोग इस महान सदन में न आते बल्कि कोई गुंडे बदमा ा आते या कोई राजे महाराजे आते। आज हरियाणा में एक उप चुनाव के कारण से मतदाताओ में एक भय पैदा हो गया है , भांका पैदा हुई है कि हमारे मताधिकार को छिनने का प्रयत्न किया गया है। इस प्रकार के मामले को लेकर मेरे कुछ साथी मित्र अभी समाचार पत्रो पर आरोप लगा रहे थे। सभापति जी, मै कहना चाहता हूं कि समाचार पत्रो के अनुमान मे कभी गलती नही रही है। अगर हमको ध्यान है तो अक्तूबर 1989 का इंडिया टुडे देखे। उसने हिन्दुस्तान की जनता को अनुमान लगाकर बताया था कि लोक सभा चुनाव में कांग्रेस की 194 सीटें आएगी। जब नतीजा सामने आया तो 91 प्रति ात अनुमान सही पाया गया। जब पत्रकार और प्रैस को प्रजातंत्र का चौथा खम्भा कहा गया है तो अगर हमारे किसी काम की वे आलोचना करते है तो हमें उसके बारे में आत्म निरीक्षण करना चाहिए। अगर कोई एक अखबार आलोचना करता है तो कोई बात नही लेकिन जब सारा प्रैस सारे अखबार आलोचना कर एक ही बात कहते है तो अखबारो पर दोशारोपण करने की बजय हमको आत्म निरीक्षण करना चाहिए कि आखिर कारण क्या हो गया। यह वही प्रैस है जो दो साल पहले हमारे चित्र छापा करता था, हमारी न्यूज लाया करता था। आज क्या कारण हो गया। कहीं हमारी टैकलिंग में तो गलती नही। कही हम उनको टैकल करने

में गलती तो नही कर गए या कही हमारी कार्य ौली तो दोशपूर्ण नही है। सभापति जी, इस पर चिंता करनी चाहिए और मेहम के विशय में जो चारो तरफ भांका व्यापक है उसको दूर करना चाहिए क्योंकि पंजातंत्र मैे कोई भी व्यक्ति पार्टी से बडा नही हुआ करता, कोई पार्टी दे ा से बडी नही हुआ करती। अगर आव यक हा तो आदमी को पार्टी के लिए त्याग करना चाहिए और पार्टी को दे ा के लिए त्याग करना चाहिए। इस प्रकार यदि त्याग से समाज का वि वास पैदा होता है, जनता का वि वास पैदा होता है तो उस वि वास के लिए त्याग करना चाहिए और जनता के टूटे वि वास को दोबार जोडने का प्रयत्न करना चाहिए। इतना कह कर मै आपका धन्यवाद करता हूं।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपूर): सभापति महोदश, माननीय गुप्ता जी ने कल हाउस में जो बजट भाशण दिया है उस पर चर्चा चल रही है। सभापति महोदय, चाहे गवर्नर ऐड्रेस हो और फिर उसके बाद चाहे बजट हो वह सरकार की विका नीति व योजनाओ को प्रतिबिम्ब होता है। सवेरे से हुई बहस और बजट की समीक्षा से एक धारणा तो बिल्कुल मजबूत होती है। कुछेक साथियो को एक दो के सिवाए चाहे वे सत्ता पक्ष के मैम्बर है चाहे विपक्ष के हैं, विपक्ष को तो भाायद अभी बोलने का मौका ही नही मिला है। जिन्होने बजट को बार बार सराहा है उनको यदि मै बजट की बे ाखी कहूं तो गलत नही होगा। अप्रत्यक्ष रुप से सभापति महोदय, इस बजट को कोई विकासि ाल बजट नही

मान सकता। अगर इस बजट को नीरस बजट कहा जाए तो ज्यादा उपयुक्त होगा।(ाोर)

एक आवाजः आप कौन से रस की बात करते हो?(ाोर)

चोधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः वह रस तो आपने छोडा ही नही। अब तो आपने खुन पीने का सिलसिला भाुरु कर दिया है बल्कि उससे भी आगे निकल गए हो (ाोर एवं विघ्न्) मै वही कह रहा हूं। अब तो आपने पब्लिक को भी पीसना भाुरु कर दिया है। कृपा करके उससे दूर ही रहे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। जनता के हाथो में तो बहुत बडी भाक्ति है उससे टकराना अच्छा नही है। (ाोर एवं विघ्न्) यह कहानी बहुत पुरानी है। इसमें कोई सार नही है और न मैने वहां पर कोई पाजामा छोडा है और न कोई कपडा छोडा है और न ही मै पाईपो पर चढा हूं। (ाोर) सभापति महोदय, माननीय सदस्य मुझे बीच बीच में टोका–टोकी करते है अगर आप इन्हे ऐसा न करने की हिदायत दे दे ंतो ज्यादा उपयुक्त होगा (विघ्न्)

Mr. Chairman: No interruption please.

श्री राम बिलास भार्माः सभापति महोदय, मै रिकार्ड को ठीक करने के लिएएक बात बताना चाहता हूं। यहां जो कपडो की बात चली है उसके बारे में निवेदन है कि तेजाखेडा में मै चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहजी के साथ था और मेरे पास जो अटैची थी

उसमे मैने इनके कपडे रखे थे। यह बात फैक्ट है कि ये तेजाखेडा में हमारे साथ थे और वहां पर ये अपने कपडे छोड कर आए थे। (विघ्न)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, वैसे मुझे कोई अफसोस नही होता क्योकि पता नही राम बिलास ज को हाउस में * * * बोलने में मजा आता है या यह इनकी आदत हो गई है। इस आदत को मै जान चूका हूं इसके अलावा मै क्या कहूं। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः सभापति महोदय, सदन की मर्यादा का तकाजा है ठीक है इन्होने दल बदला, कपडे तेजाखेडा में छोड आए, जूते छोड आए, पल्ली छोड आ लेकिन जो * * * भाब्द है यह अनपार्लियामैंटरी है इसको ऐक्सपंज कर दिया जाए।

श्री सभापतिः यह भाब्द एक्सपंज कर दिया जाए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, रसो की बात तो हमारे सीनियर मैम्बर डाक्टर साहब और गुप्ता जी ही बता सकते है। मुझे तो कोई रस लगा भी नही है। सभापति जी **** भाब्द मैने इसलिए कहा क्योकि राम बिलास जी ने निराधार और बेबुनियाद बात की है। मैने वहां पर कोई कपडा नही छोडा। जहां तक दल बदलने की बात है उसके बारे मे मै कह देता हूं कि क्योकि यह बात यहां आई है (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: सभापति महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि भाई महेन्द्र प्रताप सिंह जी एक ऐसे योग्य व्यक्ति चौधरी नेत राम जी के सुपुत्र है जो बहुत अच्छे व्यक्ति थे और जिन्होने जनसंघ के टिकट पर चुनाव लडा था। इसलिए हमें इनसे ममता है। महेन्द्र प्रताप सिंह जी मेवला महाराजपूर सीट से लोकदल की टिकट पर चुनाव जीत कर आए थे। यह रिकार्ड की बात है और ये फैक्ट है।

श्री सभापति: आप कृप्या बैठें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह: सभापति जी, आपको मुझे बोलने के लिए टाईम बढा कर देना पडेगा क्योकि ये बीच में टोका टाकी कर रहे है। आप जानते है और इसमें कोई दो राय नही है कि एक बार मै इन भाईयो के सहयोग से भी चुनाव जीतकर आया था। इस बात से भी इन्कार नही किया जा सकता। आप यह भी अच्छी तरह से जानते है कि उस समय मैने इनकी इज्जत को बढाया था। उस समय जब जनता दल और लोक दल पार्टी लेट गई थे मुझे इलैक ान लडना पडा था क्योकि मुझे टिकट नही दिया गया था? मुझे इन्होन स्पोर्ट दी थी और मै 1977 मे जनता दल के मुकाबले में 250 वोटो से पिछडा था इनडिपैंडैंट कैंडीडेट की हैसियत से। उसके बाद हालांकि कांग्रेस वेव थी फिर भी इनके सहयोग से मै तकरीबन 24 हजार वोटो से चुनाव जीता था। उसके लिए मै इनका धन्यवाद करता हूं। फिर कांग्रेस ने मुझे चुनाव लडने के लिए टिकट दिया। उस समय हालांकि इनकी हवा

थी लेकिन इनके कैंडिडेट को मै 20 हजार वोटो से हराकर हाउस में आया हूं। अब इस बात का अन्दाजा यह खुद लगा ले कि वह दोनो बार जनता की जीत थी या नही। मै तो उसे जनता की जीत कहता हू। यह दल बदल नही है, जनहित में या जन विकास के लिए मैने जो कुछ भी किया है वह जनता के लिए किया है और यह जनता ने मुझे अपने तौर पर जीता कर भेजा था। इस बात की सफाई कई बार दी जा चुकी है। इससे ज्यादा सफाई की जरुरत नही है। दोनो बार जनता ने मुझे अपने बलबुते पर जीता कर भेजा है। (विघ्न)

प्रो0 सम्पत सिंहः क्या ये जनहित मोर्चा में जाएंगे? (विघ्न)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मै आपको राय दे सकता हूं कि आप अपने गुनाहो पर प चाताप कर लें। (विघ्न)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, ये जनहित की बात कर रहे है। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि जब ये जनहित मोर्चे में चले गए है तो कया इन्होने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है क्योकि अब डिफैक ान आफ ला के तहत कोई सदस्य दूसरी पार्टी मे तभी जा सकता है जब वह पहली पार्टी से इस्तीफा दे दे। (विघ्न)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मै आपको बता देता हूं कि मुझे जनता ने अपने वोटो से चुनकर यहां भेजा है। (ाोर एवं विघ्न) इसमें आपकी पार्टी का कोई क्रेडिट नही है। (विघ्न)

समाज कल्याण मंत्री (श्री जगन नाथ): चेयरमैन साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मै इनको सलाह देता हूं कि ये न तो जनतदल में भाामिल हो और न ही बी.0 जे0 पी0 में भाामिल हो बल्कि इनको और जनहित वालो को मिल कर कोई एक अनहोनी पार्टी बना लेनी चाहिए।(विघ्न)

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः जगन नाथजी ऐसी कल्पना तो आप ही कर सकते है। लेकिन ई वर का नाम आपके नाम क साथ जुडा हआ है इसलिए कम से कम आपतो ऐसी बात न कीजिए। आप अनहोनी के चक्कर में न पडें।

श्री सभापतिः महेन्द्र प्रताप जी आप इनकी बातो की तरफ ध्यान न देते हुए बजट पर ही बोले।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मै तो बजट पर ही बोलना चाहता हूं लेकिन ये बोलने ही नही देते। चेयरमैन साहब, जो सही बात होगी मै उसका समर्थन भी करुंगा। मै बहन जी की बातो को दोहराना नही चाहता। इस समय वहां पर प्रदे ा की जनता भी बैठी हुई है और हमारे दूसरे साथीगण भी बैठे हुए है। चेयरमैन साहब, जैसा मै कह रहा था कि किसी भी सरकार का मुख्य काम अपने प्रदे ा के लोगो की रक्ष करना और उनके लिए विकास

कार्य करना होता है। कोई भी विकास कार्य करने के लिए कोई न कोई टारगैट रखे जाते है। जो टारगैट रखे जाते है, यदि उनको इम्पलीमैंट की गति की तरफ देखें तो उससे एक भाक जाहिर होता है कि उस टारगैट की गति का काम ठीक तरह से आज के दिन नही हो रहा। इस बात को देखते हुए यह भांका जाहिर होती है कि ये काम कैसे करेगे? ये जो कर रहे है वह इनके कारनामो से साबित हो जाएगा। चेयरमैन साहब, मै बताना चाहूंग कि जब कांग्रेस ने इन्हे सत्ता सौंपी थी तो वर्श 1987–88 में जो योजनागन व्यय था वह 588.75 करोउ रुपए था, जो बाद मे इस सरकार द्वारा घटा दिया गया। 1987–88 मे जो योजनागत व्यय पिछली सरकार ने प्रस्तावित किया था उसकी फिगर 285.75करोड थी लेकिन वर्तमान सरकार द्वारा उसे बाद में घटा दिया गया है। वर्श 1989–90 मे इसको 676 करोड किया गया उसके बाद घटाकर 596 करोड कर दिया गया। (विघ्न) सभापति महोदय, 585 और 596 में कोई खास अन्तर नही है। यह बात मेरी समझ मे नही आती कि गुप्ता जी आंकउे किस प्रकार के दे रहे है। जो राजस्व इस साल मिल रहा है उसका अन्दाजा लगाएं तो वह 25 प्रति ात हर वर्श ज्यादा स्वाभाविक ही बढ जाता है और दो साल मे तो इसके 50 प्रति ात अधिक होना चाहिए था। सभापति महोदय, पता नही इन्होने किस ढंग से बंटवारा किया है (विघ्न) यदि उनकी उस विकास दस व बढे राजस्व को देखा जाए तो इन्हे तो सैंकडो करोड रुपए ज्यादा योजनागत बजट प्रस्तावित करना चाहिए था। दो साल बाद भी ये कांग्रेस ाासन के बजट की बराबरी नही कर

पाए जो कि 1986–87 में कांग्रेस सरकार ने 525 करोड रुपए का रखा था। योजनागत बजट को बढाना विकास ील सरकार की नीति होती है। सरकार अपने साधनो से बजट को बढाती है लेकिन उसी बजट को घटाया नही जा सकता इसलिए हमने उसे बढाकर अधिक किया। श्री गुप्ता जी ने 1990–91 के वित्त वर्श के लिए 700 करोड रुपए का बजट रखा है। वह दो साल के बाद भी कांग्रेस बजट के बराबर बजट पे ा नही कर पाए। इनके विकास दस के हिसाब से तीन साल में तो 850 करोड रुपए कम से कम बजट में प्रोविजन होना चाहिए था। यह विकास ील बजट हुआ या पीछे लौटने वाला विकास रोको बजट हुआ। इस बजट से सरकार की नीतियो की झलक मिलती है। इस बजट को तो किसी भी मायने में विकास ील बजट नही कहा जा सकता।(विघ्न) सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त उन्होने यह कहा है कि 70 प्रति ात बजट ग्रामीण क्षेत्रो की तरफ लगाया जाएगा। मेरे माननीय साथी, जिनका नाम मुझे याद नही, ने कहा था कि कांग्रेस भाासन काल में ग्रामीण क्षेत्रो की तरफ ध्यान नही दिया गया। पता नही ये माननीय साथी किस कारण से ऐसा कह रहे थे। कांग्रेस का इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस के भाासन में हरियाणा की पूरी तरक्की हुई है। जब हरियाणा का गठन हुआ था तो उस समय हरियाणा दे ा में 11वे नम्बर पर था। मेरे यह साथी भाायद भूल गए है कि कांग्रेस भाासन काल के दौरान ही हरियाणा दे ा में दूसरे नम्बर पर आया। इनके 3 साल के भाासन के बाद भी अभी वह दूसरे नम्बर पर ही है जिसका श्रेय मूलरुप से कांग्रेस

को जाता हैं कांग्रेस की विकास ील नीतियो को दे ा का बच्चा–बच्चा जानता है ओर विकास के मामले में हमारा आद र्ा रहा है। कांग्रेस के तत्कालीन मंत्री चौधरी बंसी लाल ओर उसके बाद आने वाले मख्य मंत्रियो की ही देन कहा जा सकता है कि आज हरियाणा दे ा मे दूसरे नमबर पर है। (विघ्न)

श्री जगन नाथः * * * * * * *

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, चौधरी बसी लाल के प्रति भाब्दो का इस्तेमाल कम से कम जगन नाथ को तो नही करना चाहिए। (विघ्न) मै आपसे निवेदन करुंगा कि इनकी बात को रिकार्ड पर न लाया जाए और इन्हे बैठने की हिदायत दी जाए।

श्री सभापतिः यह बात रिकार्ड न की जाए। जगन नाथ जी आप बैठें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, राजनीति में मतभेद हो सकते है लेकिन उनके प्रति इन्हे ऐसे भाब्दो का प्रयोग नही करना चाहिए।

श्री सभापतिः मैने इनकी बात को रिकार्ड पर न लाने के लिए कह दिया है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः जगन नाथजी, आपका तो नही ही जगन नाथ है, कम से कम आप अपने नाम की भावना का

तो ध्यान रखे।(विघ्न) सभापति महोदय, बजट में 70 प्रति ात बजट ग्रामीण क्षेत्रो के लिए खर्च करने का जिक आया है। अगर हम वर्श 1987–88 के बजट पर थोडी सी दुश्टी डाले तो कृशि, बिजली और सिंचाई के लिए 357 जमा 61 यानी 400 करोड रुपए के लगभग रा ि ा की व्यवस्था कांग्रेस सरकार द्वारा की गई थी। 400 करोड रुपए टोटल बजट यानि 585 करोड रुपए का कितना परसैंट बनाता हैयह मंत्री महोदय स्वयं ही निकाल सकते है। यह लगभग 68–69 परसैंट के करीब पडेगा। उसके बराबर भी ये चार साल में नही कर पाए। यदि पिछले साल 1989–90 की फीगर्ज को कम्पेयर किया जाये तो इनहोने जो 17 परसैंट की बढौतरी दिखायी है वह चार परसैंट से ज्यादा नही बैठती। इन्होने गलत आंकडे लगाए है। पहले तो बजट में बढा कर आंकडे दिखा दिये और फिर बाद में कह दिया कि हम साधन नही जुटा पाये,यह हो गया वह हो गया। फिर उसको कम कर दिया। लोगो को खु ा करने के लिए कह दिया कि हमारी बडी विकास नीतियां है और हरियाणा का विकास करना चाहते हैं लेकिन उसका रिजल्ट क्या है। (विघ्न)

एक मैम्बरः इस सरकार के आने के बाद विकास तो हुआ ही है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः यह तो आप ही लोग कह रहे हो। हम तो हाउस में कोई सवाल उठाते है तो उनको साईड ट्रेक कर दिया जाता है। मंत्री महोदय जब आपकी यही हालात है

तो हमें कोई अफसोस नही है। सभापति महोदय, अब मै दूसरी तरफ आ रहा हूं। (विघ्न)

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री धीर पाल सिंह): आपते तो इस सै ान में कोई प्र न ही नही दिया, फिर आपके सवाल को साइड ट्रैक कैसे कर दिया।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह: सभापति महोदय, मैने काल अटैन ान मो ान दी है, ऐडजर्नमैंट मो ान दिया है। ये सब रिकार्ड की बातें है।

श्री बनारसी दास गुप्ता: सभापति महोदय, इस विशय मै मै एक निवेदन करता चाहता हूं। कालिंग–अटैन ान मो ान के नोटिस का फैसला करना चेयरमैन साहब की जिम्मेदारी है। इसमें हमारी कोई जिम्मेदारी नही है। आपका प्र न आया हो और उसका उपयुक्त उत्तर न मिला हो तो आप हम से ि ाकायत कर सकते है। जब आपका कोई प्र न ही नही है तो हम किसा बात का जवाब दें?

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह: गुप्ता जी, मैने सप्लीमैंटरी किये है। जहां तक चेयरमैन साहब के फैसले का ताल्लुक है उस बारे में मुझे कोई एतराज नही है। हम चेयरमैन साहब की इज्जत करते है और चेयरमैन साहब का चाहे जो फैसला हो वह हम मानते है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। सभापति महोदय, इस सै ान के दौरान क्वै चन कम इसलिए आये कि हमें 15 दिन का नोटिस नही दिया गया था। केवल पांच दिन का नोटिस दिया गया था। इसलिए क्वै चन नही भेज सके।

श्री सभापतिः यह प्वायंट आफ आर्डर नही है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अब आप 15 दिन की बात नही कह सकते। समय वाली बात तो छूट दे कर के स्पीकर साहब ने कवर कर दी है। इस तारीख तक आए सारे प्र न स्वीकार कर लिए गये है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः इन बातों का जवाब आप दे देंगे तब पता लगेगा और जवाब तो आप दे ही देंगे क्योकि जवाब देने और बचाव के आप बडे माहिर है क्योकि आपने बडा लम्बा रास्ता कांग्रेस के समय से आज तक का तय किया है।

श्री सभापतिः महेन्द्र प्रताप सिंह जी, सारे क्वै चन टाईम लिमिट वैव करके ऐडमिट कर लिए गये है। इसलिए आप क्वै चन वाली बात न करके बजट तक ही कनफाइन रहें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, जब बात आ जाती है तो उसका उतर तो देना जरुरी हो जाता है। मंत्री महोदय कह रहे थे कि कालिंग अटैन्ा ान मो ान का फैसला चेयरमैन साहब करती है। वह तो ठीक है वही करती है। हमें किस

किस्म का ऐतराज नही। जो फैसला चेयर ने किया है उस पर हमें उंगली उठाने या उनकी बात पर किसी प्रकार आक्षेप लगाने का अधिकार नही लेकिन सभापति जी कई बार दुख होता है। * * * * *

Dr. Mangal Sein: This is a reflection on the Chair, Sir,. This should no be on record.

श्री सभापतिः यह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः जहां तक सभापति महोदय बाढ आने का सम्बंध है उस बारे में मैने हाउस में दो बार कालिंग अटैन ान मो ान भी दिये और सप्लीमैंटरी सवाल भी किये लेकिन मुझे मौका नही दिया गया। मैने श्री उदय भान के सवाल पर भी सप्लीमैंटरी किया लेकिन उस समय भी सरकार आ वासन तो क्या जवाब भी नही दे सकी सरकार की अकर्मन्यता और ना–असलियत की बातें देखिए दो साल से लगातार जनता की ि ाकायत है, भाोर भाराबा है लेकिन बावजूद इसके कुछ नही किया जा रहा है। पहले साल बांध टूट गया, वह बांध तो टूटा पडा रहा लेनि दूसरी बार वही बांध उस गांव के बराबर से फिर टूट गया। उस बांध के टूटने से तकरीबन दस हजार एकड जमीन खराब हो गई। उसका न लोागो को मुआवजा दिया गया और न ही किसी प्रकार की राहत दी गई। आज भी जगह जगह से वह बांध टूटा हुआ है। ये बाते सरकार की विकास ाील नीतियो की भाोभा बढा रही है।

श्री सभापतिः आप एक दो मिनट में खत्म करिए।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः ठीक है, एक दो मिनट का ही समय और दे दीजिए। मुझे इन्टरप ांज की वजह से बहुत देर तक इन लागो ने रोके रखा। मै दो मिनट से फालतू समय नही लूंगा। (विघ्न)हमारी पार्टी से केवल एक आदमी बोला है लेकिन उसको भी समय न दिया जाये तो हम कैसे अपनी बात कह पायेंगे।

श्री सभापतिः आप कंक्लूड करें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः देखिए सभापति महोदय, हम चार मैम्बर्ज है। एक एक मैम्बर को आपने इतना समय दिया, इसलिए हमें भी उतना ही समय मिलना चाहिए।

श्री सभापतिः आपको भी इतना ही समय दिया है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, इन्होने मुझे रोक दिया इसके कारण मेरा समय जाया हो गया।

श्री सभापतिः आप एक मिनट में खत्म करें।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सभापति महोदय, दूसरी बात मोटे तौर पर यह हैकि सरकार की जिम्मेदारी जनता के प्रति विकास की होती है दूसरे उसके मान सम्मान और सुरक्षा की होती है। सरकार दोनो उद्दे यो की दृश्टी से फेल हो चुकी है। मेहम मे प्रजातंत्र का कत्ल हुआ है जो प्रजातंत्र के इतिहास में एक ही मिसाल है। इसके लिए सरकार को प्रायि चत व जनता के सामने

समर्पण करना ही होगा। सभापति महोदय, विकास के फ्रंट पर भी यह सरकार फेल है। इस बारे में कोई दलील देने की जरुरत नही है। जहां तक सुरक्षा का और प्रजातंत्र का सवाल है, वह आज एक चर्चा का विशय बना हुआ है। ये अपने मन को खु ा करने के लिए कुछ भी कह ले लेकिन इसका इन्हे प्रायि चत व जनता के सामने सर्मपण करना ही होगा।

श्री सभापतिः अब आप बस कीजिए आप का टाईम खत्म हो गया है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सर अभी दो मिनट नही हुए है।

श्री सभापतिः आपने तो एक मिनट के लिए कहा था। Please take your seat. Next Member, Shri Makhan Singh.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सर, मेरे दो मामले अभी कहने रह रहे है। सभापति महोदय, मै इसलिए कहता हूं कि जहां तक महम का ताल्लुक है गुप्ता जी ने सरकार को बडी खुबी से बचाने की कोि ा ा की है और गुप्ता जी तो ऐसे कामो में बडे माहिर है। वे बडे काबिल आदमी है। इन्होने तो कांग्रेस भाासन में और अब भी सब कुछ देखा है लेकिन गुप्ता जी, इस तरह से सरकार को नही बचाया जा सकता हैं।.....

Mr.Chairman: Now please take your seat. I have already called upon Shri Makhan Singh,. Let him speak. You will get other opportunities to speak.

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः सर, मै यह कहना चाहता हूं कि जैसे प्रैस के लिए * * * * * * * *

Mr.Chairman: This will not be recorded. I have already called upon the other Member. Please take your seat and let him speak.

Chaudhri Mahender Partap Singh: * * * * * *

Mr.Chairman: Nothing to be recorded which is said without my permisiion.

Chaudhri Mahender Partap Singh: * * * * * *

श्री सभापतिः आपके साथियो को कहने का मौका मिलेगा वह कह लेगे।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः* * * * * *

श्री सभापतिः आपको 26 मिनट का टाईम मिला है। मैने इनको भी रोका है। अब आप बैठिए। बहुत टाईम आपको मिला है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः मेरी पार्टी के तमाम सदस्य अपना समय भी मुझे दे रहे है। अगर फिर भी आप मुझे समय नही देते तो मुझे वाब आउट करना पडेगा। सभापति महोदय, यह बहुत गलत परम्परा है कि हमारे साथ हाउस में समय के मामले में भी ज्यादती की जा रही है।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): चेयरमैन सर, जैसे इन्होने कहा है कि इन्ट्रप ान्ज वगैरा होती रही है। लेकिन इनको यह भी तो पता होना चाहिए कि जग चेयरमैन कहते है कि आपका टाईम समाप्त हो गया है और कोई चीज रिकार्ड पर नही आएगी तो एक सदस्य को बैठ जाना चाहिए। लेकिन उसके बाद भी कोई मैम्बर दस पन्द्रह मिनट तक बोलता रहे तो उसका मतलब क्या यह नही है कि वह हाउस का टाईम जाया करता है। रिकार्ड पर भी कोई बात आ नही रही है लेकिन फिर भी वह बोलता ही जा रहा है। यही 15 मिनट कोई दूसरा मैम्बर बोलता तो हाउस को कुछ फायदा होता।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः ये लोग बार बार मेरा समय नश्ट कर रहे है अगर फिर भी मुझे समय नही दिया जाता तो हम इसके विरोध में वाक आउट करते है।

(इस समय चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री मोहम्मद असलम खा, और कैप्टल अजय सिंह यादव सहित सदन से वाक–आउट कर गये)।

वर्श 1990–91 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री किरपा राम पुनियाः चेयरमैन साहब, अगर प्रोसीडिंग्ज इसी तरह से चलेगी तो इसका कोई फायदा नही होगा। जो बोलते है उनको बोलने नही दिया जाता।

श्री सभापतिः उनको (चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह) सफि ौनट टाईम दिया गया है।

श्री किरपा राम पुनियाः चेयरमैन साहब, यह कोई उचित बात नही है। इस तरह से हाउस का काम नही चलेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः टाईम लिमिटिड है और यह टाईम सब के लिए एक जैसा है। जितना उनका टाईम बनता था वह उनको दे दिया गया था।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): चेयरमैन सर, पुनिया साहब ने अभी कहा कि इंटरप् ांज हो रही है ओर इस तरह से काम नही चलेगा। लेकिन जब चेयरमैन बार बार कह दे कि टाईम समाप्त हो गया है और कोई बात रिकार्ड पर नही आएगी और फिर भी कोई मैम्बर 15 मिनट तक बोलता रहे तो उसका क्या फायदा है? जब कोई चीज रिकार्ड पर आनी ही नही है तो उनको खुद ही बैठ जाना चाहिए।

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): सभापति महोदय, पुनिया जी ने जो यह बात कही वह बिल्कुल ठीक है इंटरप् ांज या भाोर भाराबा नही होना चाहिए। जब इधर से लोग बोल रहे थे तो सभापति जी आपने देखा होगा कि किस प्रकार से अत्री जी खडे होकर बीच में बोल रहे थे तब पुनिया साहब को कुछ नजर नही आया (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः पूनिय साहब, आप बैठिए। मक्खन सिंह जी आप भ्ाुरु करें।

श्री मक्खन सिंह (पुंडरी): सभापति जी, आपने मुझे बजट के बारे मे बालने का समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। गुप्ता जी ने जो बजट पे ा किया है यह बजट लोगो की भावनाओ को जानते हुए बहुत अच्छा पे ा किया है और इसमें कोई नया कर नही लगाया गया है। सभापति जी वर्श 1990–91 का बजट सात सौ करोड रुपए का बजट है जोकि चालू वर्श के मुकाबले 17 प्रति ात अधिक है। इस बजट में कोई नया कर नही लगाया गया है यह बहुत सराहनीय कार्य है। कर न लगाने का कारण यह है कि हरियाणा में बहुत ही प्रगति ाील काम हुए है और इसलिए अब किसी कर की आव यकता नही है। हमारे मुख्य मंत्री औम प्रका ा चौटाला ने निर्णय लिया है कि हर गांव के अन्दर दिसम्बर, 1990 तक पीनेका पानी पहुंचा दिया जाएगा। यह बहुत ही सराहनीय काम है।

सभापति महोदय, इस सरकार ने 108.70 करोड रुपए नहर व बाढ नियंत्रण के लिए उपलब्ध कराए है। यह बहुत ही अच्छा काम हमारी सरकार ने किया है। हमारा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है और हमें पानी की जरुरत है। जब कांग्रेस की सरकार थी तो उसने कोई भी खाल ठीक नही करवाया था। जितने भी खाल खराब थे उनकी कांग्रेस सरकार ने कोई परवाह नही की। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने भी हमारे इलाके में कोई

ज्यादा काम नही किया। उन्होने केवल अपने क्षेत्र में ही काम किया। सभापति जी, मेरा जीरी का एरिया है इसलिए वहां पानी की बहुत जरुर है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि कुरुक्षेत्र के एरिया के अन्दर जितने भी खाल है उनको पक्का करने का का भ्ाुरु किया जाए। मेरे हलके में चोरबठी से फरल मादनर जो मंजूर ुदा है उसको बनाया जाए। मेरे हलके में मोहना माईनर है जो पक्का है लेकिन उसकी लाइनिंग ठीक नही ै और इस कारण अगले गांव में पानी नही पहुंचता। मै लगातार पिछले तीन साल तक ि ाकायत करता रहा हं कि इस माईनर को ठीक कराया जाए लेकिन अभी तक वह ठीक नही किया गया है। सभापति जी, हमारा जीरी का एरिया है और अगर वहां पानी का प्रबन्ध बहुत अच्छा हा जाए तो बहुत अच्छी बात हो सकती है।

सभापति जी, अब मै बिजली के बारे में कहना चाहता हूं। बिजल के मद में वर्श 1990–91 के लिए 182 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। 1987 मे चौधरी देवी लाल ने चौबीस घंटे बिजली देने का प्रावधान किया था और आज तक चल रहा ह। मेरे हलके में 132 के0वी0 का कौल गावं में एक सब–स्टे ान बनाने काम काम चल रहा है, मेरी प्रार्थना है कि उसको जल्दी पूरा किया जाए। बिजली की ठीक सप्लाई होने टयूबवैल का काम ठीक हो जाएगा और पानी ज्यादा मात्रा मे उपलब्ध हो सकेगा। मेरी इस बारे मे मुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि इसको जल्दी से पूरा किया जाए। जिससे कि लोगो को बिजली अधिक से अधिक मिल

सके। आजकल हर गांव को पूरी और चौबीस घंटे बिजली मिल रही है इससे ज्यादा सराहनीय काम ओर कोई नही हो सकता। जब कांग्रेस का भाासन था तो लोगो केा बिजली नही मिलती थी लेकिन आजकल वह बिजली घर है और वही बिजली है लेकिन लोगो को पूरी बिजली मिल रही है। पता नही अब वह बिजली कहां से आ गई ओर पहले क्यो नही थी। सभापति महोदय, चौधरी देवी लाल ने गन्ने का चालीस रुपए मूल्य देकर बहुत अच्छा काम किया है। कांग्रेस भाासन के अन्दर एक रुपए की बढौतरी को लेकर यमुनानगार में ऐजीटे ान किया गया था।

(इस समय सभापतियो की सूची की एक सदस्या, श्रीमती सुशमा स्वराज, पदासीन हुई)।

सभापति महोदय, उस समय गन्ने का मूल्य एक रुपया भी सरकार ने नही बढने दिया लेकिन चौधरी देवी लाल जी के आते ही किसान को उसका डयू हक मिला और उसके गन्ने की कीमत 40 रुपए प्रति क्विंटल कर दी गयी जिससे मेहनतक ा किसान को काफी राहत महसूस हुई। इस वक्त हरियाणा के अंदर किसानो को गन्ने की सब से अधिक कीमत दी जाती है। इसके बावजूद भी भााहबाद भूगर मिल को दे ा में पहला और सोनीपत को तीसरा स्थान प्राप्त करके हमारा हरियाणा अग्रणी रहा है। मेरा अपनी सरकार से यह प्रार्थना हैकि जहां चौधरी देवी लाल जी के वक्त में गन्ने का मूल्य बढाया गया है वहां कैथल के भूगर मिल

की ओर भी वि ोश ध्यान दिया जाए और उसे जल्दी ही चालू करवाया जाए।

इससे आगे मै सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा क्योकि हमारी सरकार ने मजदूरो के लिए 800 रुपये प्रति माह या 30 रुपए 80 पैसे प्रतिदिन मजदूरी फिक्स कर दी है। कृशि क्षेत्र के लिए 31 रुपये 80 पैसे न्यूनतम मजदूरी हमारी सरकार ने नि चत की है जोकि उतरी क्षत्र में सब से अधिक है। इसके लिए मै सरकार को बधाई देता हूं। यह सरकार का एक बडा सराहनीय कदम है।

सभापति महोदया, अब मै परिवहन तथा संचार व्यवस्था के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। सरकार ने नई बसें खरीदने के लिए लगभग 40.10 करोड रुपए की व्यवस्था की है। नई बसे खरीदने के बाद कई नये रुटस पर, जगह जगह पर, बसे चलाने का सरकार ने जो कार्यकम बनाया है, वह बडा ही सराहनीय है। इससे यात्रियो को काफी राहत मिलेगी और सरकार को आमदनी भी होगी। यह एक समय की मांग थी जोकि सरकार पूरी करने जा रही है इसके साथ साथ मेरी यह सरकार से रिकवैस्ट है कि जब नई बसे आए तो उन में से कुछ बसे कैथल डिपो पर भी भेजी जाएं। वहां के लोगो की भी काफी देर से यह मांग चल रही है।

सभापति महोदया, इससे आगे मै ि ाक्षा से सम्बंधित कुछ बातें कहना चाहूंगा अगल वर्श 100 स्कूल प्राइमरी से मिडल

व 50 स्कूल मिडल से हाई मे अपग्रेड करने का प्लान है जोकि बडा ही सराहनीय कदम है। इसके लिए मै सरकार को धन्यवाद करता हूं। इस तरह स्कूलो का दर्जा बढाया जाना आव यक था। मै सरकार से एक रिक्वैस्ट भी करुंगा कि हाबडी व साकरा गांव के स्कूलो को भी 10 जमा 2 में अप–ग्रेड किया जाए और बारना और जडौला हाई स्कूलो की बिल्डिंगो की मुरम्मत करवाई जाए। उनकी हालत बहुत खस्ता है। यह डिमांड उस इलाके के लोगो की बहुत देर से है। इसके साथ साथ राजकीय प्राइमरी स्कूल कमोदा व घराडसी को मिडल स्कूल का दर्जा दिया जाए।

सभापति महोदया, हमारी सरकार ने जो बुढापा पैं ान स्कीम चलायी है वह अपने आप में ही एक बेजोड स्कीम है ओर पूरे राश्ट्र भर में इस स्कीम की बदौलत हरियाणा को एक वि ोश स्थान मिला है।

महिला ि ाक्षा को बढावा देने के लिए जनता की अं ादान की रा ि ा को बढाकर सरकार ने दो गुण कर दिया है। यह बडा ही सराहनीय कदम है। इसके साथ साथ में सरकार की प्र ांसा करुंगा कि सरकार ने कर्मचारियो को मकान बनाने के लिए कर्जे की रा ि ा को एक लाख से बढाकर अढाई लाख रुपये कर दिया है। कर्मचारियो को 27 दिन के वेतन के बराबर बोनस देने का जो निर्णय सरकार ने लिया है वह भी बहुत सराहनीय कदम है। इससे कर्मचारियो में काफी खु ाी की लहर आई है। जो टैक्स भी सरकार ने नही लगाया, यह भी एक बडा काम किया है।

सभापति महोदया, हमारी सरकार ने बहुत बढिया बजट पे ा किया है। महेन्द्र प्रताप सिंह जी इसकी आलोचना कर रहे थे, उनको ऐसा करते हुए * * * * * आनी चाहिए थी। पहले जब भी कांग्रेस सरकार ने अपना बजट पे ा करना होता था तो लोग चिन्तित हो जाते थे। वे डरते थे कि कल को बजट पे ा होगा और चीजो के भाव और बढ जाएंगे। आज लोग खु ा है क्योकि हमने कोई भी नया टैक्स नही लगाया है। सभापति महोदया, इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री किरपा राम पुनिया (बडौदा–अनुसूचित जाति): सभापति महोदया, आज सदन में 1990–91 के बजट पर चर्चा हो रही है। सरकार की पिछले वर्श की उपलब्धियो और अगले वर्श में काम करने के प्रोग्राम को तो सामने रखा ही गया है लेकिन इसके साथ साथ उसके बारे में यह विचार विम र्ा करने की भी अति आव यकता है कि सरकार की कार्य प्रणाली या कार्य भौली कैसी है। क्योंकि बोलने के लिए समय की पाबन्दी लगी हुई है इसलिए मै चन्द मुद्दो पर ही चर्चा करना उचित समझता हूं। सब से पहले मै जनरल ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे में जिक्र करुंगा कि सरकार के काम करने की तरीका कैसा है, किस तरह से सरकारी म ाीनरी का उपयोग किया जाता है यह भी अर्ज करुंगा पिछले दिनो से मेहम के उप चुनाव के बारे में काफी चर्चा हो रही है। चारो तरफ वहा हुई घटनाओ का विराध किया गया। कालिंग अटैन ान

मो ांज के जरिए, स्टार्ड क्वै चंज के जरिए यह मामला उठाया गया। अखबारो में भी इस बारे में काफी आया। मै इस बारे में सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि यह बहुत भार्मनाक घटना घटी है। वहां पर बहुत भारी हिंसा का नंगा नाच हुआ। वहां पर बहुत सारे नौजवान मारे गए। इस बात का फैसला तो सरकार द्वारा बैठाए गए आयोग से करना है कि उन घटनाओ के लिए कौन दोशी था लेकिन जैसे पता चला है कि किस तरह से इसकी भूमिका पहले ही बन चुकी थी वह निन्दनीय है। मुख्य मंत्री जी भाायद इस बात के लिए मुझे क्षमा करेंगे और उत्तेजित नही होगें। 1987 मे विधान सभा के चुनाव होने के बाद यहां पर लोक दल और बी0 जे0 पी0 की सरकार बनी उसको बाद ग्रीन ब्रिगेड का गठन किया गया। उसके बाद जो भी उप चुनाव हुआ चाहेवह फतेहाबाद था, करनाल का था, तावडू का था या फरीदाबाद पार्लियामैंटरी कांस्टिचूएंसी का था, हर जगह ि ाकायत रही, अखबारो में भी और लोगो में भी कि बूथ कैप्चरिंग हुई है। हरियाणा के भाांती प्रिय लोगो ने 1987 के चुनावो के बाद पहली बार हिंसा का मुहं देखा। पहली बार 6 लोग मारे गये थे और बहुत सारे जख्मी हुए थे। इन बातो को लेकर जब अखबारो में ज्रिक आया तो उल्टा अखबार वालो को दोश दिया गया कि उन्होने इस तरह का माहौल पैदा किया। मुख्य मंत्री जी मुझे इस बात के लिए क्षमा करेंगे कि प्रैस हमारी फोर्थ ऐस्टेट है और उनका यह काम है कि असलियत को लोगो के सामने रखे। हमने 1987 के चुनावो से पहले जब न्याय युद्ध भाुरु किया था, उस

समय यही प्रैस वाले थे जिन्होने चौधरी देवी लाल और हमारी पार्टी को सारे न्याय युद्ध मे इतना भारी उंचा चढाया था। उसी का नतीजा था कि इतना भारी बहुमत हमारी पार्टी को मिला था। आज हरियाणा में एक बहुत गलत और भार्मनाक बात की गई है और उसके लिए प्रैस वालो को दोशी ठहराया जा रहा है। मै प्रैस वालो को इस बात की बधाई देता हूं कि उन्होने हर तरह की कठिनाई का सामना करके, अपनी जान जोखिम में डाल करके सही जानकारी प्राप्त की और उस जानकारी को उन्होने जनता तक पहुचाया। कई प्रैस वालो के सिर फूटे। एक को 19 टांके आए और एक को 14 टांके आए। प्रैस वालो की गाडियां चैक की गई। उनको वहां जाने से रोका गया और उनके कैमरे छिन लिए गए। इतना कुछ होने के बाद प्रैस वालो को दोशी ठहराना उचित नही है उन्होने तो अपना फर्ज निभाया है। प्रजातंत्र को कामयाब करने की उनकी जिम्मेदारी बनती है। उन्होने तो अपनी जिम्मेदारी निभाई है। सभापति महोदया, 27 तारीख को पांच बजे तक बडे भाांतिपूर्ण ढंग से पोलिंग हुआ कोई ि ाकायत नही मिली और कोई किसी प्रकार की चर्चा नही थी। वह का प्रबन्ध इन लोगो ने इतना भाानदार कर दिया था कि उस दिन वहां पर चिडिया तक नही फडक सकती थी। वहां पर इतनी ज्यादा संख्या में पूलिस की डिप्लायमैंट थी, सारा हरियाणा तो क्या सारे हिन्दुस्तान में इतनी ज्यादा पुलिस की तैनाती की मिसाल सुनने में नही आई। वहां पर चार डी0 आई0 जी0 रैंक के आफिसर, 15 एस0 पी0 रैंक के, 40 डी0 एस0 पी0 रैंक के और 15–20 हजार पुलिस के सिपाही तैनात

थे और इसके साथ साथ यह भी चर्चा है कि वहां पर 10 हजार ग्रीन ब्रिगेड के आदमी भी तैनात थे। मेहम के उप चुनाव में इतना भाानदान ढंग अपनाया गया था कि उसको यदि हिटलर भी कब्र में सुनेगा तो वह भी भार्मा जाएगा। जिस ढंग से महम मे फासिस्ट सिस्टम अपनाया गया उसकी मिसाल हिन्दुस्तान मे तो क्या सारी दूनिया में नही मिलेगी। सभापति महोदया, 26 तारीख को भााम को ही विपक्ष के उम्मीदवारो की आजाद उम्मीदवारो की और उनको कार्यकताओ की पकड धकड भाुरु हो गई थी। हर पोलिंग स्टे ान के सामने नाका बंदी हो गई थी। बैरियर लगने के बाद पुलिस को क्लीयर आदे ा थे, बकायदा प्रिचिंग की गई थी, इस बात की रिपोर्ट इंडिपैंडैन्ट इनीि ाएटिव के लोगो ने भी दी है और सबने यह कहा है कि हर पोलिंग स्टे ान के सामने नाका बंदी की हुई थी, बैरियर लगाए हुए थे, पुलिस वालो को स्पश्ट आदे ा थे कि आनंद सिंह डांगी और दूसरे उम्मीदवारो को वहां पर घुसने न दिया जाए, उनके किसी व्हीकल को न घुसने दिया जाए। उन बैरियर्ज पर वे चाहे पुलिस के आदमी थे और चाहे ग्रीन ब्रिगेड के आदमी थे उनकी बूथ कैप्चरिंग की जिम्मेदारी लगाई हुई थी। उनको कमल के फूल का नि ाान दिया हुआ था। वे कमल का फूल चाहे हाथ पर लगाकर पोलिंग बूथ मे जाते थे या अपनी जेब पर लगा कर जाते थे, सीधे पोलिंग बूथ में घुस जाते थे, उनको कोई रोक–टोक नही थी। वे बैलट पेपर पर ठप्पा लगाकर चले जाते थे। जो हर उम्मीदवार के पोलिंग एजेंट थे उनको गिरफतार करके एक तरफ बैठा दिया गया था। सभापति महोदया,

यह 27 तारीख की बात थी और 28 तारीख को वहां पर हिंसा इस तरह की हुई जो बहुत ही भार्मनाक है। वहां पर जो हिंसा हुई, वह क्यों हुई, कैसे हुई इस बात पर भी सन्देह जाता है। मुख्य मंत्री जी ने अखबारो में यह ब्यान भी दिया था कि मुझे अपनी हार को जीम में बदलना आता है। (ाोर)

सभापति महोदयाः पूनिया साहब आपने 12 बज कर 50 मिनट पर बोलना भाुरु किया था और अब 12 बज कर 59 मिनट हो गए है लेकिन आप केवल मेहम के बारे में ही बोल रहे है। बजट पर आपने एक भी बात नही कही है। आप कृपा करके बजट पर बोले।(ाोर)

श्री किरपा राम पुनियाः सभापति महोदया, महम का मामला मै समाप्त कर देता हूं।

श्री बनारसी दास चौ ाालाः सभापति महोदया, पुनिया साहब को केवल महम ही महम नजर आता है, उनको नीलाखेडी क्यो नही नजर आता? (ाोर)

13:00 बजे

श्री किरपा राम पुनियाःसभापति महोदया, मै महम का मामला यही ंपर छोड देता हूं। (विध्न) अब मै इस पर ज्यादा चर्चा नही करता।

यहां पर 1987 के चुनावो से पहले 2–3 बातो का बहुत जिक्र आया था और लोगो से वह वायदा किया गया था कि हम भ्रश्टाचार समाप्त कर देंगे, हम ताना ाही समाप्त करेंगे, बिजली पानी का प्रबंध करेंगे, गरीब जनता को पूरी तरह से इन्साफ देंगे ओर परिवारवाद को समाप्त करेंगे। ये सारे वायदे हमने जनता के साथ किए थे। मगर बदकिस्मती की बात यह है यह हमारे प्रैस वाले भाई नाराज है या ख्वामखाह लोगो का दिमाग खराब है तो रोजाना अखबारो में चर्चा रही है कि पुलिस की भर्ती में पैसा खया गया है। इस बारे में चौधरी देवी लाल जी ने कहा भी था कि गृह मंत्री सम्पत सिंह जी ने गलत काम किया है। इसके बाद इस संबंध में इन्होने इस्तीफा भी दे दिया था लेकिन बाद में इनको सुलह सफाई हो गई थी, इस तरह से यह मामला खत्म हो गया था वह अलग बात है। इसी तरह से चाहे फरीदाबाद की बात हो, चाहे गुडगांव की बात हो या भाामलात जमीन की बात हो या म्युनिसीपल कमेटीकी जमीन खरीदने की बात हो, इनका कुछ कच्चा–पक्का ब्यौरा मेरे पास है। लेकिन मै उसका यहां पर जिक्र करना नही चाहता। मगर इस बात की चर्चा हमे ाा रहती है कि भाामलात की जमीने बहुत सस्ते भाव पर लेकर दिल्ली के कालोनाइजर्ज को खरीदवादी है और इसमें बहुत बडा घपला हुआ है। इस बात की चर्चा बहुत होती है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः क्या आपके पास कोई मिसाल है?

श्री किरपा राम पुनियाः मेरे पास बहुत मिसाले है (विघ्न)।

मुख्य मंत्री (औम प्रका ा चौटाला): आपने हरिजनो के नाम पर जो जमीन ले रखी है, उसका भी जिक कर दो।

श्री बनारसी दास गुप्ताः सभापति महोदया, मै इनकी एक मिसाल बता देना चाहता हूं। (विघ्न)

सभापति महोदयाः बनारसी दास जी आप बैठिए। इन्हे बोलने दे। आप अपनी मिसाल उस समय दे लेना जब आपको बोलने का समय मिले।

श्री किरपा राम पुनियाः सभापति महोदया, मुझे इस बात की खु ाी है कि जो बात मै भूला हुआ था, उसको सी0 एम0 साहब ने मुझे याद दिला दिया। पिछले सै ान में इन्होने बडे मटक मटक कर कहा था कि मै सीधा कर दूंगा, गिन गिन कर बदला लूंगा और पुनिया साहब का खाता खोल दूंगा। आदरणीय मुख्य मंत्री जी मै आपको पूरी छूट देता हूं कि 25 साल की गई हरियाणा सरकार की नौकरी के दौरान, जितने साल भी मै मंत्री रहा और मंत्री बनने के पहले या बाद में भी जितनी मर्जी आये आप तसल्ली कर लें। अगर किरपा राम पुनिया की एक बात भी गलत साबित हो जाये तो किरपा राम पुनिया राजनीति छोड देगा। (विघ्न)

श्री बनारसी दास चौ ाला: आप पहले वाल्मिकियो की जमीन को तो छोड दे। राजनीति की बात तो बाद में आती है। (विघ्न)

श्री किरपा राम पुनिया: सभापति महोदया, पिछले सै ान में बोलते हुए इन्होने मेरे बारे में 4–5 चीजो का जिक किया था। इन्होने उस समय बोलते हुए मेरे बारे में एक कामधुनू भैंस का जिक किया थ और कहा था कि जब पुनिया सरकारी नौकरी में आया था तो इसके पास सिर्फ एक 600 रुपए की भैंस थी। इन्होने उस समय मेरे उपर बडे व्यंग्य कसे थे और बडे कटाक्ष भी किए थे। मै इनका बताना चाहता हूं कि जिस किसी भाई ने भी तरक्की की है वह किसी न किसी तरह से की है। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि जिसने भी तरक्की की है क्या वह जमीन जायदाद अपनी मां के पेट से लेकर आए थे? हर व्यक्ति की जिंदगी में कोई न कोई स्टेज तरक्की करने की आती है। मै औम प्रका ा चौटाला से पूछना चाहता हूं कि क्या ये बताएंगे कि जो आज के दिन इनकी यह स्थिती है यह सदियो से है? (विघ्न)

चौधरी औम प्रका ा चौटाला: सदियो से नही है हमारी यह स्थिती तो पीढियो से चली आ रही है। (विघ्न) अत्री जी जो काम आपने किया है क्या आपकी पीढी में भी पहले किसी ने किया था? (विघ्न)

श्री किरपा राम पुनियाः मै इनको बता देना चाहता हूं कि मैने तरक्की की है लेकिन गलत साधनो से तरक्की नही की। कोई लूट–खसोट करके तरक्की नही की। जायज तरीको से और जो जायज साधन है उनको इस्तेमाल करके यदि कोई तरक्की करता है तो उसमें कोई बुरी बात नही है। सभापति महोदया, पिछली बार यहां सदन में बोलते हुए मुख्य मंत्री महोदय ने बहुत ही गैर जिम्मेवाराना तरीके से बहुत ही गलत भाब्दो का इस्तेमाल किया था। इन्होने बोलते हुए कहा था कि राजनीति में कुछ असामाजिक तत्व, कुछ अराजनीतिक तत्व और कुछ अपराधिक तत्व आ गए है और कुछ ऐसे लोग जिनका राजनीति से कोई संबंध नही है चोर दरवाजे से इस हाउस में भी आ गए। चोर दरवाजे से कौन आया है उस बारे में मै नही कहना चाहता। सभापति महोदया, हम इलैक ान जीत कर आए है। असामाजिक तत्व क्या होता है। इस बारे में माननीय मुख्य मंत्री ही जानते है। अपराधिक तत्व क्या होता है इस बारे में इनके नजरिये की बाबत मै कुछ कहना चाहता हूं। आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि पुनिया ने एक अफसर को चोट मारी थी जिसकी रिपोर्ट दर्ज है, इसलिए पुनिया आपराधिक तत्व है। आदरणीय मुख्य मंत्री जी घडियो की समगलिंग में पकडे गये थे। (व्यवधान)

सभापति महोदयाः बनारसी दास जी आप बैठिये, सदन के नेता खडे है। (विघ्न) बनारसी दासजी आप पहली बार चुन कर आए है इसलिए आपको भाायद सदन की परम्परा का ज्ञान नही है

कि जब सदन के नेता बोलने के लिए खडे होते है तो कोई भी दूसरा सदस्य खडा नही रहता है।

चौधरी औम प्रका ा चौटालाः सभापति महोदया, पिछले सै ान में भी यह प्रसंग उठा था और मैने इस बात को बहुत स्पश्ट किया था कि मेरे खिलाफ घडियो के मामले का केस दर्ज हुआ था। उसकी बकायदा इन्कवायरी हुई थी और इन्कवायरी के बाद मुझे बरी किया गया था। पुनिया साहब के किस्से भी मै मौका आने पर बताऊंगा।

सभापति महोदयाः पुनिया साहब, अब आप अपनी बात दो मिनट में समाप्त कीजिए। आप अब तक 16 मिनट ले चुके है।

श्री किरपा राम पुनियाः आदरणीय मुख्य मंत्री जी कह रहे है कि 1978 के केस में उन्हे बाइज्जत रिहा किया गया था। (विघ्न) सभापति महोदया, जहां तक मुझे मालूम है ये बाइज्जत रिहा नही हुए थे। मेरे पास सूचना है कि आदरणीय मुख्य मंत्री जी पर 2 हजार रुपये का जुर्माना हुआ था। उन्होने अपील की थी। अपील के बाद जुर्माना 2 हजार से घटा कर एक हजार रुपया किया गया था। (व्यवधान एवं भाोर)

सभापति महोदया, इसके साथ ही मै डिजनीलैंड का भी थोडा सा जिक करना चाहूंगा जिसे टूरिज्म डिपार्टमैंट डिवैल्प कर रहा है। अमेरिका में लॉस एंजल्स में जो डिजनी वर्ल्ड बना है वह 2000 एकड भूमि पर बना हुआ है। (विघन) हमारे इस मकसद के

लिए 28000 एकड भूमि एक्वायर की जा रही है। हमारी हरियाणा सरकार 28 गावों को उजाड रही है। जो जमीन एक्वायर की जानी है उसके लिए एक लाख रुपये एकड के हिसाब से कम से कम 3 सौ करोड रुपये चाहिए है। सभापति महोदया, 600–700 करोड रुपये का तो हरियाणा का टोटल बजट है फिर यह 300करोड रुपया कहां से आएगा? (विघ्न) हरियाणा सरकार का टोटल प्लान बजट 600 करोड रुपये प्रति साल का है। इस प्रकार तो कई सालो का बजट कम्पलीट जमीन को खरीदने में ही खर्च हो जाएगा। जब तक मुख्य मंत्री महोदय हरियाणा को टैक्स फ्री स्टेट बनाकर देंगे तब तक 50 साल का बजट तो करीब करीब भूमि खरीदने पर ही खर्च हो जाएगा। इसलिए यह काम स्टेट के लिए कर पाना सम्भव नही है। यह सारा काम तो विभिन्न पार्टियो को ठेके पर देना पडेगा। फौरेन कन्ट्रीज़ की फर्मे यहां आएी और पैसा खर्च करेंगी। जब फोरन कम्पनियां पैसा खर्च करेगी तो जो इन्कम होगी वह भी सारी की सारी हरियाणा सरकार को नही मिलेगी इन्ही विदे ाी कम्पनियो को जाएगी। यह कहना कि डिजनीलैंड बनाकर हरियाणा का मालामाल कर देंगे यह लोगो को बेवकूफ बनाने वाली बात है। (व्यवधान)

सभापति महोदयाः अब आप एक मिनट में खत्म कीजिए क्योंकि आपने काफी समय पहले ही ले लिया है।

श्री किरपा राम पुनियाः सभापति महोदया, आज के दिन वैसे भी हमारे सामने बहुत से और भी ऐसे प्रोजैक्टस है जिन्हे

प्रायरिटी दिये जाने की आव यकता है। एस0 वाई0 एल0 जैसे महत्वपूर्ण प्रोजैक्ट के लिए 15 करोड रुपये का प्रावधान किया गया है जबकि साथ ही साथ सरकार यह भी चाहतीहै कि इस साल में यह मुकम्मल हो जाए। अभी तो सैंकडो करोड रुपया खर्च होना है। बहुत सारे ऐसे प्रोजैक्टस है जो वैल्फेयर के है। उनके लिए पैसे का प्रावधान करना ज्यादा जरुरी है। 300 करोड रुपये का प्रावधान तो हमारे काबू की बात नही है। इसका सीधा मतलब यह है कि दिल्ली का कौलोनाइजर इस जमीन को कौडियो के भाव से खरीदेगा और वह मालामाल हो जायेगा। हजारो करोड रुपया उन लोगो को इस जमीन से आएगा। मुझे तो किसी ने एस्टीमेट बताया था कि वे कौलोनाइजर्ज पांच हजार करोड रुपया मुनाफा कमाएंगे।

अब मै आखिरी बात भाडयूल्ड कास्टस की वैल्फेयर के बारे में अर्ज करके अपनी बात समाप्त कर दूंगा।

सभापति महोदयाः आपने 12:50 पर बोलना भुरु किया और अब एक बज कर दस मिनट हो गये है। इसलिए अब आप वाइंड अप करिए।

श्री किरपा राम पुनियाः अभी वाइंड अप करता हूं। भाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज की वैल्फेयर के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। यहां हाउस में खासतौर पर रिक्टमेंट के बारे में चर्चा होती है। चाहे पूलिस में कांस्टेबलो की भर्ती हो, चाहे एस एस एस बोर्ड से कन्डक्टर्ज, क्लर्कस और ड्राइवर्ज के

नाम आने की बात हो वहो से जितने नाम आने चाहिए थे उतने नही आये। वहां पर बडी भारी कमी रही है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) जहां तक ओवर आल टोटल पोजी ान का सवाल है उसके बारे में अर्ज करना चाहता हूं। यह सूचना हरियाणा गवर्नमैंट की पब्लि ाड इन्फर्मे ान है जो स्टेटिस्टिकल विभाग द्वारा दी गई है इसके मुताबिक क्लास वन में टोटल अधिकारी 1697 है। इनमें भाडयूल्ड कास्टस के 73 है और बैकवर्ड क्लासिज के 37 है। इनमें भाडयूल्ड कास्टस का 237 का भाार्टफाल है और बैकवर्ड क्लासिज का 29 का भाार्टफाल है। क्लास टू में टोटल अधिकारी 7464 है। इनमें भाडयूल्ड कास्टस के 358 है और बैकवर्ड क्लासिज के 231 है। इनमें भाडयूल्ड कास्टस का 1173 का भाार्टफाल है और बैकवर्ड क्लासिज का 538 का भाार्टफाल है। इसी तरह से क्लास श्री में टोटल सरकारी मुलाजिम 163571 है। इनमें भाडयूल्ड कास्टस के 16848 है और बैकवर्ड क्लासिज के 12415 है। इनमें भाडयूल्ड कास्टस का 15982 का भाार्टफाल है और बैकवर्ड क्लासिज का 3754 का भाार्टफाल है।

श्री अध्यक्षः अब आप वाइंड अप करें।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय यहां हाउस में मौजूद है इसलिए उनके ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं। हो सकता है उनके ध्यान में न हो। वैसे तो वे बहुत बडे राजनैतिक व्यक्ति है और बहुत जागरुक भी है, हरियाणा के मुख्य मंत्री है, उन्हे इनकी सी0 आई0 डी0 देती रहती होगी

क्योकि इनकी पुलिस बहुत ऐफि ायंट है लेकिन जब श्री कम्बोज के खिलाफ कोई केस रजिस्टर हो जाये तो उसे एक मिनट में ही गिरफतार कर लिया गया और अगर किसी वर्कर या मिनिस्टर के खिलाफ दर्ज हो जाता है तो महीनो कोई कार्यवाही नही होती है। श्री कम्बोज के बच्चो को भी गिरफ्तार कर लिया। इसलिए मै यह जानना चाहता हूं कि जिन अफसरो ने उनके खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नही की उनके खिलाफ इन्होने क्या ऐक ान लिया है। पंजाबी भाईयो के खिलाफ पोस्टर्ज छपे। उन पोस्टर्ज छापने वालो के खिलाफ अन्डर सैक ान 153–ए के तहत केस रजिस्टर्ड किया गया। क्या ही अच्छा होता कि केस दर्ज होने के साथ साथ कांस्प्रेसी की सैक ान भी साथ ही लगा देते ताकि सब कुछ कवर कर लिया जाता। जहां तक विकटेमाइजे ान की बात है, उस बारे में भी मै कुछ अर्ज करना चाहता हूं। हमारे साथी यहां बैठे है। जो जनहित मोर्चे के एम0 एल0 एज0 है उन पर झूठे केस बनाये जाते है। हमारे साथी मुन्नी लाल को थ्रीट दी जाती है कि तुम्हारी कोठी गिरा देंगे। इसी तरह से वासुदेव भार्मा, योगे ा भार्मा, और डी डी अत्री को थ्रैट किया जा रहा है। किसी की बीवी को तीन सौ किलोमीटर तक ट्रांसफर कर दिया। ट्रांसफर करने पर तो हमे कोई आपत्ति नही लेकिन हमारा कोई मिलने वाला है तो उसे पिदे सी0 आई0 डी0 लगा कर उस पर झूठे केस बनाये जाते है, उनको ह्यूमिलिएट किया जाता है, विकटेमाइज किया जाता है। मैने पिछली बार भी कहा था और अब भी कह रहा हू, कभी यह न कहे कि सूचना नही मिली। मैने डी0 ओ0 लैटर ी होम मिनिस्टर साहब

को लिखा थै और उसकी कापी मुख्य मंत्री जी को भेजी थी कि हरियाणा सरकार ने हमारे जनहित मोर्चे के लोगो से सिक्योरिटी विदड्रा कर ली है। उनके गनमैनज् को विदड्रा कर लिया है। यह बात मै आपके नोटिस में ला रहा हू। मुझे डी0 ओ0 लैटर लिखे हुए आज तीन महीने हो गये है। इनकी तरफ से अभी तक तीन महीने में डी0 ओ0 का कोई उतर नही आया। श्री मुनी लाल, श्री योगे ा भार्मा, श्री लछमन दास कम्बोज, श्री हरि सिंह सैनी, श्री वासुदेव भार्मा आदि से गनमैन विदड्रा कर लिए है। कभी ऐसा न हो कि ग्रीन ब्रिगेड के लोग इन को रास्ते में पकड कर हमला कर दें।

Mr Speaker: Do not presume these things

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, यह बिल्कुल सही बात है। इस तरह की हरकते हो चुकी है। इन भाब्दो के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मै अपना स्थान लेता हू।

श्री ि ाव प्रसाद(अम्बाला भाहर): अध्यक्ष महोदय, कल सदन में जो बजट रखा गया है, जिसको कर मुक्त बजट कहा जा रहा है, इसमें घाटा भी है। खर्चे में कमी करके, कुछ छापे लगाकर और करो में जो चोरी होती है उसकी रिक्वरी करके उस घाटे को पूरा करने के लिए कहा गया है। मै तो इस बारे में केवल एक दो बातें ही कहना चाहता हूं। एक तो यह है कि जो हमने खर्च कम करने के लिए कहा है इस बारे में आम जनता को पता लगना चाहिए कि सरकार ने कौन कौन से खर्चे कम किये है ताकि लोगो

को जो हमने इस बात का वि वास दिलाया है इस बारे में हमारे प्रति उनका वि वास बन सके। दूसरे यह बात ठीक है कि हरियाणा सरकार में अनपढता के कारण बडी चिंता है और गांव गांव तक ि ाक्षा का प्रचार हो, उस दृश्टी से पिछले वर्श भी हर विधान सभा क्षेत्र में प्राइमरी से मिडल, मिडल से हाई, और हाई से 10 जमा 2 स्कूल अपग्रेड किये गये है। चालू वर्श के दौरान भी 175 के लगभग अलग अलग स्तर के स्कूल अपग्रेड करने के लिए कहा गया है। महिलाओ की ि ाक्षा और लडकियो की ि ाक्षा के लिए सौ के लगभग विद्यालय खोले जा रहे है। इस तरह का भी प्रावधान इस बजट में रखा गया है। मै इस बारे में थोडा सा आपके द्वारा सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं कि ि ाक्षा ि ाक्षा ही है, चाहे वह सरकारी स्कूल मै है या प्राइवेट स्कूल में है। अगर हम बोर्ड के रिजल्ट को सामने रखकर देखें तो उसमे से हम अगर प्राइवेट स्कूलो के परिणाम को माईनस कर दे तो सरकारी स्कूलो की जो परसैंटेज आती है वह बहुत कम है। प्राइवेट स्कूलो में काम करने वाले अध्यापक काफी देर से स्ट्रगल करते आ रहे है। मगर उनकी बात की ओर बहुत कम ध्यान दिया गया। अन्त में उनको सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पडा जहां पर सुप्रीम कोर्ट ने 21–2–1990 को उनके हम को फैसला दे दिया है। सरकार ने भी कुछ उनको अब वि वास दिलाया है कि जून तक आपको पहली किस्त दे देंगे जिसमे मैडिकल अलाउंस, सी0 सी0 ए0, हाउस रैंट और ग्रैचुअटी ऐटसैट्रा भाामिल है। मेरा कहना यह है कि जो स्कूलज प्राइवेट मैनेजमैंट है, उसको बुलाकर

पहले बातचीत कर ली जाये तो ज्यादा अच्छा रहेगा। अध्यापको को अपनी बात मनवाने के लिए सडको पर आना पडे यह प्रदे ा के हितमे भी नही है। साथ ही एक बात और मै कहना चाहता हूं। अभी बोलते हुए बहन सुशमा जी ने कहा था कि कालेज और स्कूलो की ग्रान्ट में कुछ अन्तर है। कालेजिज को हम 95 प्रति ात ग्रान्ट देते है लेकिन स्कूलो को 75 प्रति ात ग्रान्ट देते है। एक बात हमने यह देखी है कि प्राइवेट स्कूलो में फीस मनमाने ढंग से ली जाती है जबकि वह फीस उनकी आय में नही दिखाई जाती। मै यह बात दावे के साथ कहता हूं कि अगर हम उनको 95 परसैंट ग्रान्ट दे दे ंतो भाायद सरकार को बहुत कम बजट इस पर खर्च करना पडे। वह इसलिए क्योकि प्राइवेट स्कूलो वाले जो फीसे लेते है, अगर वह सरकार ऐप्रूव कर देगी तो वह फीस से आने वाली आय भी उसमें ाामिल हो जायेगी। मै यह कहना चाहता हूं कि इस तरह से 95 प्रति ात ग्रांट अगर यह सरकार देगी तो इसका केडिट सरकार को जाएगा कि कालेजिज़ के मुकाबले में इस ने स्कूलो को भी 95 प्रति ात ग्रांट दी है। जिस तरह से कालेज के प्रोफैसर्ज को ट्रेजरी से तन्खवाह दी जाती है, प्राइवेट स्कूलो के अध्यापको को भी ट्रेजरी से या बैंकस की मार्फत तनख्वाह दी जाएगी। इस तरह से जो प्राइवेट स्कूलो में तनख्वाह कम मिलती है और छः छः महीने तक तनख्वाह मिलती ही नही है, वह समस्या भी लगभग समाप्त हो जाएगी। पिछले दिनो स्कूलो को अपग्रेड करने की बात आई थी। मै इसके साथ ही साथ अपने हल्के का भी जिक करता रहूंगा। पिछली बार मैने बोलते हुए कहा था कि

अम्बाला भाहर में और अम्बाला छावन में कोई भी सरकारी कालेज नही है और उस समय बोलते हुए ि ाक्षा मंत्री ने कहा था कि आप तो 10जमा 2 की बात करते है, मै तो वहां पर कालेज बनाना चाहती हूं। अध्यक्ष महोदय, उस समय सरकार की ओर से यह कहा गया था। मेरी प्रार्थना है कि अम्बाला भाहर में लडकियो का एक कालेज हर हालत में बनाया जाना चाहिए ताकि यह क्रडिट इस सरकार को मिल सके। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला में मैडिकल कालेज खोलने के बारे में कुछ अडचने बताई जाती है। जैसे आबादी की भार्त या कुछ और भार्ते है जिन्हे केन्द्रीय सरकार पूरे हुए बिना मैडिकल कालेज खोलने की परमि ान नही देती। इसमें अगर दिक्कत है तो वहां पर कम से कम इंजीनियरिंग कालेज अव य खोल दिए जाए क्योकि अम्बाला एजूके ान का सैन्टर है। पिछले दिनो मुख्य मंत्री महोदय, पंजोखो गए थे ओर वहां पर स्कूल के प्रांगण में कार्यक्रम हुआ था। वे स्कूल को बहुत कुछ देकर आए। चार दीवारी के लिए पैसा दिया और दो कमरो को बनाने के लिए रुपया देकर आए थे। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि पंजोखेडा को 10 जमा 2का स्कूल बना दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मै ि ाक्षा के बारे में जो स्टाफ की दिक्कत है उस सम्बन्ध में भी कुछ कहना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, स्कूलो में स्टाफ की जो पोस्टस रिकमैन्ड होती है वह पहले बच्चो की संख्या के आधार पर होती है लेकिन बच्चो की संख्या बढती चली जाती है। लेकिन उसके बाद बच्चो की संख्या के मुताबिक पोस्टस की इजाजत नही मिलती। जैसे पी0 के0 आर0 जैन सीनियर सैकेण्डी

स्कूल, अम्बाला है। उसमें छब्बीस अध्यापक है जिनकी मंजूरी है और बत्तीस ऐसे है जिनकी मंजूरी नही है। जब 26 का स्टाफ मंजूर था उस वक्त 750 विद्यार्थी थे और अब 2500 विद्यार्थी है। इसी स्कूल में कुछ टीचर तो ज्यादा तनख्वाह ले और चूंकी मैनेजमैंट को ग्रांट नही मिलती इसलिए वह मैनेजमैंट उस स्कूल के बाकी टीचर्ज को कम तनख्वाह दे तो यह अन्तर मन में अ ाांति पैदा करता है। जब एक ही क्वालिफिके ान के काम करने वालो में कुछ को कम तनख्वाह मिले और कुछ को ज्यादा मिले तो मन मे असंतोश रहता है। इसलिए इस मतभेद को दूर करने के लिए यह जरुरी है कि जैसे ही सरकार के पास टीचर्ज की संख्या बढाने के बारे में मांग आए उस डिमाण्ड के मुताबिक उसको मन्जूरी मिल जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, एक बात और है। कांग्रेस भाासन में लोगो के साथ एक धोखा हुआ, अब इस सरकार को उस धोखे को खत्म करना चाहिए। बात यह थी कि नगरपालिकाओ के मकानो की जब हाउस टैक्स की असैसमैंट हुई तो उसका फैसला करते समय पहले जनता पार्टी के भाासनकाल में 120 रुपये जो एनुअल रैन्टल वैल्यू थी वह कांग्रेस के भाासनकाल में छः सौ रुपए कर दी गई। कांग्रेस के भाासन काल में उनको यह कहा गया कि सौ रुपया पर मंथ की माफी दे देंगे। जिन लोगो के मकानो पर टैक्स लगा और जब वे इसका फैसला कराने गए तो मकान मालिको को यह कह दिया गया कि सौ रुपए महीने का टैक्स माफ

कर दिया है लेकिन तीन चार महीने के बिल उनके पास हाउस टैक्स के चले गए। लोगो ने कहा कि ये हमारे पास कैसे आ गए। उनको कहा कि नही एक हजार सालाना रैन्टल वैल्यू का फैसला किया है। सौ रुपए महीने के हिसाब से तो बारह सौ रुपया होता है। एक हजार और बारह सौ रुपएके बीच में जिन मकानो के मालिको पर हाउस टैक्स लग गया, वे अपील नही कर सकते थे क्योकि एक महीने का अपील का समय होता है। अपील का समय भी निकल गया और लि उनको पास आ गए। आज के युग में तो एक हजार या 1200 रुपए कोई मायने नही रखते। मै सरकार से कहूंगा कि ये बहुत छोटे मकान है जिनके उपर यह टैक्स लगा दिया है। मेरी प्रार्थना है कि इसकी जो सीमा है वह बढाकर दो सौ रुपए महीने के हिसाब से एक साल की रैन्टल वैल्यू जो 2400 रुपए बनते है, टैक्स से माफी दी जाए।

अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हूं कि पिछले दिनो सरकार ने बहुत से प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज खोले है ताकि लोगो को सुविधा हो लेकिन मै यह कहना चाहता हूं कि अम्बाला के अस्पताल का ि ालान्यास फरवरी, 1980 में हुआ था। आज दस साल हो गए, ग्याहरवां साल भाुरु हो गया है लेकिन उस अस्पताल की हालत किसी से छिपी नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि इस वर्श में हर हालत में वह हस्पताल पूरा करना चाहिए क्योकि आस पास के सारे लोग वहां इलाज कराने आते है। मुख्य मंत्री महोदय, पंजोखेडा गए थे। वहां

के लोगो की डिपाण्ड थी कि वहां पर प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोला जाना चाहिए। मुख्य मंत्री जी ने लोगो से कहा था कि वहां प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खुल जाएगा। पंचायत ने वहां पर जमीन दे दी है। मेरी प्रार्थना है कि मुख्य मंत्री जी का आ वासन पूरा किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै परिवहन के बारे में कहना चाहता हूं। प्रो0 सम्पत सिंह जी ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिला बना दिया गया है और दिल्ली से वाया कुरुक्षेत्र वीडियो कोच बस भ्रुरु कर दी है। मै कहना चाहता हूं कि अम्बाला भाहर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है लेकिन कोई वीडियो कोच बस अम्बाला भाहर होकर नही आती और सवारियो को अम्बाला छावनी जाकर वीडियो कोच पकडनी पडती है। अम्बाला भाहर इस लाभ से वंचित है। अगर डिलक्स और वीडियो कोच, जो चण्डीगढ से दिल्ली जाते है और दिल्ली से चण्डीगढ आते है, उनको अम्बाला भाहर के बस स्टेण्ड के एक दरवाते से लाकर दूसरे दरवाजे से निकाल दिया जाए और इस तरह से अम्बाला छावनी से इसको जोड दिया जाए तो अम्बाला भाहर के लोग बस स्टैण्ड पर डीलक्स बस का लाभ उठा सकते है। मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस ओर ध्यान देगी और अम्बाला भाहर जो डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है उसको हर हालत में डिलक्स तथा वीडियो कोच के साथ जोडने की कृपा करेगी।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मै एक बात और कहना चाहूंगा कि बलदेव नगर कैम्प के पास, भाहर के साथ साथ

हाउगि बोर्ड कालोनी बन गई है और वहां की आबादी भी बहुत बढ गई है जिस कारण से लोगो को आने जाने में काफी दिक्कतो का सामना करना पडता है। इसलिए मेरी रिक्वैस्ट है कि चण्डीगढ से दिल्ली व दिल्ली से चण्डीगढ आने जाने वाली बसे वहा पर रुक कर जानी चाहिए ताकि लेागो को कुछ राहत मिले। पिछली बार भी मैने इस बारे में जिक्र किया था लेकिन बसो के वहां न रुकने के कारण लोगो को काफी असुविधा का सामना करना पड रहा है। अतः सरकार इस ओर अव य ध्यान दें। साथ ही अध्यक्ष महोदय, मैने यह भी प्रार्थना की थी कि बलदेव नगर कैम्प के पास भाहर के साथ एक मिनी लोकल बस स्टैण्ड बन जाए तो बेहतर रहेगा जिससे आस पास के लोगो के बसो में यात्रा करने में काफी सुविधा होगी।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मै सरकार से एक और रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि बलदेव नगर कैम्प में अगर एक डी0 एफ0 एस0 ओ0 का आफिस खोल दिया जाए तो किसानो को काफी सुविधा रहेगी। जो किसान अपना अनाज बेचने के लिए वहां जाएंगे उनको वहां पर ही पेमैण्ट हो जाएगी। इसके लिए उन्हे दाएं बाए नही जाना पडेगा। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि स्पे ाल तौर पर वहां के लिए एक डी0 एफ0 एस0 ओ0 की पोस्ट क्रिएट की जाए।

इसी तरह से अम्बाला भाहर के अन्दर जो 66 के0 वी0 का सब–स्टे ान सरकार लगाने जा रही है उसको भीघ्र से भीघ्र

इंस्टाल किया जाए। पैं ान के बारे में मेरा यह निवेदन है कि किसी ो 75 रुपए मासिक और किसी को 100 रुपया मासिक पैं ान मिलती है। इस डिसपैरिटी को समाप्त करके सभी की पैन् ान 100 रुपया मासिक कर दी जाए। चाहे कोई विकलांग है, चाहे कोई वृद्ध है। सभी को 100 रुपए मासिक पैन् ान मिलती चाहिए। क्योकि अगर ऐसा न किया गया तो काफी हेरा फेरी होने का अन्दे ाा हो सकता हे जो लोग 75 रुपये मासिक पैं ान पाते है, वे 100 पैं ान की चेश्ठा करेंगे और जो कम उम्र के लोग है, वे अपनी उम्र ज्यादा लिखवा कर हेराफेरी से ज्यादा पैं ान प्राप्त करना चाहेंगे। अतः सरकार इस ओर ध्यान दे ताकि सभी को एक समान पैं ान मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मै यह कहना चाहूंगा कि चुनाव से पहले हर पार्टी अपना घोशणा पत्र घोशित करती है। वर्श 1987 के चुनाव मैं बी0 जे0 पी0 ने व दूसी पार्टीयो ने अपना घोशण पत्र घोशित किया। जनता दल ने जो पहले लोकदल थी, उन्होने भी अपना घोशणा–पत्र जारी किया था।

श्री अध्यक्षः मास्टर जी आपका केवल एक मिनट ही रह गया है।

श्री ि िव प्रसादः अध्यक्ष महोदय, मुझे तो बोलते हुए थोडा ही समय हुआ है। दूसरे तो 24–25 मिनट तक बोलते रहे। खैर, अध्यक्ष महोदय, अगला प्वायंट मै यह कहने जा रहा हूं कि

जो हाउसिंग बोर्ड कालोनिज है या अर्बन एरियाज में प्लाटस दिये गये है, उनके उपर ऐनहान्सड् प्राईस का जो सिलसिला है, बस बारे में सरकार ने कहा है कि एक कमेटी बनेगी ओर वह कमेटी नो–प्रोफिट ओर नो लॉस के आधार पर यह फैसला करेगी और जब तक कमेटी का फैसला नही होगा तब तक किसीके पास ऐन्हान्समैंट प्राईस का नोटिस नही जाएगा लेकिन हुआ क्या कि वह कमेटी बनी नही और लोगो के पास ऐन्हान्समैंट प्राईस के नोटिस भेजे गये है। अम्बाला के अन्दर एक एक प्लाट पर तीन तीन बार ऐन्हांस्सड प्राईस नोटिस भेजा गया हे। पहली बार 83 में, दूसरी बार 85 में और तीसरी बार 88 में। हमारे सामने स्पीकर साहब, ऐसे बहुत से केसिज आते है। होता क्या है कि हम एक आदमी की जमीन एक्वायर करते है और वह सरकार के फैसले के खिलाफ कोर्ट में चला जाता है। अगर सरबार जमीन एक्वायर करते समय ही आस पास के इलाके की जमीनो की कीमतो का जायजा लेकर ऐक्वायर की गई जमीन की कीमतो को फिक्स करे तो लोगो में किसी प्रकार की कोई सरकार के प्रति दुर्भावना नही होगी या जनता के सलाह म ाविरा के साथ ही जमीनो की कीमतें फिक्स की जाएं तो जनता में किसी प्रकार का रोश नही होगा। लोग कोर्टस में नही जाएंगे और सब कुछ उनकी रजामन्दी के साथ ही तय हो जाया करेगा। मान लिजिएगा कि भुरु मे अगर सरकार की ओर से किसी को प्लॉट, जमीन या बना हुआ एक कमरे का मकान 31 हजार मे मिलेगा, दूसरी बार भाायद उसे ज्यादा कीमत में मिलेगा और जब दो सालो के बाद हम कीमत

बढाकर भेजते है तो उतनी कीमत देना उस आदमी की भाक्ति से बाहर हो जाता है। न तो वह उस मकान को रख सकता है न छोड सकता है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि पहले ही जो प्राईस सरकार की ओर से फिक्स की जाए उसी के अनुसार ही पेमैन्ट ली जाए जिससे लोगो को किसी प्रकार की दुविधा में न फंसना पडें।

श्री अध्यक्षः मास्टर जी आप का टाईम ओवर हो गया है अब हाउस कल सुबह नौ बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

13:30 बजे

(तत्प चात सदन भुक्रवार दिनांक 16–3–90 को प्रातः 9:30 बजे तक स्थगित हुआ)